ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हत्या से पहले रेणुकास्वामी को जीवन की गुहार लगाते हुए एक तस्वीर आई सामने @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 06 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |*| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-249

रूस के राष्ट्रपति पुतिन का बड़ा बयान

भारत, चीन और ब्राजील ही रूस-यूक्रेन युद्ध में कर सकते हैं मध्यस्थता

मॉस्को, 05 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता के लिए भारत, चीन और ब्राजील मध्यस्थता कर सकते हैं। गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान पुतिन ने कहा रूस और यूक्रेन की जंग शुरू होने के एक हफ्ते बाद ही इस्तांबुल में हुई बातचीत में शांतिवार्ता को लेकर एक प्राथमिक समझौते पर सहमति बनी थी, लेकिन इस समझौते को कभी लागू नहीं किया गया। अब अगर फिर से मध्यस्थता की बातचीत शुरू होती है तो इस्तांबुल में हुआ प्राथमिक समझौता इस बातचीत का आधार बन सकता है।

file photo

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईस्टर्न इकॉनोमिक फोरम के कार्यक्रम में पुतिन ने कहा कि हमारा प्रमुख उद्देश्य यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र को कब्जे में लेना है। फिलहाल रूसी सेना कुर्स्क से यूक्रेनी सेना को पीछे खदेड़ रही है। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। कई बार रूस यूक्रेन के बीच मध्यस्थता की कोशिश की गई है, लेकिन रूस के इन शांति वार्ताओं में शामिल न होने के चलते इन बैठकों का कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकल पाया। अब खुद पुतिन ने संकेत दिए हैं कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। पुतिन का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के दौरे पर शांति की अपील की थी।

बीते महीने ही यूक्रेन दौरे पर भी पीएम मोदी ने शांति की अपील की थी और कहा था कि भारत इसके लिए मदद करने के लिए तैयार है। यूक्रेन ने भी रूस के साथ शांतिवार्ता के लिए भारत की भूमिका को अहम बताया था।

गौरतलब है कि रूस ने जंग रोकने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उसके मुताबिक यूक्रेन को दोनेत्सक, लुहांस्क, खेरसान और जपोरजिया इलाकों से अपने सैनिक हटाने होंगे। साथ ही यूक्रेन कभी भी नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा। हालांकि यूक्रेन ने शर्तों को मानने से इनकार कर दिया और यूक्रेन की मांग है कि रूस अपने सभी सैनिकों को यूक्रेन से वापस बुलाए।

भारत की मांग पर 2023 में इंटरपोल ने जारी किए 100 रेड कॉर्नर नोटिस

अब सीमाओं से बंधे नहीं हैं अपराधी, भगोड़ों को चुन-चुन कर वापस लाएंगे : सूद

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरपोल ने भारत की मांग पर 2023 में 100 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए हैं। यह संख्या एक साल में सबसे ज्यादा है। 10वें इंटरपोल संपर्क अधिकारी सम्मेलन में सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि हमने दुनियाभर के पुलिस बल से कहा है कि वे भारतीय एजेंसियों द्वारा वांछित और सीमा पार रह रहे भगोड़ों को हिरासत में लें। उन्होंने कहा कि इंटरपोल और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन सहयोगियों की मदद से 2023 में 29 और 2024 में अब तक 19 वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है।

2023 में 29 और 2024 में अब तक 19 वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया

सूद ने कहा कि इंटरपोल का रेड नोटिस केवल गिरफ्तारी का वारंट नहीं है। बल्कि इसके जरिये दुनियाभर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मांग की जाती है कि वह प्रत्यर्पण और आत्मसमर्पण जैसी कानूनी कार्रवाई के लिए वांछितों का पता लगाएं और उनको गिरफ्तार करें। सीबीआई निदेशक ने यह भी कहा कि आज दुनिया आतंकवाद, साइबर वित्तीय अपराध, ऑनलाइन बाल यौन शोषण, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद की फंडिंग जैसे अपराधों और खतरों का सामना कर रही है। मजबूत कानूनी ढांचे, नवाचार पहल, प्रौद्योगिकी के जरिये भारतीय पुलिस सक्रिय अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर चुनौतियों का समाधान करने में सबसे आगे रही है। सीबीआई के निदेशक ने यह भी कहा कि हमारे ग्लोबल ऑपरेशन सेंटर में 2023 में अंतरराष्ट्रीय सहायता के 17368 मामलों में कार्रवाई की। इस मौके पर गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी सीबीआई के ऑपरेशन सेंटर की तारीफ की। उन्होंने कहा यह केंद्र प्रतिदिन 200-300 मामलों पर गौर कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय न्याय क्षेत्र अलग होने का भगोड़ों और अपराधियों को ▶10पर

शिवाजी की मूर्ति गिरने के मामले में महाराष्ट्र सरकार का बड़ा एक्शन

10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजे गए ठेकेदार-सलाहकार

मुंबई, 05 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के मामले में गिरफ्तार मूर्ति के ठेकेदार जयदीप आप्टे और संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि चेतन पाटिल और जयदीप आप्टे को मालवन की एक अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए उनकी हिरासत मांगी, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक शिवाजी की मूर्ति के संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को 30 अगस्त को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था, जबकि ठेकेदार जयदीप आप्टे को घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज होने के करीब 10 दिन बाद बुधवार रात ठाणे जिले के कल्याण से हिरासत में लिया गया। वहीं मामले में ठेकेदार जयदीप आप्टे के वकील गणेश सोवानी ने कहा कि मूर्तिकार ने बुधवार रात को आत्मसमर्पण करने का इरादा बनाया था और वह जांच में सहयोग करने के लिए तैयार थे। वहीं सुनवाई के दौरान सोवानी ने अदालत से कहा, वह प्रतिमा के डिजाइन और अन्य दस्तावेजों के बारे में सभी विवरण पुलिस को सौंपने के लिए तैयार हैं। ▶10पर

गैर-सियासी मामलों सरकारी वकीलों की अनुपस्थिति पर भड़का कलकत्ता हाई कोर्ट

मुख्य न्यायाधीश ने स्थिति को बताया दुखद और शर्मनाक

कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अपने समक्ष आने वाले मामलों में पश्चिम बंगाल सरकार के वकीलों की अनुपस्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की, खासकर जब मामले राजनीतिक रूप से संवेदनशील न हों। बता दें कि सुंदरबन में बाघ हमले के पीड़ितों की दुर्दशा के बारे में एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवगनम ने पहले दिए निर्देशों के बावजूद राज्य के प्रतिनिधित्व के अभाव पर ये टिप्पणी की है।

मुख्य न्यायाधीश शिवगनम ने राज्य सरकार की तरफ से वकीलों को मामले सौंपे जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए स्थिति को बहुत दुखद बताया। इस दौरान उन्होंने हर मामले में राज्य के प्रतिनिधित्व के बारे में पूछताछ करने की असुविधा पर ध्यान दिया। यह कहते हुए कि वकीलों को मामलों का आवंटन राज्य सरकार की तरफ से उचित तरीके से किया जाना चाहिए, पीठ ने कहा, यदि यह कोर्ट नंबर 1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) में होता है, तो अन्य अदालतों की दुर्दशा की कल्पना करें।

वहीं न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य की भी खंडपीठ ने कहा कि यह खेद की बात है कि 9 मई को आदेश पारित करने के बावजूद राज्य की ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ। जबकि अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 26 सितंबर को तय की है। हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार के वकील मोहम्मद गालिब, जो अदालत में मौजूद थे, लेकिन जनहित याचिका में शामिल नहीं थे, ने राज्य की ओर से बिना शर्त माफी मांगी। उनसे अनुरोध किया गया कि वे सरकारी वकील के कार्यालय को ▶10पर

तेलंगाना में पुलिस मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए

भद्राद्री कोत्तागुडेम, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भद्राद्री कोठागुडेम जिले के रघुनाथपल्ली वन क्षेत्र के पास गुरुवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने रघुनाथपल्ली के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान माओवादियों ने पुलिस का सामना किया और गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस कर्मियों ने भी गोलीबारी की, जिसके कारण छह माओवादी मारे गए।

बताया जा रहा है कि मारे गए माओवादी लछन्ना दलम के सदस्य थे। मृतकों में कथित तौर पर तेलंगाना का एक वरिष्ठ माओवादी नेता भी शामिल है। पुलिस ने बताया है कि इलाके में अभियान अभी भी जारी है।

कोलकाता केस में भाजपा ने लगाया बड़ा आरोप

संदीप घोष ने ही दिया था तोड़फोड़ का आदेश, ममता बनर्जी से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली/कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कोलकाता के जिस अस्पताल में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की गई थी, उसके टॉयलेट रूम को तोड़ने का आदेश अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर संदीप घोष ने ही दिया था। भाजपा का आरोप है कि टॉयलेट को तोड़ने का आदेश 10 अगस्त को ही दे दिया गया था, जबकि डॉक्टर से दुष्कर्म की जघन्य वारदात नौ अगस्त को ही लोगों के सामने आई थी। आरोप है कि डॉक्टर को इस घटना को छिपाने के लिए सरकार के स्तर से निर्देश दिया गया था। घटना के बाद ही डॉक्टर को प्रमोट कर दिया गया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद संदीप घोष को गिरफ्तार कर लिया गया था। अभी भी वे सीबीआई की हिरासत में ही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस घटना को छिपाने और सच को

दबाने की पूरी कोशिश की थी। इसे छिपाने में सरकार का सहयोग करने वालों को इसके लिए इनाम भी दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस मामले में पश्चिमी बंगाल सरकार की स्पष्ट भूमिका सामने आ गई है और ममता बनर्जी को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। पार्टी ने इस घटना पर विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के नेताओं को चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। भाजपा ने प्रदर्शनकारियों के साथ कदम मिलाते हुए इस घटना में कोलकाता पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। पार्टी का आरोप है कि कोलकाता के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने इस घटना की जांच में गंभीरता नहीं दिखाई है, उलटे उसने अपनी ताकत का उपयोग घटना और दोषियों को छिपाने के लिए किया है, कोलकाता पुलिस कमिश्नर को उनके पद से हटाया जाना चाहिए।

सड़क हादसे में भारतीय सेना के चार जवानों की मौत

प. बंगाल के पेदोंग से सिक्किम के पाक्योंग जा रहे थे

गंगटोक/ कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। सिक्किम के पाक्योंग जिले में गुरवार को को भारतीय सेना के चार जवानों की सड़क हादसे में मौत हो गई। ये जवान पश्चिम बंगाल के पेदोंग से सिल्क मार्ग से जुलुक जा रहे थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के बिन्नागुड़ी में तैनात सेना के ईएमसी कर्मियों को ले जा रहा वाहन रेनॉक-रोंगली राजमार्ग पर वर्टिकल भीर में सड़क से फिसल गया और नीचे जंगल में जा गिरा। पुलिस ने बताया कि वाहन में चार लोग सवार थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के सिपाही प्रदीप पटेल, इंफाल के सीएफएन डब्ल्यू. पीटर, हरियाणा के नायक गुरसेव सिंह और तमिलनाडु के सूबेदार के. थंगापंडी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक, सैन्यकर्मियों के शव सेना को सौंप दिए गए हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,100/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 86,220/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,201.16
-151.48 -0.18% ↓

एनएसई :25,198.70
-53.60 (-0.21%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन के पहले दिन रेवंत सरकार ने 21 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन के पहले दिन शैक्षणिक संस्थानों, बड़ी-तकनीकी कंपनियों, स्टार्टअप और गैर-लाभकारी संगठनों सहित निजी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ 21 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। गुरुवार को यहां एक दिवसीय वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन शुरू हुआ।

सभी समझौता ज्ञापनों पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। तेलंगाना को देश में एआई सुपरपावर बनाने के लिए आवश्यक विभिन्न आयामों पर इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापनों पर प्रमुख रूप से 7 क्षेत्रों में हस्ताक्षर किए गए - कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्किलिंग, इम्पैक्ट असेसमेंट, स्टार्टअप इनोवेशन, जेनरेटिव एआई, रिसर्च एंड कोलैबोरेशन और डेटा एनोटेशन।

एआई सिस्टम के लिए आवश्यक राज्य में कम्प्यूटेशनल संसाधनों को बढ़ाने के लिए, सरकार ने योट्टा और सी-डैक के साथ 2 अलग-अलग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। योट्टा हैदराबाद में एक विशेष एआई-

डेटा सेंटर का डिजाइन और निर्माण करेगा। डेटा सेंटर में अत्याधुनिक जीपीयू आधारित एआई क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर होगा, जो शुरुआत में 4000 रुपये एच100 जीपीयू या समकक्ष द्वारा संचालित होगा, जिसे भविष्य में 25000 एच100 जीपीयू तक स्केल किया जा सकेगा। योट्टा स्थानीय स्टार्टअप, उद्योगों, शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ क्लाउड और एआई प्रौद्योगिकियों के आसपास एक सहयोगी अनुसंधान एवं विकास पहल भी स्थापित करेगा।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) टी-एआईएम संचालित स्टार्टअप के लिए परम सिद्धि - एआई और एआईरावट पीओसी तक मुफ्त पहुंच प्रदान करेगा।इन स्टार्टअप्स को छह महीने के लिए 1,000 मुफ्त जीपीयू घंटे मिलेंगे, जिससे उनकी लागत कम होगी और प्रमुख क्षेत्रों में एआई नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में एआई को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, सरकार उत्कृष्टता केंद्र बनाने के लिए पाथ और नाज़ारा टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी कर रही है।

पाथ, एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी स्वास्थ्य संगठन, और तेलंगाना सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एआई में एक सीओई (सीओई-ए14पीएच) का निर्माण करेगी, जिसका उद्देश्य तेलंगाना में हेल्थकेयर सेवा वितरण के लिए एआई का व्यापक रूप से लाभ उठाना है। ई-स्पोर्ट्स और मोबाइल गेमिंग कंपनी, नज़ारा, सरकार के सहयोग से, गेमिंग, इंटरैक्टिव मीडिया और डिजिटल सामग्री में एआई-संचालित नवाचार और नीति-निर्माण पर केंद्रित एक अत्याधुनिक नाज़ारा एआई उत्कृष्टता केंद्र ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शिक्षक दिवस के उपलक्ष में स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिक्षक दिवस के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा रियायती दर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन एमईएस कॉलेज, मल्लेश्वरम में किया गया। जिसमें सम्पूर्ण रक्त गणना, थाइरॉइड जांच एवं मधुमेह से संबंधित कुल 18 जांचे एवं विटामिन डी, विटामिन बी की जांचें शामिल थी। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। शिक्षकों ने अपनी जांच करवाई एवं तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरडिया ने कॉलेज की प्रिंसिपल उषारानी एवं अन्य शिक्षकों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टर की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी साझा की। प्रिंसिपल ने मानव सेवा के इस उपक्रम की सराहना करते हुए परिषद परिवार के प्रति मंगलकामनाएं संप्रेषित की। शिविर के आयोजन में राजेश देरासरिया, मुकेश भंडारी, अभिषेक पिपाडा एवं किशोर मण्डल से नमन श्रीश्रीमाल, दर्शन पोरवाड, हर्ष कोठारी, भरत देरासरिया का विशेष श्रम रहा। आयोजन को सफल बनाने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता का अथक श्रम नियोजित हुआ।

परमात्मा के जन्म समय में तीनों लोकों में छाई खुशी की लहर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के 6वें दिन कहा कि परमात्मा के जन्म वाचन में द्रव्य लक्ष्मी के साथ हमें भाव लक्ष्मी में भी बढ़ोतरी करनी है। हमारी आत्मा के साथ बसने वाली भाव लक्ष्मी एवं मोक्ष लक्ष्मी को हमें प्राप्त करना है। जब चंद्रमा पूर्णिमा के पूर्ण चंद्र की ओर बढ़ रहा था, तभी धरती पर चैत्र सुदी त्रयोदशी को एक और चंद्रमा का अवतरण हुआ था। परमात्मा के जन्म के समय तीनों लोकों में खुशी की लहर छा गई थी। परमात्मा के जन्म के पश्चात 56 दिक्कुमारियों ने परमात्मा की जन्म के समय सेवा की। परमात्मा महावीर के जीवन चरित्र को तीन भागों में बांटा जा सकता है। प्रथम पुण्य काल, परमात्मा के जन्म से तीस वर्ष की आयु तक कह सकते हैं। जिस समय परमात्मा को कोई तकलीफ नहीं हुई। दूसरा छद्मस्थ काल जो दीक्षा के पश्चात साढ़े बारह वर्षों तक परिषह काल चला, जिस समय उनको बहुत परिषह सहना पड़ा। तीसरा परोपकार काल जो उसके आगे 30 वर्ष तक चला। परमात्मा जन्म से ही ज्ञाता दृष्टा भाव में जी रहे थे। परमात्मा का अभिषेक मेरु पर्वत पर सौधर्मेंद्र के नेतृत्व में असंख्य देवी देवताओं ने अलग-अलग कलशों से किया। इस जगत में भोग की महिमा नहीं है, बल्कि त्याग की महिमा है। परमात्मा का अभिषेक करते समय हमें भी यही भावना रखनी है कि अभिषेक हमारी आत्मा का भी हो जिससे हमारे कषाय, राग, द्वेष का कालुष्य भी धुल सके। गुरुदेव ने परमात्मा के पाठशाला गमन, अमल क्रीड़ा के समय देव का मिथ्यात्व दूर करना आदि के बारे में बताया। माता-पिता के प्रति कर्तव्य और भाई के प्रति असीम प्रेम और आदर भी हमें महावीर के जीवन से सीखने को मिलता है। माता-पिता के देहावसान के पश्चात नव लोकतांतिक देवों ने आकर परमात्मा से दीक्षा ग्रहण करने की विनती की और परमात्मा ने एक वर्ष तक एक करोड़ 8 लाख स्वर्ण मुद्राओं का प्रतिदिन वर्षीदान दिया और दान धर्म की महिमा बताई। मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी के मंगल दिवस को परमात्मा ने दीक्षा ग्रहण की। महावीर के जीवन से हमें यह सीखना है कि हमें सदैव अकेले ही साधना करनी है और अकेले ही सिद्ध गति प्राप्त करनी है। शुक्रवार को परमात्मा की मूलवाणी 'बारसा जी सूत्र' को अपने निवास पर ले जाकर ज्ञान की और परमात्मा की भक्ति करवाने का लाभ अजित कुमार, मांगीलाल साकरिया परिवार ने लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रामाराम देवासी वेडिया को कांग्रेस पार्टी ओबीसी प्रकोष्ठ बेंगलूरु का सदस्य नियुक्त किया गया। देवासी बेंगलूरु में निवासरत है और जालोर जिले की आहोर तहसील से है। देवासी के कांग्रेस पार्टी ओबीसी प्रकोष्ठ बेंगलूरु के सदस्य नियुक्त होने पर प्रवासी बन्धुओं ने उन्हें बधाई देकर प्रसन्नता व्यक्त की।

गीता रैबारी का पोस्टर लांच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डांडिया नाईट विद गीता रैबारी का आयोजन आगामी 13 अक्टूबर को डी वाइब्स द्वारा पैलेस ग्राउंड में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का गांधीनगर में पोस्टर लांच किया गया। गीता रैबारी का डांडिया कार्यक्रम बेंगलूरु महानगर में पहली बार होने जा रहा है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कॉटनपेट कांग्रेस ब्लॉक के उपाध्यक्ष बनने पर स्थानीय प्रवासी बन्धुओं ने कुम्पावत का भावभीना अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में शैतानसिंह रडावास, रुपेश सोलंकी, दिलीप खंडेलवाल, रामाराम देवासी, गुमानसिंह, जीतू पड़ियार, तिलोक देवासी, किरण रावल, कुलदीप सिंह, पृथ्वीराज, सुभाष मेवाड़ा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अपना जीवन धर्म में लगाए: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने पर्युषण महापर्व के पंचम दिवस एवं महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर कहा कि जितना उपक्रम पाप के लिए लोग करते हैं, उतना यदि धर्म के लिए करें तो जीवन सुधर जाएगा। हम धर्म करने से बचते हैं, समझते हैं कि यह बहुत कठिन है, लेकिन यह गलत धारणा है। जितना श्रम पाप करने में लगाते हैं, उतना श्रम और दिमाग धर्म कर्म में लगाएं तो जीवन का उद्धार हो जाएगा। अर्जुन माली का वर्णन बताते हुए उन्होंने कहा कि ईष्टदेव के सामने अत्याचार को देख अर्जुनमाली की भक्ति ने विद्रोह का रूप धारण कर लिया।

लेकिन धर्म में वह शक्ति है कि हत्यारे अर्जुनमाली को भी अणगार बना दिया। भगवान महावीर की शरण में हत्यारे अर्जुन माली का जीवन बदल गया। इतना बड़ा पापी महावीर के मार्ग पर चलकर अहिंसक बन गया। छह महीनों में कर्मों का बंध किया और छह महीनों में ही घोर कर्मों की निर्जरा कर ली। पूर्व में रुपेशमुनि ने अंतगड़दशांक सूत्र का वांचन एवं विवेचन किया। अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अष्टदिवसीय नवकार महामंत्र अखंड जाप गतिमान है। महिला एवं बहु मंडल सदस्याओं ने महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर चौदह स्वप्नों की प्रस्तुति दी। प्रभावना का लाभ प्रकाशचंद आरती बुरड, उत्तमचंद पदमचंद रातडिया परिवार एवं समस्त महिला सदस्याओं ने लिया। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय महिला महामंत्री आरती बुरड, जैन कांफ्रेंस विश्वस्त मण्डल सदस्य प्रकाश बुरड, वैय्यावच्छ राष्ट्रीय अध्यक्ष रतनचंद सिंघी, मानव सेवा योजना महामंत्री ज्ञानचंद लोढ़ा, ज्ञान प्रकाश योजना महामंत्री किशोर दलाल, गंगानगर श्री संघ अध्यक्ष अमरचंद गुंदेचा, टी दासरहल्ली संघ मंत्री दिनेश पोखरना, अम्बेश मेवाड़ महिला मंडल अध्यक्षा ललिता ढीलीवाल, पुखराज आँचलिया, सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड व अन्य एवं विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुगण तथा संघ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रथम बागरेचा ने 12 उपवास, पायल मेहता ने 8 उपवास के पच्चखाण लिए। संचालन संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

रोटरी स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में गुरुवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। रोटरी स्कूल के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने डॉ.सर्वपल्ली राधा कृष्णन तथा सावित्री बाई फुले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि शिक्षक अपने शिष्य के चरित्र निर्माण की धूरी होते है। अनपढ़ को ज्ञानार्जन करवा कर काबिल बनाते हैं। एक शिक्षक ही अपने शिष्य को अपने से श्रेष्ठ स्थान पर देखना चाहता है। कार्यक्रम में अपनी श्रेष्ठ सेवाएं देने पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक चिन्नास्वामी का सम्मान किया गया। इस मौके पर हनुमंते गौड़ा, वेंकटेश, कृष्ण गौड़ा, माणिकचंद, शिवकुमार स्वामी, नंजुदस्वामी, वेंकटेश प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर किया सम्मानित

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य में गुरुवार को शिक्षक दिवस पर गदग में धार्मिक शिक्षा प्रदान कर रहे रणजीत गुरुजी का संघ की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, ट्रस्टी दलिचंद कवाड़, संघ के वरिष्ठ शांतिलाल मुथा, राणमल सोलंकी, देवीचंद जैन आदि लोग मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोला मठ द्वारा संचालित अंबिका विद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही उन्होंने कहा शिक्षक राष्ट्र के भविष्य के निर्माता है, शिक्षक का व्यक्तित्व निर्मल जल की तरफ पवित्र होना चाहिए। क्योंकि शिक्षक बच्चों के आदर्श होते हैं।

शिक्षक हमारे भविष्य के निर्माता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के पांचवें दिन शिक्षक दिवस के संदर्भ में स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि शिक्षक हमारे भविष्य के निर्माता होते हैं और भगवान से भी ज्यादा उपकारी और पूज्य होते हैं, क्योंकि शिक्षक ही हमे सही राह बताते हैं। पर्युषण में परंपरा से स्वाध्याय किए जाने वाले अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए अभय कुमार बांठिया ने कहा कि हमें हमेशा धर्म में सहायक होना चाहिए। यदि हम स्वयं धर्म नही कर सकते हैं तो जो करने के इच्छुक हैं उनके लिए हम अनुमोदक बने और उनका उत्साह बढ़ाने का कार्य करें। आगम में वर्णन आता है कि श्री कृष्ण ने संयम लेने के इच्छुकों को यह आश्वासन दे कर आश्वस्त किया था कि उनके परिजनों की देखभाल और सेवा का कार्य वे स्वयं देखेंगे। भगवान अरिष्टनेमि भी दीक्षा लेने वालों को प्रमाद से हटने व धर्म कार्य में शीघ्र प्रवृत्त होने की प्रेरणा करते थे। ऐसे कई जनों ने प्रभु के पास दीक्षा ली और खूब ज्ञानाभ्यास कर अपने शरीर को तपस्या से कृष कर सिद्ध गति को प्राप्त किया। उन महापुरूषों ने संदेश दिया है कि संसार में हमारा जन्म सार्थक तभी होगा जब हम जिनवाणी को आचरण में लाएंगे।

अणुव्रत आचार्य श्री तुलसी की महत्वपूर्ण देन: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में पर्युषण पर्व के पांचवें दिन अणुव्रत चेतना दिवस का शुभारंभ साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में अणुव्रत समिति के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ हुआ। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने अणुव्रत चेतना दिवस पर अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि अणुव्रत आचार्य श्री तुलसी की महत्वपूर्ण देन है। स्वतंत्रता के साथ-साथ स्वच्छंदता न बढें इसके लिए गुरुदेव तुलसी ने नैतिक और चरित्र निर्माण के उद्देश्य से समाज को अणुव्रत के छोटे-छोटे सूत्र प्रदान किये। अणुव्रत जाति और लिंग से ऊपर उठकर हिंसा भरे वातावरण में शांति, सद्भावना और मैत्री के संगान का, चेतना के जागरण का, नैतिकता के नवनिर्माण का, व्यसन मुक्ति का एक सशक्त अभियान है। अणुव्रत हमें प्रमाणिकता का जीवन जीना सिखाता है। इसके साथ ही साध्वी ने प्रत्याख्यान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्याख्यान का अर्थ है त्याग। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कोई ना कोई प्रत्याख्यान एवं त्याग अवश्य होना चाहिए। व्यक्ति प्रति क्षण कुछ ना कुछ अर्जन करने के लिए भागता रहता है किंतु अर्जन के साथ-साथ विसर्जन करना भी जरूरी है। ममत्व का, अनाशक्ति का विसर्जन करना चाहिए, जिसका साधन है प्रत्याख्यान। श्रावक के लिए प्रत्याख्यान संसार रूपी आत्मा को उज्वल बनाने व सुरक्षित रखने का सुरक्षा कवच है। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने सूचनाएं संप्रेषित करते हुए संपूर्ण परिषद का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सभा के मंत्री दिनेश हिंगड़, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया, अणुव्रत समिति बेंगलूरु के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, अणुव्रत समिति विजयनगर की संयोजिका अंजू सेठिया, सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आदिनाथ जैन श्वे. संघ चिकपेट में श्री विज्ञानप्रभ सूरीश्वरजी, मुनिराज निर्मोहप्रभ विजयजी एवं साध्वी अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में श्रीसंघ के सभी बालक बालिकाओं के लिए भगवान श्री बाल वर्धमानकुमार के साथ पाठशाला गमन के निमित्त श्रीत्रिशला माता और सिद्धार्थराजा बनकर नन्हे मुन्ने बच्चों को प्रभावना की गई। लाभार्थी पुष्पा बाई, मोतीलाल, हिराचंद संघवी परिवार रहे। सभी व्यवस्था सर्वोत्तम आदिनाथ सेवा मंडल द्वारा की गई।

गुरुदर्शन यात्रा संघ के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा-राजाराजेश्वरी नगर द्वारा गुरुदेव के दर्शनार्थ आयोजित हवाई यात्रा संघ सूरत के बैनर का अनावरण साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के सान्निध्य में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में किया गया। इस अवसर पर यात्रा सहयोगी परिवार विमल कटारिया एवं गुलाब देवी छाजेड़ परिवार, राजाराजेश्वरी नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बांठिया, तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, यात्रा संयोजक राजेश छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर एवं महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, सभा के सभी पदाधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। राकेश छाजेड़ ने सभी को जानकारी देते हुए बताया कि यह गुरुदर्शनार्थ हवाई यात्रा संघ 13 सितंबर को सूरत के लिए रवाना होकर वापस 15 सितंबर को बेंगलूरु पहुंचेगा।

हत्या से पहले रेणुकास्वामी को जीवन की गुहार लगाते हुए एक तस्वीर आई सामने

पीड़ित परिजनों ने हत्यारों को बताया राक्षस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेणुकास्वामी हत्याकांड में कन्नड़ अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक दिन बाद, गुरुवार को सोशल मीडिया पर पीड़ित के जीवन की गुहार लगाते हुए एक तस्वीर सामने आई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा शर्टलेस रेणुकास्वामी के चेहरे पर डर साफ झलक रहा था, वह कैमरे की तरफ देख रहा था, यह तस्वीर बताती है कि उसे कितनी यातनापूर्ण मौत दी गई, जिससे वह कितना दुखी हुआ। उन्होंने कहा कि उसके शरीर पर कई चोटों के निशान भी देखे जा सकते हैं। एक अन्य तस्वीर में पीड़ित एक खड़े ट्रक के पास जमीन पर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसे डंडों से पीटा गया, उसके गुप्तांगों में बिजली का झटका दिया गया और दीवार पर फेंक दिया गया, जिससे उसके कई अंग टूट गए। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को दाखिल आरोपपत्र में फोरेंसिक रिपोर्ट है, जिससे पुष्टि होती है कि दर्शन के कपड़ों पर रेणुकास्वामी के खून के धब्बे पाए गए थे। दर्शन के साथ उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और मामले में आरोपी 15 अन्य लोग फिलहाल राज्य की अलग-अलग जेलों में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने पवित्रा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए और कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी गई। उनका शव नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के पास मिला था। आरोपियों में से एक राघवेंद्र, जो चित्रदुर्ग में दर्शन के फैन क्लब का हिस्सा है, रेणुकास्वामी को यहां आरआर नगर में एक शेड में इस बहाने लाया था कि अभिनेता उससे मिलना चाहता है।

इसी शेड में उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत कई कुंद चोटों के परिणामस्वरूप सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि आरोपी नंबर एक पवित्रा रेणुकास्वामी की हत्या के लिए मुख्य कारण थी। जांच से यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया। इसी बीच रेणुकास्वामी के पिता काशीनाथैया ने अपना गुस्सा व्यक्त करते हुए कहा कि वह यह देखकर बर्दाश्त नहीं कर सकते कि घुटनों के बल झुकने और भीख मांगने के बावजूद दया दिखाए बिना रेणुका स्वामी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। रेणुकास्वामी की 2 तस्वीरें वायरल होने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की और अभिनेता दर्शन और उनके गिरोह के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। मेरा बेटा कितना हिंसक रहा होगा। हत्यारों को मात्र राक्षस कहना पर्याप्त नहीं है। हम राक्षसों की कल्पना केवल चित्रों में ही करते हैं। ये राक्षस वास्तविक जीवन के राक्षसों से भी अधिक डरावने हैं। उन्होंने रोते हुए कहा कि सरकार उन्हें भी मेरे बेटे जितनी सजा दे, जिसमें इंसानियत नहीं है। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि जब उसकी मृत्यु हुई तो वह कितने सदमे में रहा होगा। बेटे की हत्या के बाद उसकी मां बीमार पड़ गयी। उसकी मां भी बिस्तर पर हैं।

रेणुकास्वामी की पत्नी गर्भवती है और बच्चे का वजन कम है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर लगातार इलाज कर रहे हैं। यह सही नहीं है कि आरोपी दर्शन व अन्य को जेल में आराम दिया जा रहा है। फिर सजा का मतलब क्या है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले में निष्पक्षता से कार्रवाई करनी चाहिए। यह देखकर मुझे चिंता होती है कि कुछ लोग अभी भी दर्शन के प्रति प्रशंसा प्रदर्शित कर रहे हैं। अगर हमारे बेटे जैसा हाल किसी प्रशंसा करने वाले के घर में हुआ होता तो वे क्या करते। अगर रेणुकास्वामी ने कुछ गलत किया था तो वह पुलिस से शिकायत कर सकते थे। या हम, माता-पिता, को बताया जा सकता था। हमले के बाद ही उसे छोड़ा जा सकता था। क्या उन्हें गिड़गिड़ाने के बाद भी जाने दिए बिना इतनी बेरहमी से मार देना मानवीय है? नागरिक समाज इस बात से स्तब्ध है कि एक जिम्मेदारी के पद पर बैठा अभिनेता, जो समाज को अच्छा संदेश देता है, उसने इस तरह का व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि दर्शन और उनके साथियों ने असल जिंदगी में अनसुनी और अनदेखी क्रूरता दिखाई है, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके व्यवहार के उलट है। प्रशंसा के लिए क्रूर मनोदशा में गलत काम करने वाले का समर्थन करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि मानवता विहीन राक्षसों के मुखौटे लोगों के सामने उजागर हो गये हैं। क्या दर्शन और उसके साथियों में कोई इंसानियत नहीं है, क्या उन्हें इंसान कहा जाना चाहिए? रेणुकास्वामी की बहन सुचित्रा ने कहा कि दर्शन, रेणुकास्वामी को भाई मानकर उन्हें कुछ सलाह देकर विदा कर सकते थे। जेल जाने के बाद भी दर्शन नहीं बदले, यानी भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें। उन्होंने कहा हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि कानून क्या फैसला लेगा। जैसे मेरे भाई ने अपने जीवन की भीख मांगी, दर्शन को भी जीवन की भीख मांगनी चाहिए। रेणुकास्वामी के अंतिम क्षणों की तस्वीरें देखकर हमारे पिता बेहोश हो गए। हमारे परिवार ने कभी किसी से कोई मांग नहीं की।

पुलिस ने 3,991 पन्नों की प्रारंभिक चार्जशीट पेश की

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक पुलिस ने कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन, उनके साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य लोगों से जुड़े सनसनीखेज प्रशंसक हत्या मामले में 3,991 पन्नों की प्रारंभिक चार्जशीट पेश की है। सूत्रों ने बुधवार को इसकी पुष्टि की थी। सहायक पुलिस आयुक्त चंदन कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने बेंगलूरु में 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) अदालत में चार्जशीट पेश की। पुलिस ने अपने वाहन से एक कार्टन बॉक्स में चार्जशीट लाकर अदालत में पेश की। हालांकि, इस संबंध में पुलिस विभाग की ओर से अभी आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि सात खंडों और 10 फाइलों वाले 3,991 पन्नों के चार्जशीट के साथ पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट भी पेश की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पवित्रा गौड़ा को आरोपी नंबर एक और दर्शन को दूसरा आरोपी बनाया गया है। जांच अधिकारियों ने अपहरण और हत्या मामले में तीन चश्मदीद गवाहों का उल्लेख किया है। उन्होंने 231 गवाहों का भी उल्लेख किया है। 50 से अधिक पुलिसकर्मी, आठ डॉक्टर और 97 अन्य गवाहों के नाम भी शामिल हैं। 27 लोगों ने अदालत के समक्ष धारा 164 सीआरपीसी के तहत अपने बयान दर्ज कराए हैं। चार्जशीट में कहा गया है कि दर्शन की पार्टनर पवित्रा गौड़ा इस मामले की मुख्य साजिशकर्ता है और वही हत्या की मुख्य वजह है।

केंद्र ने दलित एसआई की मौत पर कर्नाटक सरकार से रिपोर्ट मांगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कर्नाटक सरकार से अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) की उनके घर पर कथित संदिग्ध मौत के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह कार्रवाई केंद्रीय सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम और श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे द्वारा केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे गए पत्र के बाद शुरू की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में शोभा करंदलाजे ने आरोप लगाया कि एसआई की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मामले का विवरण और जांच रिपोर्ट तथा प्रगति मांगी है। 35 वर्षीय एसआई परशुराम की यादगीर शहर में उनके आवास पर हुई मौत ने कर्नाटक में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि उनके परिवार ने स्थानीय कांग्रेस विधायक और उनके बेटे पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

परिवार ने आरोप लगाया कि परशुराम ने विधायक को यादगीर सिटी पुलिस स्टेशन में पोस्टिंग के लिए 30 लाख रुपये दिए थे, हालांकि, एक साल पूरा होने से पहले ही परशुराम को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर कर दिया गया। विधायक ने कथित तौर पर एसआई से यादगीर सिटी पुलिस स्टेशन में अपनी पोस्टिंग जारी रखने के लिए 30 लाख रुपये और मांगे थे। मृतक अधिकारी की पत्नी श्वेता ने विधायक चन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर और उनके बेटे पम्पन्ना गौड़ा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उन्हें अपने पति की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने परशुराम के परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। हालांकि, सरकार ने मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की संभावना से इनकार किया है। कर्नाटक भाजपा ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता (एलओपी) चलवाडी टी नारायणस्वामी ने राज्यपाल को पत्र लिखकर दलित एसआई की मौत का संज्ञान लेने को कहा है। नारायणस्वामी के पत्र में लिखा यादगीर कस्बे में 2 अगस्त को एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के समय और परिस्थितियों के साथ मृतक की पत्नी श्वेता के आरोपों ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है और विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने यादगीर का दौरा किया और मामले की जांच की, लेकिन स्थानीय विधायक चन्नारेड्डी और उनके बेटे के खिलाफ बीएनएस धारा 108, 352 और अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

सड़क किनारे होटल में ट्रक के घुसने से दो लोगों की मौत, दो घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिंतामणि-श्रीनिवासपुरा रोड पर गुरुवार सुबह पत्थरों से लदे ट्रक के सड़क किनारे होटल में घुसने से होटल के कैशियर और रसोइए की मौत हो गई और दो ग्राहक घायल हो गए। मृतकों की पहचान 62 वर्षीय शिवानंद और 53 वर्षीय शांता कुमार के रूप में हुई है।

घायल श्रीनिवास बाबू और मुरली को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका गहन चिकित्सा इकाई में इलाज किया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रक चिंतामणि से कोलार की ओर जा रहा था, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे होटल से जा टकराया। ट्रक पलट गया, जिससे दीवारें ढह गईं और होटल की छत ट्रक पर गिर गई। होटल और बगल की दुकान के पास कई लोग खड़े थे, लेकिन वे सभी सुरक्षित बचने के लिए कूद पड़े। जैसे ही लोग पीड़ितों की मदद के लिए दौड़े, ट्रक का ड्राइवर तुरंत मौके से भाग गया। चिंतामणि पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण मौत का मामला दर्ज किया। चूंकि सड़क अच्छी स्थिति में है, इसलिए पुलिस को संदेह है कि चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण नियंत्रण खो दिया होगा या थकान के कारण उसे झपकी आ गई होगी।

गौरी-गणेश उत्सव के लिए जमकर खरीदारी जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के लोग गौरी-गणेश उत्सव की तैयारी कर रहे हैं और उत्सव के लिए फूल और फल, पूजा सामग्री और गौरी-गणेश की मूर्तियां जैसी आवश्यक वस्तुएं खरीदने की होड़ मची हुई है। वरमहालक्ष्मी उत्सव के दौरान आसमान छूने वाले फूलों और फलों की कीमतों में अब थोड़ी कमी देखी गई है। लेकिन सब्जियों की कीमत बढ़ गई है और इस बार कीमतों में बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा। केआर मार्केट, यशवंतपुर, दासनपुर, सीगेहल्ली, मल्लेश्वरम सहित जिले और तालुक के बाजारों में सुबह-सुबह लोगों के इकट्ठा होने और त्योहार के लिए आवश्यक चीजें खरीदने के दृश्य दिख रहे हैं।

वरमहालक्ष्मी उत्सव के दौरान फूलों की कीमत जो ऊंची थी वह अब थोड़ी कम हो गई है। चमेली 300 से 600 प्रति किलो, गुलाब 150 से 200, सेवंती 150 से 200, सुगंधराजा 100 से 200, गेंदा 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। बाजार में गैरिके, बेलाड़ा फल और बबूल के फूल के हार की मांग अधिक है, जबकि केला और आम की बिक्री भी जोरदार है।

एक जोड़ी केले की कीमत 60 रुपए और एक आम की छड़ी की कीमत 20 रुपए है। अब गौरी-गणेश की मूर्तियां बाजार में आ गई हैं और साइज के हिसाब से दाम पर बिक रही हैं।

रसोई की लाल खूबसूरती और लाटरी की फसल कहे जाने वाले टमाटर को छोड़कर सभी सब्जियों की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है। प्याज 60 रुपए, टमाटर 15, आलू 40 रुपए, चुकंदर 50 रुपए, हरी मटर 250 रुपए, लहसुन 500 रुपए और अदरक 200 रुपए बिक रहा है। हाल ही में राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश के कारण फसलें नष्ट हो गई हैं और सब्जियों की कीमतें बढ़ गई हैं। खासकर साग-सब्जियों को नुकसान पहुंचा है और जो धनिया पत्ती कुछ दिन पहले 20 रुपए प्रति स्टिक बिक रही थी वह अचानक 50 रुपए में बिकने लगी है।

विधायक ने गणेश चतुर्थी समारोह पर नियमों को लेकर जताई नाराजगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश चतुर्थी के नजदीक आने के साथ ही स्थानीय भाजपा विधायक वेदव्यास कामथ ने मेंगलूरु में उत्सव के आयोजकों पर लगाए जा रहे कड़े नियमों पर चिंता जताई है। कामथ के अनुसार, ये नियम न केवल अत्यधिक हैं, बल्कि राज्य सरकार द्वारा इस व्यापक रूप से प्रतिष्ठित त्योहार के उत्सव को बाधित करने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास का संकेत भी देते हैं। कामथ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि शहर के विभिन्न हिस्सों में गणेश प्रतिमाओं को स्थापित करने की अनुमति मांगने वाले आयोजकों को उनके द्वारा बताए गए बेतुके नियमों के अधीन किया जा रहा है। इनमें कार्यक्रम में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों और मेहमानों के नाम, मोबाइल नंबर और पते जमा करने की आवश्यकताएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, आयोजकों से भाग लेने वाली झांकी टीमों का विवरण देने के लिए कहा जा रहा है। कामथ ने कहा इन कठोर नियमों को लागू करके, राज्य सरकार पूरे राज्य में गणेश उत्सव के उत्सव को रोकने के लिए एक व्यवस्थित अभियान चला रही है। उन्होंने इस बात पर विश्वास व्यक्त किया कि यह उस त्योहार को कमजोर करने का प्रयास है, जिसमें सभी शुभ कार्यों में सबसे पहले गणेश की पूजा की जाती है। कामथ ने इन नियमों के पीछे की मंशा पर भी सवाल उठाया, उन्होंने सुझाव दिया कि ये हिंदू त्योहारों के प्रति दुश्मनी को दर्शाते हैं। गणेश और हिंदू त्योहारों पर ये कांग्रेस कार्यकर्ता कितने नाराज हैं? उन्होंने सरकार से अपने रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। विधायक ने राज्य सरकार से हिंदू धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने और उन कड़े उपायों को तुरंत वापस लेने की अपील की, जो उनके अनुसार गणेश चतुर्थी के त्योहार की भावना को बाधित कर रहे हैं।

लिंगायत और इस्लाम में समानताएं: पंडितराध्या

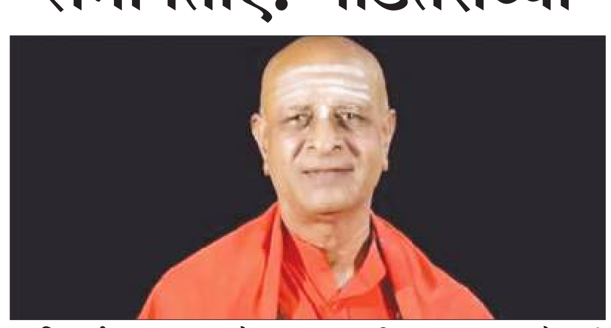

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री तरलाबालू शाखा मठ के प्रमुख पंडितराध्या शिवाचार्य स्वामीजी ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया है कि लिंगायत और इस्लाम धर्म में समानताएं हैं। वे बुधवार को यहां तारासु रंगमंदिर में जमात-ए-इस्लामी हिंद द्वारा आयोजित कुरान पर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हालांकि लिंगायत और इस्लाम अलग-अलग धर्म हैं, लेकिन उनमें कुछ समानताएं हैं। उन्होंने कहा कि लिंगायत धर्म कई देवताओं की पूजा और मूर्ति पूजा से इनकार करता है। लेकिन यह इस्तलिंग पूजा की वकालत करता है। इसी तरह, इस्लाम के संस्थापक मुहम्मद पैगम्बर ने भी लोगों को यही संदेश दिया है। पैगम्बर ने मुसलमानों से मूर्तियों की पूजा न करने और केवल अल्लाह की उपासना करने को कहा। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने एक ईश्वर, कई नाम के सिद्धांत को बढ़ावा दिया है। लेकिन लोग अभी भी अपने बीच दीवारें खड़ी कर रहे हैं और अपने चारों ओर बाड़ बना रहे हैं। इसलिए, तर्कवादियों को ऐसी दीवारों और बाधाओं को ध्वस्त करना चाहिए और एक-दूसरे से प्रेम करने की आदत विकसित करनी चाहिए।

जुलाई 2025 तक एत्तिनहोल परियोजना का काम हो जायेगा पूरा : मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने तुमकुरु कलेक्टर कार्यालय कक्ष में एत्तिनहोला परियोजना के पहले चरण के शुभारंभ के बारे में कहा कि एत्तिनहोला एकीकृत पेयजल परियोजना के चरण -1 कार्य का उद्घाटन शुक्रवार को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एत्तिनहोला एकीकृत पेयजल परियोजना के चरण 1 का काम शुक्रवार दोपहर 12 बजे हासन जिले सकलेशपुर तालुक के हेब्बनहल्ली वितरण टैंक 4 में शुरू किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उक्त कार्य को लेकर प्रायोगिक परिक्षण की है। सफल कार्य की पृष्ठभूमि में, चित्रदुर्ग जिला हिरियूर तालुक वाणीविलास सागर बांध में 1500 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगले साल अरसीकेरे और टिपतुर में काम पूरा हो जाएगा और तुमकुरु में पानी आएगा, जिसमें से 0.20 टीएमसी पानी वसंतनरसापुर को पीने के लिए आपूर्ति किया जाएगा।

कोलार, चिकबल्लापुर, बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, हासन, तुमकुरु, चिकमगलूरु जिलों को आवंटित 24.01 टीएमसी पानी में से, जहां एत्तिनाहोल की योजना है, को 5.470 टीएमसी पानी आवंटित किया गया है। इसमें 2.294 टीएमसी का उपयोग पीने के पानी के लिए और 3.446 टीएमसी का उपयोग 113 लघु सिंचाई झीलों को भरने के लिए किया जाएगा।

परियोजना के लिए आवश्यक 3117.26 एकड़ भूमि में से अधिग्रहीत 2022 एकड़ भूमि के लिए सरकार ने धनराशि स्वीकृत कर दी है। अब तक 80 फीसदी जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। भूमि मालिकों को पुरस्कार राशि वितरित करने के लिए सरकार द्वारा 1200 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं और पहले ही 448 करोड़ रुपए भूमि मालिकों को वितरित किए जा चुके हैं। शेष राशि भूमि अधिग्रहण अधिकारियों के खाते में हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार राशि भूमि मालिक द्वारा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने की मंजूरी के बाद दी जाएगी। भद्रा अपर बैंक परियोजना के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि भद्रा अपर बैंक परियोजना कोराटागेरे तालुक के बैरागोंडनहल्ली गांव में 2500 एकड़ और डोड्डबल्लापुर तालुक में 2500 एकड़ सहित कुल 5000 एकड़ भूमि पर लागू करने की योजना थी। परियोजना के संबंध में, सरकार ने डोड्डबल्लापुर तालुक के लिए 32 लाख रुपए प्रति एकड़ और कोराटागेरे तालुक के लिए 12 लाख रुपए की भूमि अधिग्रहण दर तय की है, जब कोराटागेरे तालुक के किसानों ने इस परियोजना को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, तो सरकार ने परियोजना को छोड़ दिया।

मुस्लिम भाइयों को गुमराह कर रही कांग्रेस: चलवाडी नारायणस्वामी

अल्पसंख्यक मोर्चा सदस्यता अभियान की शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि भाजपा ने देश के हितों की रक्षा को प्राथमिकता दी है। लेकिन कांग्रेस के लिए सत्ता हासिल करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर यह बात साकार हो गई तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। वे मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सदस्यता अभियान पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिम भाइयों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि मुस्लिम समर्थक होने का दावा करने वाली कांग्रेस पार्टी ने कितने मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाये हैं। क्या कांग्रेस ने एक भी मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाया? क्या आपने उनकी स्थिति पर ध्यान दिया है? क्या आप उनकी कॉलोनियों में गए हैं? वे पूरे समुदाय को पट्टाधारक के रूप में खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दलितों की भी यही स्थिति है। भाजपा किसी के खिलाफ नहीं है। देश सुरक्षित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि दूसरों को अपनी नाक घुसाने से रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को खत्म किया गया था। मुसलमानों को भाजपा पर भरोसा कम है। यह उनकी गलती नहीं है। भाजपा की भी गलती नहीं है। यह सोचना चाहिए कि कौन हमें जहर दे रहा है? उन्होंने कहा कि अगर हम यह समझ लें कि क्यों, तो हमारे बीच झगड़े नहीं होंगे, लेकिन अगर हम यह नहीं समझते हैं, तो झगड़े अवश्यंभावी हैं। कांग्रेस नेताओं द्वारा कहा जाता है कि भाजपा अल्पसंख्यक विरोधी है। अगर भाजपा आएगी तो तुम्हें पाकिस्तान भेज देगी। अगर भाजपा सत्ता में आई तो वे आपको अफगानिस्तान भेज देंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये सब संभव है। केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने का यह 11वां साल है। उन्होंने पूछा कि भाजपा ने आपको पाकिस्तान क्यों नहीं भेजा। जहां शिक्षा कम है वहां जागरूकता भी कम है। उन्होंने जो जहर डाला है वह हमारे दिमाग में काम कर रहा है। इस देश में डॉ. अम्बेडकर ने संविधान बनाया और धर्मनिरपेक्ष और गैर-धार्मिक दोनों को अवसर दिया। उन्होंने कहा कि सबका समावेशी भारत निर्माण का विचार उनका है। बुधवार को हमने प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के नेतृत्व में कर्नाटक के सदस्यता अभियान का उद्घाटन किया।

इससे पहले दिल्ली में नरेंद्र मोदी, नड्डा, अमित शाह ने उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में सदस्यता एक करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 5 लाख लोग सदस्यता ले चुके हैं। पिछली बार राज्य में सदस्यता 1.05 करोड़ थी। उन्होंने कहा कि इस बार 1.50 करोड़ सदस्यता का लक्ष्य है। पहले हमारी पार्टी कई राज्यों, जिलों और निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत नहीं थी। हमारी पार्टी अब सुरक्षित है। उन्होंने विश्लेषण किया कि 1.50 करोड़ सदस्यों को जोड़ना मुश्किल नहीं होगा। प्रत्येक बूथ पर 300 से 400 सदस्य पंजीकृत करें। 55 हजार बूथ और 2 करोड़ सदस्य हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल थॉमस ने की। प्रदेश संयोजक अल्लाह बख्श तिम्मापुर ने कहा कि अब देश में 18 करोड़ सदस्य हैं। भाजपा का जन्म 1980 में हुआ। उससे पहले जनसंघ था। पार्टी खुशी के लिए नहीं बनी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने भारत मां की शान के लिए पार्टी की सेवा की है। सदस्यता पंजीकरण एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। हम एक जीवित पार्टी हैं। उन्होंने कहा कि अन्य दलों में सदस्यता पंजीकरण की कोई प्रक्रिया नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे मोर्चा को 5 लाख का लक्ष्य दिया गया है। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल अजीम ने बताया कि भाजपा के प्रति दूसरे दलों के नेताओं में गुस्सा और नफरत है। भाजपा ने मेरे साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया है। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, राष्ट्रीय संगठक जोजो जोसेफ, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया, मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष सैयद सलाम, सैयद इलियास, प्रदेश महासचिव इंद्रकुमार जैन, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश और जिला पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस बार दशहरा भव्य रूप से मनाने का लिया गया निर्णय : एचसी महादेवप्पा

पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारी का निर्देश

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा ने कहा कि इस बार दशहरा भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए गठित 19 उप-समितियों के पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। पैलेस हॉल में आयोजित दशहरा उप-समितियों की बैठक को संबोधित करते हुए, मंत्री ने सुझाव दिया कि सभी समिति पदाधिकारियों को उचित तैयारी करनी चाहिए और दशहरा को साफ-सुथरे तरीके से मनाना चाहिए। फिल्मों में हमारी संस्कृति झलकनी चाहिए और लोगों को सामाजिक संदेश देना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि एक स्थिर फिल्म बनाई जानी चाहिए जो संविधान का संदेश और प्रस्तावना के महत्व को बताती हो। किसान देश की रीढ़ हैं। दशहरा के दौरान किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। अनुदानित दरों पर उपलब्ध आधुनिक कृषि उपकरणों की जानकारी उपलब्ध करायी जाए। दशहरा खेलों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से प्रतियोगी भाग लेते हैं। उन्हें अच्छा भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध करायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दशहरा के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हमारे देश की संस्कृति को दर्शाने के लिए और अधिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए। बच्चों के लिए कला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं, हस्तशिल्प प्रतियोगिता, विशेष काव्य पाठ का आयोजन किया जाए, भोजन मेले में साफ-सफाई रखी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि दशहरा फिल्म महोत्सव के दौरान सामाजिक सरोकारों वाली कला फिल्मों की स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस मौके पर जिला कलक्टर जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, जीपीएएम सीईओ केएम गायत्री, शहर पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर, जिला पुलिस अधीक्षक विष्णुवर्धन, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. पी. शिवराजू और उप-समितियों के अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल वैन और बस की टक्कर में दो बच्चों की मौत, 40 घायल

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मनवी तालुक के कपागल गांव के पास गुरुवार को एक स्कूल वैन और सरकारी बस के बीच हुई भीषण सड़क दुर्घटना में 32 बच्चों समेत करीब 40 लोग घायल हो गए। घायल बच्चों में से दो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान समर्थ (7) और श्रीकांत (12) के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, वैन में सवार होकर मनवी के एक निजी स्कूल जा रहे 32 बच्चों में से तीन को गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

बाकी को मामूली चोटें आईं। बाकी घायल लोग बस में सवार यात्री हैं। बस मनवी से रायचूर की ओर जा रही थी। गंभीर रूप से घायल तीन बच्चों सहित 17 बच्चों को रायचूर स्थित रायचूर आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकी को विभिन्न निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। स्कूल वैन विभिन्न गांवों से बच्चों को लेकर एक निजी स्कूल जा रही थी। चिंतित माता-पिता अपने बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कराया गया। यह घटना मानवी पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। आगे की जानकारी का इंतजार है।

हिजाब विवाद मामला : प्रिंसिपल ने बच्चों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया, वह मुद्दा है: शिक्षा मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंडापुर गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल को हिजाब पहनी छात्राओं को धूप में खड़ा करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रिंसिपल पुरस्कार फिलहाल रोके जाने पर टिप्पणी करते हुए कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने गुरुवार को कहा कि प्रिंसिपल ने बच्चों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया, वह मुद्दा है। उडुपी जिले के गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल बीजी रामकृष्ण के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाए जाने के बाद, कर्नाटक सरकार ने अगले नोटिस तक पुरस्कार रोक दिया। रामकृष्ण ने 2021 में हिजाब पहनी मुस्लिम छात्राओं को कक्षा के बाहर महीनों तक धूप में खड़े रहने के लिए कथित तौर पर कहकर विवाद खड़ा कर दिया था, जो राज्य में हिजाब विवाद के चरम पर था। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने रामकृष्ण के लिए पुरस्कार की घोषणा करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की थी और उनके खिलाफ अभियान चलाया था। गुरुवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री बंगारप्पा ने मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रिंसिपल सिर्फ सरकारी आदेशों का पालन कर रहे थे, जिस तरह से उन्होंने बच्चों के साथ व्यवहार किया, वह मुद्दा है, बस इतना ही। अगर कोई समस्या नहीं है, तो हम इस पर विचार करेंगे। अगर वह किसी सरकारी आदेश का पालन कर रहे थे, तो उसे एक निश्चित तरीके से ही लागू किया जाना चाहिए था। अगर यह एक निश्चित तरीके से नहीं है, तो इस पर सवाल उठाए जाएंगे। इसलिए मैं विवरण की जांच करूंगा। विभाग जांच करेगा। यह मैं नहीं हूं जो इस पर निर्णय लूंगा, समिति इस संबंध में निर्णय लेगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार प्रतिशोधात्मक राजनीति कर रही है, तो मंत्री बंगारप्पा ने कहा इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। कोई प्रतिशोधात्मक राजनीति नहीं हो रही है। जब कोई व्यक्ति पुरस्कार के लिए आवेदन करता है तो योग्य उम्मीदवारों के नामों के चयन के लिए एक जिला समिति होती है। समिति इसे मुख्यालय को भेजती है और मुख्यालय में इस पर विचार करने के लिए एक अन्य समिति होती है। इस विशेष मुद्दे में उन्होंने कुछ चीजों को नजरअंदाज कर दिया। जब पुरस्कार के बारे में मुद्दा सामने आया, तो स्पष्टता के लिए निर्णय कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। विवरण सार्वजनिक डोमेन में हैं और अभी पुरस्कार वापस लेने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मुझे मामले को देखना होगा। इसे अभी के लिए रोक दिया गया है। मैंने अधिकारियों से दोबारा जांच करने और वापस आने के लिए कहा है। मैं वह काम नहीं करता, समिति निर्णय लेगी। आमतौर पर, समिति सब कुछ सत्यापित करती है और हमें भेजती है। आमतौर पर जो सूची आती है, उसे मंजूरी दे दी जाती है। हालांकि, एक बार जब मामला सार्वजनिक हो गया और आपत्तियां उठाई जाने की जानकारी हमारे पास आ गई, तो हमें इसे फिलहाल स्थगित करना होगा और बाद में हम कोई निर्णय लेंगे। इस घटनाक्रम से राज्य में बड़ा विवाद खड़ा होने की संभावना है।

19 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार हत्या के आरोप में 3 गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि कर्नाटक के बीदर जिले के गुनातीर्थवाड़ी गांव में अपने घर से लापता होने के कुछ दिनों बाद 19 वर्षीय युवती का शव कई चोटों के साथ मिलने के बाद बलात्कार और हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि कथित तौर पर 29 अगस्त को हुई इस घटना के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि कथित तौर पर उसके सिर पर पत्थर से वार करके उसकी हत्या की गई और बाद में उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें संदेह है कि उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। हालांकि, जांचकर्ता पुष्टि के लिए मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़िता 29 अगस्त से लापता थी और उसके माता-पिता ने दो दिन बाद बसवकल्याण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हमने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। 1 सितंबर को उसका शव बरामद हुआ, जिसके सिर सहित शरीर पर कई चोटें थीं। हमने शुरू में हत्या का मामला दर्ज किया और आरोपी अज्ञात थे। फिर तकनीकी साक्ष्य के आधार पर, हमने आरोपी की तलाश शुरू की और हमें तीन लोग मिले जो उसके लापता होने के दिन उसके संपर्क में थे। उनमें से एक, जो उसी गाँव का रहने वाला है, उसके सीधे संपर्क में था। इसलिए, हमने आरोपी को पकड़ लिया और पूछताछ के दौरान, उसने हत्या की बात कबूल कर ली। पूछताछ के दौरान, उसने कहा कि वह दो अन्य लोगों के साथ गया था जो घटना के दौरान उसकी रखवाली कर रहे थे। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हम पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। उसे अन्य चोटों के अलावा सिर में भी चोटें आई हैं। यौन उत्पीड़न के संदेह और पूछताछ के आधार पर, हमने एफआईआर में बलात्कार की धाराएँ जोड़ी हैं। पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी और पीड़िता एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते थे, उसके माता-पिता को इस बारे में पता नहीं था।

ऑटो ड्राइवर ने सवारी रद्द करने पर महिला यात्री को मारा थप्पड़

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में बुधवार को एक ओला ऑटोरिक्शा चालक ने हिंदी बोलने वाली महिला यात्री के साथ दुर्व्यवहार किया और कथित तौर पर उसे अपनी सवारी रद्द करने के लिए थप्पड़ मारा। महिला ने इस घटना को अपने फोन पर रिकॉर्ड किया और वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया। घटना के वीडियो में गुस्साए ऑटो चालक ने उसे डांटा और उसका फोन छीनने की कोशिश की। वायरल वीडियो में, चालक को यह कहते हुए सुना जा सकता है, तुम मेरी सवारी गलती से कैसे रद्द कर सकते हो? क्या तुम्हारे पिता गैस के पैसे देते हैं? मैं यहाँ कितनी देर तक इंतजार करता रहा और तुमने बस दूसरे ऑटो में बैठने का फैसला किया। चालक की धमकी के जवाब में, महिला यात्री ने कहा कि वह उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी। तो ऑटो चालक ने कहा चलो, हम पुलिस के पास चलते हैं। क्या तुम्हें लगता है कि तुम मुझे डरा सकते हो? चालक ने अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए पलटवार किया और घटना को रिकॉर्ड करते समय उसका मोबाइल फोन छीन लिया। चालक ने उसे अपशब्द कहे। उसने दावा किया कि उसने राइड कैंसिल करने से पहले 10 मिनट तक इंतजार किया था। वहां मौजूद अन्य ड्राइवरों ने बीच-बचाव किया और उसे शांत करने की कोशिश की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, महिला ने बताया कि उसने और उसकी दोस्त ने पीक ऑवर्स के कारण ओला पर दो ऑटो बुक किए थे। मैं पहले पहुंची, इसलिए उसने अपना ऑटो कैंसिल कर दिया। दूसरा ऑटो ड्राइवर गुस्से में हमारे पीछे आ गया। स्थिति को समझाने के बावजूद, उसने चिल्लाना और गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। ड्राइवर ने हम पर मौखिक हमला किया, सवाल किया कि क्या ऑटो मेरे पिता का है और अपमानजनक टिप्पणी की। मैंने रिकॉर्डिंग शुरू कर दी, जिससे वह और भी क्रोधित हो गया। जब मैंने उसे रिपोर्ट करने का जिक्र किया, तो उसने मुझे चुनौती दी, परिणामों का कोई डर नहीं दिखाया। उसने मांग की कि ओला ड्राइवर के दुर्व्यवहार के लिए उसके खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई करे। रिक्शा चालक पर शारीरिक रूप से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए, उसने कहा जब उसने मेरा फोन छीनने की कोशिश की तो बात और बढ़ गई। मैंने विरोध किया, और उसने मेरे ऑटो चालक के सामने मुझे थप्पड़ मारा, जिसने कुछ नहीं किया, और आसपास खड़े लोग भी चुप रहे। इसके बावजूद, उसने अपनी धमकियाँ जारी रखीं, और कहा कि वह मुझे चप्पलों से भी पीटेगा। वायरल वीडियो ने सोशल मीडिया पर आक्रोश पैदा कर दिया है, जिसमें उपयोगकर्ता यात्री के प्रति उसके आक्रामक व्यवहार के लिए चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बेंगलूरु सिटी पुलिस ने उसके पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और उससे विशिष्ट विवरण देने को कहा। एक एक्स पोस्ट में, कर्नाटक के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात और सुरक्षा आलोक कुमार ने कहा ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है। उनके जैसे कुछ लोग ऑटो चालकों के समुदाय को बदनाम करते हैं। मैंने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने के लिए सूचित किया है।

यदुवीर ने भाजपा सदस्यता अभियान की शुरुआत की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में भाजपा की शहर और जिला इकाई ने प्रत्येक मतदान केंद्र में कम से कम 300 सदस्यों को नामांकित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुरुवार को सदस्यता अभियान की शुरुआत की। यह अभियान 45 दिनों तक चलेगा और मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, विधायक टी.एस. श्रीवत्स और अन्य नेताओं ने इसका शुभारंभ किया। सदस्यता के लिए नामांकन करने वालों ने अपनी पार्टी से जुड़े होने की पुष्टि करते हुए नारे लगाए और यह अभियान पूरे राज्य में चलाया जा रहा है। यदुवीर ने बाद में मीडियाकर्मियों से कहा कि चामुंडी हिल डेवलपमेंट अथॉरिटी की बैठक आयोजित करने के मुख्यमंत्री के फैसले ने अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है और इसलिए बैठक में लिए गए फैसले संदिग्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को कानूनी रूप से आगे बढ़ाया जाएगा और आगे की कार्रवाई की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। यदुवीर और श्रीवत्स सहित भाजपा नेताओं ने उडुपी में एक शिक्षक के लिए घोषित सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार वापस लेने के राज्य सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया, क्योंकि उन्होंने कुछ छात्राओं को हिजाब या सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। शिक्षक को पुरस्कार देने की घोषणा के बाद उसे वापस लेने के फैसले ने सरकार की असली प्रकृति को उजागर कर दिया है, जो भाजपा को सांप्रदायिक कहती है।

स्वामी नारायण मंदिर भारत-यूएई के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण: बिरला

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत यात्रा पर आए संयुक्त अरब अमीरात के संसदीय शिष्टमंडल ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ बैठक की जिसमें श्री बिरला ने कहा कि अबूधाबी का स्वामी नारायण मंदिर भारत और संयुक्त अरब अमीरात के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण है।

संयुक्त अरब अमीरात के शिष्टमंडल का नेतृत्व रक्षा, आंतरिक और विदेशी मामलों की समिति के प्रमुख डॉ. अली राशिद अल नुआइमी कर रहे हैं। श्री बिरला ने इस मौके भारत और भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सदियों पुरानी सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक साझेदारी के इतिहास को उद्धृत करते हुए कहा कि आजादी के बाद से ही दोनों देशों के बीच आम जन के संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक संयुक्त अरब अमीरात में रहते हैं और वहां की प्रगति में अपना योगदान दे रहे हैं ।

उन्होंने दोनों देशों के नागरिकों के बीच पारस्परिक समझ तथा साझेदारी और लोगों के बीच संपर्क को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

उन्होंने भारत में प्रौद्योगिकी, नवाचार और निवेश की प्रबल संभावनाओं की चर्चा करते हुये कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने वर्ष 2022 में अपनी संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा का उल्लेख करते हुये यह विचार व्यक्त किया कि संसदों के बीच नियमित चर्चा संवाद से दोनों देशों के बीच अच्छी समझ विकसित हुई है। उन्होंने वैश्विक और क्षेत्रीय विषयों पर दोनों देशों के बीच आपसी सहमति को दोनों देशों के मजबूत संबंधों का आधार बताया। उन्होंने दोनों देशों में संसदीय शिष्टमंडलों के नियमित रूप से आदान-प्रदान को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिये आवश्यक बताया।

श्री बिरला ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने देशों के विकास और समृद्धि को सुनिश्चित कर रहे हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी संवाद से दोनों देशों की संसदें अपनी उपलब्धियों, बेहतर प्रथाएं और नवाचार को आपस में साझा कर सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों देशों की संसदों की समितियों के बीच नियमित चर्चा संवाद की परंपरा स्थापित होनी चाहिये, ताकि दोनों देश एक दूसरे के अनुभवों से सीख सकें।

उन्होंने भारत की विश्र् बंधुत्व की भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत प्रगति के परस्पर लाभकारी रूप को महत्व देता हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि दोनों देश सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान की परंपरा को नयी ऊंचाइयां प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पर्यटन को और बढ़ावा मिले। श्री बिरला ने संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय समुदाय का उल्लेख करते हुये प्रसन्नता व्यक्त की कि संयुक्त अरब अमीरात की सरकार द्वारा स्वामी नारायण मंदिर के निर्माण को सुलभ कराया गया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि को मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण है।

इस अवसर पर अल नुआइमी ने दोनों देशों के बीच भाईचारे की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने आम जन के बीच लोगों के संपर्क पर जोर देते हुये कहा कि दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने के लिये प्रयास करना चाहिये। उन्होंने विकास और समृद्धि की ओर ले जाने वाले व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक संपर्कों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के लिये दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व की भी सराहना की।

राष्ट्रपति ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 50 शिक्षकों को किया सम्मानित

नयी दिल्ली, 05 सितंबर (वार्ता)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में 50 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 प्रदान किया।

श्रीमती मुर्मू ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को 50,000 रुपए का नकद पुरस्कार, रजत पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। गौरतलब है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 शिक्षकों का चयन किया। इन शिक्षकों में 28 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और छह संगठनों के शिक्षक शामिल हैं। इनमें 34 पुरुष, 16 महिलाएं, दो दिव्यांग और एक दिव्यांग बच्चों के साथ काम करने वाले शिक्षक हैं।इसके अलावा, उच्च शिक्षा विभाग के 16 शिक्षक और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 16 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में अविनाशा शर्मा हरियाणा, सुनील कुमार हिमाचल प्रदेश, पंकज कुमार गोया पंजाब, राजिंदर सिंह पंजाब, बलजिंदर बराड़ सिंह राजस्थान, हुकम चौधरी चंद राजस्थान, कुसुम लता गरिया उत्तराखंड, चंद्रलेखा दामोदर मेस्त्री गोवा, चंद्रेशकुमार भोलाशंकर बोरीसागर गुजरात, विनय शशिकांत पटेल गुजरात, माधव पटेल प्रसाद मध्य प्रदेश, सुनीता गोधा मध्य प्रदेश, के. शारदा छत्तीसगढ़, नरसिम्हा मूर्ति एचके कर्नाटक, द्विति चंद्र साहू ओड़ीशा, संतोष कुमार कर ओड़ीशा, आशीष कुमार रॉय पश्चिम बंगाल, प्रशांत कुमार मारिक पश्चिम बंगाल, उर्फनामीन जम्मू कश्मीर, रविकांत द्विवेदी उत्तर प्रदेश, श्याम मौर्य प्रकाश उत्तर प्रदेश, डॉ. मिनाक्षी कुमारी बिहार, सुकेंद्र कुमार सुमन बिहार, के. सुमा अंडमान एंड निकोबर द्वीप, सुनीता गुप्ता मध्य प्रदेश, चारू शर्मा दिल्ली, अशोक सेनगुप्ता कर्नाटक, एच एन गिरीश कर्नाटक, नारायणस्वामी.आर कर्नाटक, ज्योति पंका अरुणाचल प्रदेश, लेफिजो अपोन नागालैंड, नंदिता च ओंगथम मणिपुर, यांकिला लामा सिक्किम, जोसेफ वनलालहुआ सेल मिजोरम, एव-रलास्टी एनजी पाइनग्रोप मेघालय, डॉ.नानी जी देबनाथ त्रिपुरा, दीपेन खानिकर असम, डॉ. आशा रानी झारखंड, जिनु जॉर्ज केरल, के सिवाप रसद केरल, मिडी श्रीनिवास राव आंध्र प्रदेश, सुरेश कुनाट आंध्र प्रदेश, प्रभाकर रेड्डी पेसरा तेलंगाना, थदुरी संपत कुमार तेलंगाना, पल्लवी शर्मा दिल्ली, चारु मैनी हरियाणा, गोपीनाथ आर तमिलनाडु, मुरलीधरन रमिया सेथुरमन तमिलनाडु, इतिर्नत्रिनु चिन्नी बेडके महाराष्ट्र और सागर चित्तरंज एन बागड़े महाराष्ट्र शामिल हैं।

दमहाल-हांजीपोरा में विभाजित वोटों पर टिका सकीना इट्टू का भविष्य

जम्मू, 05 सितंबर।

इस बार के विधनसभा चुनावों में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में दमहाल-हंजीपोरा सीट पर कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी, क्योंकि पूर्व मंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) की उम्मीदवार सकीना इट्टू को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के पुराने और नए उम्मीदवारों के बीच विभाजित वोटों का सामना करना पड़ेगा। पीडीपी के वोटों के विभाजन से नेकां की इट्टू को फायदा हो सकता है, जो 2014 में अब्दुल मजीद पद्दर से हारने के बाद तीसरी बार सीट जीतने का लक्ष्य बना रही हैं।

दमहाल हंजी पोरा (डीएच पोरा) उच्च मतदान के लिए जाना जाता है, और इस चुनाव में नए रिकार्ड बन सकते हैं। पीडीपी के पिछले उम्मीदवार, अब मजीद पद्दर, जिन्होंने 2014 में सीट जीती थी, तब से अपनी पार्टी में शामिल हो गए हैं और इस चुनाव में अपनी पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं।

विश्लेषकों के अनुसार, पद्दर के पास निर्वाचन क्षेत्र में मजबूत वोट शेयर है, जो उन्हें इट्टू के लिए एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी बना सकता है, जिन्होंने 2014 में उनके खिलाफ संघर्ष किया था। पीडीपी के नए उम्मीदवार गुलजार अहमद डार, जो डीडीसी के सदस्य भी हैं, के एक मजबूत दावेदार होने की उम्मीद है। क्षेत्र में नेकां और पीडीपी के बीच लंबे समय से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए, उनके चुनाव में उतरने से परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।

यह सीट पारंपरिक रूप से नेशनल कॉन्फ्रेंस का गढ़ रही है, जिसमें सकीना इट्टू दो बार जीत चुकी हैं और उनके पिता वली मोहम्मद इट्टू चार बार निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पीडीपी ने 2002 और 2014 में सीट जीती थी, लेकिन नए उम्मीदवार को पिछली सफलताओं को दोहराने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पिछले चुनावों में, वोटों की गिनती ने इस सीट की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को दिखाया। 2014 में, पीडीपी के अब्दुल मजीद पद्दर ने 28,698 वोट हासिल किए, जबकि सकीना इट्टू को लगभग 25,000 वोट मिले। 2008 में सकीना इट्टू ने 16,240 वोटों के साथ जीत हासिल की थी, जबकि पीडीपी के अब्दुल अजीज जरगर को 11,722 वोट मिले थे।

2002 में पीडीपी के जरगर को 3,616 वोट मिले थे, जबकि सकीना इट्टू को 3,301 वोट मिले थे। 1996 में सकीना इट्टू को 12,553 वोट मिले थे, जबकि जनता दल के गुलजार डार को 7,694 वोट मिले थे। सकीना के पिता वली मोहम्मद इट्टू ने 1972, 1977, 1983 और 1987 के चुनावों में इस सीट पर जीत हासिल की थी। इससे पहले 1967 में कांग्रेस के अब्दुल अजीज जरगर और 1962 में नेशनल कॉन्फ्रेंस के गुलाम हसन खान ने जीत हासिल की थी। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 99,037 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसका नाम परिसीमन के बाद नूराबाद से बदलकर दमहाल-हंजीपोरा कर दिया गया था। इस सीट पर 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव होगा।

गंदरबल से उमर अब्दुल्ला को लगता है डर

इसीलिए बडगाम को भी साधे चल रहे हैं

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 05 सितंबर।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एक बार फिर उस गंदरबल से किस्मत आजमाने जा रहे हैं जो उनके साथ एक बार गदर कर चुका है। हालांकि वर्ष 2002 के विधानसभा चुनावों में उमर अब्दुल्ला के साथ गदर करने वाले गंदरबल ने 2004 के लोकसभा चुनावों में उनमें विश्वास व्यक्त किया था। इसलिए वे इस बार गंदरबल के साथ ही बडगाम से भी चुनाव मैदान में उतरे हैं।

अब एक बार फिर उमर अब्दुल्ला को उस गंदरबल विधानसभा क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है जहां से तीन बार उनके अब्बाजान डॉ. फारूक अब्दुल्ला और एक बार दादा मरहूम शेख मुहम्मद अब्दुल्ला चुनाव जीत चुके हैं। वे जिस गंदरबल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहे हैं वहां से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला तीन बार (वर्ष 1987, वर्ष 1983 तथा वर्ष 1996 में) चुनाव जीत चुके हैं तथा उनके दादा स्व शेख मुहम्मद अब्दुल्ला ने भी वर्ष 1977 में इसी विधानसभा सीट से विजय पाई थी। पर वर्ष 2002 के विधानसभा चुनावों में उमर अब्दुल्ला की हार के प्रति यह चौंकाने वाला तथ्य था कि वे उस गंदरबल सीट से चुनाव हारे थे जिसे नेशनल कॉन्फ्रेंस और अब्दुल्ला परिवार का पारंपारिक विधानसभा क्षेत्र और गढ़ कहा जाता रहा था। तब उमर अब्दुल्ला को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के काजी मुहम्मद अफजल ने मात्र दो हजार वोटों के अंतर से हरा दिया था।

वर्ष 2004 में जब लोकसभा चुनाव हुए तो परिदृश्य कुछ बदला हुआ था। श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के 15 विधानसभा क्षेत्रों में से जिन 12 में उमर अब्दुल्ला ने बढ़त हासिल की थी उनमें गंदरबल भी था जहां से उमर अब्दुल्ला को 16414 वोट मिले थे वहीं पीडीपी उम्मीदवार 11513 वोट ही वटोर पाया था। एक बार फिर उमर अब्दुल्ला उस मिथ्य को बरकरार रखने की कोशिशों में जुट गए हैं जिसमें कहा जाता है कि गंदरबल उनकी खानदानी सीट है। वे चाहते हैं कि इस बार गंदरबल उनके साथ गदर न करे। इसके लिए उन्होंने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद से ही इंतजाम करने आरंभ किए थे। विकास कार्यों में गंदरबल को काफी अहमियत दी गई थी। अर्थात पिछले कई सालों की विकास की फसल को वे अब काटने की तैयारी में हैं।

वकालत करने वाले भी अब बड़ी संख्या में चुनाव मैदान में

जम्मू, 05 सितंबर।

जम्मू कश्मीर में इस बार के विधानसभा चुनावों में वकीलों के रूप एक उल्लेखनीय प्रवृत्ति उभर कर सामने आई है जो आमतौर पर अदालतों में वकालत करते देखे जाते हैं, अब जनता के सामने अपने मामलों पर बहस करने के लिए राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राजनीति में कानूनी पेशेवरों की रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, क्योंकि विभिन्न राजनीतिक दल इन व्यक्तियों पर अपना भरोसा जता रहे हैं। यह इसी से साबित होता है कि अभी तक मैदान में उतरने वले उम्मीदवारों में से विभिन्न दलों ने 17 वकीलों को उम्मीदवार बनाया है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने विशेष रूप से कानूनी पेशेवरों पर मजबूत भरोसा दिखाया है, राजौरी-पुंछ क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से छह पर वकील उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अपनी पार्टी सहित अन्य दलों ने भी वकीलों को नामांकित करके इसका अनुसरण किया है, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने अभी तक किसी भी वकील उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है।

पेशेवरों की भागीदारी में यह उछाल केवल वकीलों तक ही सीमित नहीं है। पीडीपी, भाजपा, अपनी पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अब तक घोषित उम्मीदवारों में से करीब 30 व्यक्ति कानून, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और शिक्षा जैसे व्यवसायों से संबंधित हैं। वकीलों के बाद, डाक्टर दूसरे सबसे अधिक

प्रतिनिधित्व वाले पेशेवर समूह के रूप में उभरे हैं, जिसमें सात उम्मीदवार मैदान में हैं। पीडीपी और नेकां दोनों ने अनंतनाग से डाक्टरों को अपना उम्मीदवार चुना है। भाजपा ने भी दो डाक्टर उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। रामगढ़ से डा दविंदर मनियाल और जम्मू के आरएस पुरा से डा नरेंद्र रैना। इसके अलावा, भाजपा ने एक प्रोफेसर और एक इंजीनियर पर भरोसा दिखाया है, जो सु-चेतगढ़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

इसी तरह, पीडीपी ने पहलगाम और अनंतनाग से क्रमशः डॉ. शब्बीर और महबूब बेग को उम्मीदवार बनाया है, जबकि जम्मू पश्चिम से एक इंजीनियर को भी मैदान में उतारा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अनंतनाग और उड़ी से क्रमशः डा वशीर और डा सज्जाद पर अपना भरोसा जताया है। पार्टी ने त्रेहगाम से एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश और एक इंजीनियर के साथ-साथ एक डाक्टर उम्मीदवार डा नूर-उद्दीन को भी मैदान में उतारा है।

आधुनिक तकनीक से किसानों को सशक्त बना रही योगी सरकार

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ उनकी कृषि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए योगी सरकार अनेक कदम उठा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने गुरुवार को इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईएफसी) के सहयोग से और यूरोपीय यूनियन के कार्यक्रम एवं गूगल के साथ साझेदारी में, एग-टेक स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य कृषि को आधुनिक बनाने वाली पहलों का प्रदर्शन करना और राज्य में कृषि के भविष्य पर चर्चा करना है। उल्लेखनीय है कि एग-टेक स्टार्ट-अप समिट एक ऐसा मंच प्रदान करता है जिसमें देश भर के 25 से अधिक एग टैक्स, नीति निर्माता, निवेशक, शिक्षा जगत के प्रतिनिधि और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे पारिस्थितिकी तंत्र निर्माताओं के साथ मिलकर, कृषि आय और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अनुकूलित प्रौद्योगिकियों और समाधानों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

होटल ताज में आयोजित एगटेक स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन-2024 में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने विजन डॉक्यूमेंट फ़ॉर एगटेक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सिर्फ भारत के लिए ही नहीं,

बल्कि दुनिया के लिए कृषि का पावर हाउस है। कृषि को प्रभावित करने वाली दो महत्वपूर्ण चीजें हैं, वेदर और प्राइसिंग। इन दोनों से किसानों और कृषि को निजात दिलाने के लिए आईएफसी और वर्ल्ड बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस युग में टेक्नोलॉजी और डिजिटल तकनीक का उपयोग बहुत महत्वपूर्ण है। कृषि विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत कुछ वर्षों से इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाया है। इसमें किसानों के जीवन के साथ-साथ कृषि में सकारात्मक बदलाव करने की क्षमता है। एगटेक इसमें मददगार होगा। यह किसानों की तमाम तरह की समस्याओं का समाधान करेगा, जैसे किसानों को कम पैसे में पूरा क्रेडिट मिल जाए। प्रत्येक किसान को उसके उत्पादन की अधिक से अधिक कीमत मिले।

इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुरूप किसानों की आय को दोगुना करने का प्रयास कर रही है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश पहले ही एग्रीस्टैक के साथ डिजिटल कृषि के क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। भारत सरकार ने डिजिटल कृषि को लेकर सॉइल हेल्थ टेस्टिंग समेत कई प्रस्तावों की घोषणा की है। इसको देखते हुए हम प्राइवेट सेक्टर के साथ और अधिक साझेदारी पर फोकस कर रहे हैं। आईएफसी की कंट्री मैनेजर भारत एवं मालदीव वेंडी वर्नर ने कहा कि उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर के क्षेत्र में काफी अच्छा कर रहा है और इसमें काफी पोटेंशियल है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए यूपी में एक साथ काम कर रहे हैं कि प्राइवेट सेक्टर इनोवेटिव सॉल्यूशंस का एक महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है। हमने भारत में करीब 9 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। मालूम हो कि सम्मेलन में स्टार्टअप्स की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुआई से लेकर कटाई के बाद के समाधान और नव-ाचारी बाजार तक पहुंच के समाधान शामिल होंगे।

सुल्तानपुर सराफा डकैती कांड

एक आरोपी एसटीएफ से मुठभेड़ में ढेर दूसरा फरार

सुल्तानपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

यूपी एसटीएफ की बृहस्पतिवार भोर में सराफा डकैती कांड में शामिल दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश मौके से भाग निकला, लेकिन दूसरे बदमाश मंगेश यादव को गोली लगी। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक ने उसे मरा हुआ घोषित कर दिया। मंगेश यादव जौनपुर जिले के अहरौरा थाना बक्सा का रहने वाला था।

28 अगस्त को शहर के ठठेरी बाजार में भरत जी सोनी की दुकान में डकैती हुई थी। पांच डकैत करीब डेढ़ करोड़ का सामान समेट कर भाग निकले थे। उन्हीं की तलाश में एसटीएफ समेत पुलिस की सात टीमों को लगाया गया था। आज भोर में दो बदमाश बाइक से हनुमान गंज बाईपास के पास से निकल रहे थे, तभी सीओ डीके शाही की अगुआई में एसटीएफ व कोतवाली देहात पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया। दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चली। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश भाग निकला। डकैती के आरोपी मंगेश मुठभेड़ में ढेर हो गया। इससे पूर्व मंगलवार भोर में भी पुलिस ने मुठभेड़ में इसी मामले में अमेठी के सचिन सिंह, त्रिभुवन और पुष्पेंद्र को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। अभी भी 10 बदमाशों की पुलिस को तलाश है, जो इस वारदात में शामिल थे।

अशोक सिंघल वेद पुरस्कार वितरण समारोह

सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है: सीएम योगी

अयोध्या, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सबके सामने विकसित भारत का मानचित्र रखा है। इसमें नागरिक कर्तव्य सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश और सनातन धर्म के लिए अब हमें अपने अधिकारों की चिंता कम और नागरिक कर्तव्यों के विषय में ज्यादा चिंतन करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है। सनातन धर्म सुरक्षित एवं समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहेगा तो विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। अगर सनातन धर्म खतरे में पड़ेगा तो विश्व मानवता का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। सीएम योगी गुरुवार को अयोध्या में सिंघल फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित भारतात्मा अशोक सिंघल वेद पुरस्कार-2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल जी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री ली थी, लेकिन उनका जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रचारक के रुप में सनातन धर्म के लिए समर्पित था। सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और अशोक सिंघल एक-दूसरे के पूरक थे।

सीएम योगी ने कहा कि श्रद्धेय सिंघल जी के पास सोते, जागते, उठते, बैठते सिर्फ एक ही कार्य था, श्रीराम जन्मभूमि की प्राप्ति। उसके लिए वो शांति और क्रांति दोनों मार्गों को अपनाने को आतुर रहते थे। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान का प्रतिफल है कि 22 जनवरी 2024 के दिन इस सदी की सबसे उत्कृष्ट घटना घटी। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से भव्य मंदिर में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हुए। साधना जब सच्ची होती है तो परिणाम प्राप्त होता ही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला का विराजमान होना गुलामी के अंशों की समाप्ति है, जो अब थमने वाला नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि अछूतोद्धार के लिए सिंघल जी के प्रयास अतुलनीय है। उनके द्वारा स्थापित वेद विद्यालय और एकल विद्यालय भी श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि वेदो अखिलो धर्म मूलम् यानी अखिल विश्व के धर्म का अगर कोई मूल है तो वेद हैं।

श्रद्धेय अशोक सिंघल ने वेदों के इस महत्व को अपने जीवन में अक्षरशः उतारने का कार्य किया था। सीएम योगी ने कहा कि गोरक्षक सुंदर यादव की आजमगढ़ में गोतस्करों ने हत्या कर दी थी। उस हत्या के खिलाफ आंदोलन हुआ था, जिसका अशोक सिंघल जी नेतृत्व कर रहे थे। इसी का परिणाम रहा कि गोरक्षक सुंदर यादव के हत्यारे जेल गए।

सीएम योगी ने कहा कि भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा यानी भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति में हो सकती है। यही भारत की आत्मा है और यही विश्व की आत्मा हो सकती है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज शांति, सुरक्षा और सौहार्द्र के लिए भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देखती है। पूरी दुनिया में आज कोई भी घटना घटित होती है तो दुनिया की निगाह भारत के नेतृत्व की तरफ होती है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में जब भी शांति, सौहार्द्र, सुख और समृद्धि की बात होगी तो दुनिया का ध्यान भारत के गुरुकुलों की तरफ जाएगा। भारत ही उसका नेतृत्व करेगा।

वेद मूर्ति वयोवृद्ध ब्रह्मर्षि विष्णु पटल सुब्रमण्यम को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, आचार्य गोपाल चंद्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, काशी, उत्तर प्रदेश को उत्तम वेद विद्यालय के लिए सात लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र, आदर्श वेदाध्यापक कुलपति आर. चंद्रमौलि श्रौती, तमिलनाडु को पांच लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी नारायण लाल शर्मा राजस्थान को तीन लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

नकली नोट छापने वाला मदरसा सील

अवैध रूप से बना था मदरसा

प्रयागराज, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में जिस मदरसे में नकली नोट बनाने के रैकेट का पर्दाफाश हुआ था, उसे प्रशासन ने सील कर दिया है। इस मदरसे में फ़िलहाल 6 राज्यों के 70 बच्चे पढ़ाई कर रहे थे, जिन्हें उनके घर भेज दिया गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने मदरसे को अवैध निर्माण घोषित कर दिया है। यह प्रशासनिक कार्रवाई बुधवार 4 सितंबर 2024 को हुई है।

4 सितंबर की दोपहर में प्रयागराज पुलिस मदरसा कमेटी के साथ मदरसे पर पहुंची। यहां कानूनी प्रक्रियाओं के बाद मदरसे पर पुलिस ने ताला जड़ कर सीलिंग की कार्रवाई की। सील करने के दौरान मदरसे में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा सहित 6 राज्यों के कुल 70 बच्चे मौजूद थे। इन्हें बाहर निकाला गया और उनके घरों के लिए रवाना कर दिया गया। सीलिंग के लगभग आधे घंटे के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण की टीम भी मदरसे पर पहुंची। प्राधिकरण ने वहां मदरसे के अवैध होने का बोर्ड लगा दिया। इस बोर्ड पर लिखा था, अनधिकृत होने के कारण यह निर्माण सील किया गया है। इस निर्माण में सील को तोड़ना, पुनः निर्माण की कोशिश करना तथा किसी प्रकार का क्रय-विक्रय करना अवैधानिक एवं दंडनीय अपराध है।

बताते चलें कि प्रयागराज पुलिस द्वारा मदरसे में नकली नोट छापने का खुलासा किया था। इसके बाद आईबी और एटीएस की टीम जांच में शामिल हो गई। मदरसे का मौलवी तफसीरुल पिछले 6 वर्षों से बच्चों को आरएसएस विरोधी और मजहबी कट्टरपंथ का पाठ पठा रहा था। जांच एजेंसियां यहां से पढ़ाई कर चुके 630 बच्चों की पड़ताल कर रही हैं।

जांच के दौरान यह पता चला कि इस मदरसे को विभिन्न इस्लामी मुल्कों से फंडिंग की जा रही थी। जिन मुल्कों से इस मदरसे को फंडिंग मिल रही थी, उनमें तुर्किए, दुबई और अन्य अरब देश भी शामिल हैं। इन देशों से इस मदरसे को करोड़ों रुपए की फंडिंग की जा रही थी। पुलिस के रडार पर वो खातेदार भी हैं, जिनके एकाउंट में विदेशों से पैसे आते थे।

57000 ग्राम पंचायतों में खेल मैदान, 18 फुटबॉल मैदान

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 18 नए फुटबॉल स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। ये सभी स्टेडियम शुरुआती तौर पर राज्य के कमिश्नरेट में बनेंगे। इसके बाद प्रदेश के सभी 827 ब्लॉक में फुटबॉल स्टेडियम बनेंगे। उन्होंने यह घोषणा 2 सितंबर को लखनऊ में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच हुए डर्बी मैच से पहले की।

सोमवार 2 सितंबर 2024 की शाम लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन था। इस मैच में योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। मैच की शुरुआत से पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश में फुटबॉल को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को और निखारने का ऐलान किया। अपने सम्बोधन में सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए पिछले 10 वर्षों में देश में खेलों और खेल प्रतिभाओं को काफी बढ़वा मिला है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उनके द्वारा चलाए गए खेलो इंडिया और सांसद खेलकूद प्रतियोगिता जैसे अभियानों की भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही प्रेरणा से ही उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को नई दिशा मिली है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान समय में 57,000 ग्राम पंचायतों में एक-एक खेल का मैदान बना रही है। यूपी के 825 विकास खंडों में एक-एक मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। इसके साथ सभी 75 जिलों में एक-एक स्टेडियम बनाने की भी दिशा में काम चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने विश्वास दिलाया कि फुटबॉल संघ की अपेक्षाओं पर उत्तर प्रदेश सरकार उम्मीदों से जायदा खरी उतरेगी।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी के मुताबिक, शुरुआती तौर 18 कमिश्नरियों में एक-एक फुटबॉल स्टेडियम बनेंगे। भविष्य में ब्लॉक स्तर पर 827 फुटबॉल स्टेडियम बनाने की दिशा में भी काम किया जाएगा। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश का नाम रौशन करने वाले खिलाडियों की भी तारीफ की।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प समृद्ध करेगा रामनाथ स्वामी मंदिर : योगी

अयोध्या, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने अयोध्या दौरे की शुरुआत राम नाथ स्वामी मंदिर में आयोजित महाकुंभाभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेकर की। कार्यशाला में स्थापित इस दक्षिण भारतीय शैली के मंदिर में नवस्थापित महादेव के शिवलिंग का पूजन व अर्चन करने के साथ सीएम योगी ने प्रदक्षिणा भी की। सीएम योगी ने रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना को एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि रामस्वामी का कार्यशाला में विराजमान होना अत्यंत आनंद का क्षण है। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम और तमिलनाडु का विशेष रिश्ता है। ये हजारों वर्षों की परंपरा है। हजारों वर्ष पहले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब श्रीलंका में माता सीता की खोज के लिए निकले थे तो तमिलनाडु के रामेश्वरम में सेतु बंधन के पश्चात अपने आराध्य भगवान शिव की आराधना की थी। सीएम योगी ने कहा कि संपूर्ण भारत एक है, इस संकल्प के साथ आध्यात्मिक

चेतना बढ़ रही है। मौजूदा प्रयास भी इसमें एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के पीएम मोदी के कार्यक्रम हो ही आगे बढ़ा रहे हैं जो यहां भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरब से लेकर पश्चिम तक एक रहा है। हमारे शास्त्र व धर्मस्थल इस बात के प्रमाण हैं। सरकारें अलग अलग रही हों मगर भारत के संतों की परंपरा ने मजबूती प्रदान की है।

सीएम योगी वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम् का उदाहरण देते हुए कहा कि काशी में तमिल संगमम् के दो संस्करण पूर्ण हो चुके हैं। काशी के बाद आज अय्या जी के कारण अयोध्या धाम भी तमिलनाडु से जुड़ चुका है।

उन्होंने आगे कहा कि एक ओर आरएसएस व विश्व हिंदू परिषद द्वारा राष्ट्र जोड़ने का कार्य हो रहा है वहीं कुछ लोग ओछी राजनीति के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहे है। ऐसे में, मंदिर स्थापना का यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को प्रशस्त करता है। अय्या जी ने भारत की एकात्मता के लिए वही कार्य कर रहे हैं जो तमिलनाडु से निकले एक संन्यासी ने सैंकड़ों वर्षों पहले पूरे सनातन धर्म को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था।

सीएम योगी ने कहा कि अब प्रभु श्रीराम का पूरा भव्य मंदिर बनने में ज्यादा देर नहीं होने वाली है। मंदिर निर्माण को पूर्ण करने के सभी कार्य तीव्र गति से जारी है जिसके लिए मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय, गोपाल राय व अन्य पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को पीएम मोदी द्वारा हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में समाज का पूरा नेतृत्व वर्ग अयोध्या धाम में था। अयोध्या धाम में पांच सदी के बाद विराजमान हुए रामलला का करोड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि मेरा मानना है कि अयोध्या धाम एक नई गति के साथ दुनिया की सबसे आध्यात्मिक और सुंदरतम नगरी के रूप में स्थापित होकर पूरे सनातन धर्मावलंबियों के लिए एक नई प्रेरणा और प्रकाश का केंद्र बिंदु बनकर उभरेगा। वहीं, इस अवसर पर आरएसएस के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि दक्षिण भारतीय शैली के इस मंदिर की स्थापना ने उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का काम किया है जिसका माध्यम भगवान शिव व प्रभु श्रीराम बने हैं।

कार्यक्रम में सीएम योगी व भय्याजी जोशी के अतिरिक्त कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, आध्यात्मक संत अय्या जी, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महंत कमल नयन दास, स्वामी राम शरण दास, महंत अवधेश दास, जगत् गुरु दिनेशाचार्य व तमिलनाडु से आए संत, स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीएम योगी और भय्याजी जोशी को अंगवस्त्रम व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

दो पैर के जानवर चार पैरों वाले वन्य जीवों के घरों में घुस रहे

तो भेड़िये कर रहे सामाजिक जानवरों पर हमले

बहराइच, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच में भेड़ियों का आतंक है। मार्च 2024 से शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों में अब तक 9 बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो चुकी है, तो 34 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं, जिसमें अधिकांश बच्चे हैं। इन घटनाओं के बाद प्रशासन की ओर से 32 राजस्व विभाग की टीम और 25 वन विभाग की टीम तैनात की गई है। ड्रोन समेत तमाम सर्विलांस उपकरणों की मदद से अब तक 4 भेड़ियों को पकड़ा जा चुका है। इसके बावजूद अभी तक 2 नरभक्षी पकड़े नहीं जा सके हैं। बहराइच में भेड़ियों के हमले की खबरें लगातार सुर्खियों में हैं।

दरअसल, भेड़िये तेजी से विलुप्त होते वन्यजीवों की श्रेणी में हैं। पूरे देश में खासकर उत्तर भारत में इनकी संख्या महज 2000 से 3000 के बीच ही बची है। अतीत में भारत में भेड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा हुआ करती थी। अंग्रेजों के समय में भेड़ियों को मारने का बड़ा अभियान चला था, जिसमें 40 साल में 1 लाख से अधिक भेड़ियों को शिकारियों ने मार डाला था और ब्रिटिश राज से ईनाम भी हासिल किया था।

भारत में भेड़ियों का इंसानों पर हमला करना कोई नई बात नहीं है। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के समय, भेड़ियों के हमलों से कई लोगों की जान गई थी। 1866 में कैप्टन बी. रोजर्स ने निचले बंगाल में भेड़ियों द्वारा 4,287 लोगों की मौत दर्ज की, जो उस समय बाघों द्वारा की गई 4,218 मौतों से भी थोड़ी ज्यादा ही थी। इसी प्रकार, 1875 में सर्जन जनरल जोसेफ फायरर के अनुसार, उत्तर भारत में भेड़ियों ने 1,018 लोगों की जान ली थी, जो बाघों द्वारा मारे गए 828 लोगों से भी अधिक थी।

ध्यान देने वाली बात यह है कि पंजाब, राजस्थान, गुजरात और दक्कन पठार जैसे क्षेत्रों में भेड़िये के हमलों से इंसानी मौत के मामले बेहद कम थे, जबकि इन क्षेत्रों में भेड़ियों की संख्या अधिक थी। ब्रिटिश सरकार ने इस खतरे का मुकाबला करने और भेड़ियों के हमलों को नियंत्रित करने के लिए इनाम की घोषणा की गई, जिसके परिणामस्वरूप 1871 से 1916 के बीच उत्तर-पश्चिम प्रांतों और अवध में 1 लाख से अधिक भेड़ियों को मार दिया गया। इसके बावजूद, भारतीय भेड़िए अपने जीवित रहने के लिए संघर्ष करते रहे और आज उनकी आबादी महज 3,000 के करीब ही रह गई है।

भारत में भेड़ियों के हमलों का एक लंबा और भयावह इतिहास है। 1985-86 में, मध्य प्रदेश के आष्ठा में चार भेड़ियों के एक समूह ने 17 बच्चों की हत्या कर दी, जिससे क्षेत्र में व्यापक दहशत फैल गई। इसी तरह, 1993 से 1995 के बीच, बिहार के हजारीबाग पश्चिम, कोडरमा और लेटेहर वन मंडलों में भेड़िया दलों द्वारा 60 बच्चों की मौत के मामले सामने आए। इन हमलों की वजह भी प्राकृतिक शिकार की कमी और भेड़िया-कुत्ता संकरों की वृद्धि को माना गया है।

वाई.वी. झाला और डी.के. शर्मा द्वारा साल 1996 में किए गए एक रिसर्च में, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 76 बच्चों पर हुए हमलों का विश्लेषण किया गया। उनके अध्ययन में बताया गया कि इन हमलों में एक ही अल्फा मेल भेड़िया या उसके ग्रुप की भूमिका थी, न कि कई ग्रुपों ने। पूर्वी यूपी के तीन जिलों प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और जौनपुर में साल 1996 के मार्च से अक्टूबर महीने तक भेड़िये का आतंक था। तीनों जिलों में 30 बच्चों की मौत हुई थी। हर तीसरे दिन भेड़िया हमला करता था। हर पांचवें दिन एक बच्चे की मौत हो रही थी। हर हमले वाली जगह में कम से कम 13 किमी का अंतर होता था।

उस समय इन तीनों में जिलों में भेड़िये को वेयरवुल्फ माना गया उसे मनई कहा जा रहा था। मनई आम तौर पर इंसान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अवधी बोली का शब्द है।

ऐसे में उस दौर में कोई अंजान आदमी प्रभावित इलाके के किसी गांव में दिख जाता था, तो लोग उसे मनई समझ कर मारने की कोशिश करते थे। ऐसे में लोगों का घरों से बाहर निकलना भी बंद हो गया था। इस मामले में सामने आया कि शिकारी भेड़िया बेहद ताकतवर था और अपने ग्रुप के मुखिया के जैसा था। ऐसे ग्रुप के मुखिया को अल्फा मेल भी कहा जाता है। बाद में उस भेड़िये को शिकारियों ने मार गिराया था।

हालांकि, यह समस्या तब तक पूरी तरह से हल नहीं हो सकती जब तक कि भेड़ियों को उनके प्राकृतिक आवास और शिकार का पर्याप्त हिस्सा नहीं दिया जाता। मानव-भेड़िया संघर्ष की समस्या को हल करने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं की आवश्यकता है। इसमें जंगली क्षेत्रों का संरक्षण, भेड़ियों के प्राकृतिक शिकार की सुरक्षा, और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग शामिल है। साथ ही, जनता के बीच जागरूकता फैलाने और भेड़ियों के साथ सह-अस्तित्व के उपायों को अपनाने की भी आवश्यकता है।

इस तरह बहराइच में भेड़ियों के हमलों ने न केवल तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता को उजागर किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि कैसे मानव गतिविधियों का वन्यजीवों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि हम इस समस्या का समाधान करना चाहते हैं, तो हमें भेड़ियों को उनके प्राकृतिक अधिकारों का हिस्सा देना होगा, और साथ ही उन्हें हमारे समाज के लिए खतरा बनने से रोकने के उपाय करने होंगे।

संपादकीय

दिखावे का आपराधिक बिल

पश्चिम बंगाल विधानसभा में 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक' (आपराधिक कानून एवं संशोधन) सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप-मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी प्रयास है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीडऩ की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं। वैसे राज्यों को अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है। बंगाल विधानसभा में जो बिल पारित किया गया है, उसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो) में संशोधन की बात कही गई है। ये कानून संसद द्वारा पारित किए गए हैं। केंद्रीय कानूनों की धाराओं के तहत बलात्कार, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के लिए 20 साल की सजा, उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है, जबकि 'अपराजिता बिल' में सिर्फ फांसी के प्रावधान का ही प्रस्ताव है। बीएनएस के तहत बाल अपराधियों के लिए रियायतों का प्रावधान है, लेकिन 'अपराजिता' में उन्हें खत्म करने का प्रस्ताव है। गौरतलब है कि जांच, न्याय और सजा के लिए जो अवधि तय की गई है, वह अव्यावहारिक है, क्योंकि भारत में न्याय की परतें कई हैं। यदि फास्ट ट्रैक कोर्ट आरोपित को फांसी की सजा सुना भी देती है, तो उस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। उच्च न्यायालय के बाद सर्वोच्च अदालत है। अंततः राष्ट्रपति को दया-याचिका दी जा सकती है। मात्र 10 दिन में इन सभी आयामों से न्याय पाना असंभव है, लिहाजा 10 दिन में फांसी की सजा महज नारेबाजी है। जनता को भ्रमित करने की राजनीति है, ताकि कोलकाता की सडक़ें तमाम तरह की सियासत से मुक्त हो सकें। 2012 के 'निर्भया कांड' का अंतिम फैसला 8 लंबे सालों के बाद मिला था। नतीजतन उसके बाद ही बलात्कारियों को फांसी पर लटकाया जा सका। उसके बाद किसी भी बलात्कारी को मृत्युदंड नहीं दिया जा सका। यह हमारे कानून के छिद्र हैं, हालांकि 'निर्भया कांड' के बाद जस्टिस जेएस वर्मा आयोग बनाया गया था। इस आयोग ने व्यापक विमर्श के बाद, बहुत ही कम समय में, अपनी रपट दी थी। उसके आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें भी दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। हमारे देश और समाज में बलात्कार के औसतन 86 केस हर रोज दर्ज कराए जाते हैं, कितनों को फांसी की सजा दी जाती है? बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस विपक्षी खेमे की एक महत्वपूर्ण पार्टी है। इससे पहले आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र ने भी 'मौत की सजा' को अनिवार्य करने वाले बिल पारित किए थे, लेकिन केंद्र से मंजूरी नहीं दी गई। यही नियति अब बंगाल की हो सकती है। ममता बनर्जी ने बिल की आड़ में भी खुन्नस भरी राजनीति की है। उन्होंने सदन में ही प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उन मुख्यमंत्रियों के भी इस्तीफे मांग लिए, जिनके राज्यों में बलात्कार की संख्या लगभग निरंतर है। चूंकि प्रधानमंत्री पूरे देश के संवैधानिक प्रभारी हैं, लिहाजा वह इस्तीफा दें, क्योंकि वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं। क्या राजनीतिक मजाक है यह! दरअसल बलात्कार को 'राजनीतिक हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देश की बदनसीबी है।

कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप-मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी प्रयास है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीडऩ की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं। वैसे राज्यों को अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है।

धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है

समाज के नायक शिक्षकों का सम्मान

अनुज आचार्य

जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं।

गाइ कावासाकी के अनुसार, 'अगर आपको किसी को ऊंचे स्थान पर रखना है, तो शिक्षकों को रखें। वे समाज के नायक हैं।' जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं। चरित्र रक्षण को लेकर संस्कृत साहित्य में कहा भी गया है कि, 'वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमेति च याति च। अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः॥' अर्थात चरित्र की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। धन तो आता-जाता रहता है। धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है। लेकिन हम साल दर साल कई शिक्षकों के अमर्यादित आचरण से कलंकित होते शिक्षक समाज की व्यथा से पार नहीं पा रहे हैं। आजकल हमारे अध्यापकों के समक्ष वर्तमान भौतिकतावादी जीवन के दृष्टिगत अपने शिक्षार्थियों में न केवल भारतीय संस्कृति के अनुरूप उच्चकोटि के संस्कारों का परिमार्जन करने की चुनौती है, अपितु उन्हें आगामी जीवनपथ पर आने वाली कठिनाईयों-संघर्षों से लडऩे का जीवट कैसे पैदा हो, यह सामर्थ्य व साहस भरने का दृष्टिकोण विकसित करने की गुरुतर जिम्मेदारी भी है। अध्यापकों को शिक्षण कार्य के इतर कई प्रकार की गतिविधियों को संचालित करना होता है ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण चहुंमुखी विकास हो, लेकिन इधर बीते वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को ही बेतरतीब भारी भरकम पाठ्यक्रम, शैक्षणिक कार्य के अलावा अन्य कार्यों का संपादन एवं विभिन्न दिवसों के आयोजन के घालमेल वाला बना दिया गया है। आज नन्हें बच्चों का बस्ता भारी है, प्राइमरी शिक्षा प्रणाली वाले स्कूलों में अध्यापकों

का अभाव है और बच्चों के लिए भ्रमण कार्यक्रमों आदि की व्यवस्था न होना भी उनके सर्वांगीण विकास को प्रभावित कर रहा है। स्कूलों में खेल, वाद विवाद, भाषण, संगीत आदि प्रतियोगिताओं का महज खानापूर्ति के लिए आयोजन होने से हम आज भी वास्तविक शैक्षिक लक्ष्यों से कोसों दूर हैं। लेकिन हमें तमाम अवरोधों बाधाओं के बावजूद आगे बढऩा होगा। विनम्रता, धैर्य और दृढ़ता ये सभी गुण एक प्रेरक शिक्षक की पहचान हैं। शिक्षकों में बालकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से सामना करने के लिए और उनका मार्गदर्शन करने का महनीय सामर्थ्य होना चाहिए। तभी वे समाज में सार्थक बदलाव ला सकते हैं और अपने शिष्यों के महान रोल मॉडल भी बन सकते हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश की शैक्षिक प्रगति का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर अब आजादी के समय के 8 प्रतिशत से बढक़र 88 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसमें पुरुष साक्षरता दर 89.53 प्रतिशत है जबकि महिला साक्षरता दर 75.93 प्रतिशत है। वर्तमान समय में प्रदेश में लगभग 15 लाख छात्र शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत छात्र सरकारी संस्थानों में हैं एवं राज्य सरकार नामांकन प्रतिशत को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना शुरू की है, जिसके तहत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हिमाचल सरकार सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल भी बना रही है जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विद्या केंद्र का शुभारंभ किया है। केंद्र सरकार के समग्र शिक्षा विकास कार्यक्रम के तहत समीक्षा केंद्र खोलने वाला हिमाचल देश का तीसरा राज्य बन गया है। विद्या समीक्षा केंद्र डेटाबेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगा। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 200 शिक्षकों को एक्सपोजर विजिट के लिए सिंगापुर भेजा गया था और अब सरकार ने विद्यार्थियों को भी एक्सपोजर विजिट पर विदेश भेजने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना शुरू की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विधवा, बेसहारा, तलाकशुदा महिलाओं और दिव्यांग माता-पिता को उनके बच्चों की शिक्षा और कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद करके सरकार ने सकारात्मक बदलाव की दिशा में साहसिक कदम बढ़ाए हैं। प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस हमें एक मौका उपलब्ध करवाता है जब हम कह सकते हैं कि शिक्षक का हमारे जीवन में अमूल्य योगदान है। शिक्षकों के बिना यह मनुष्य जीवन सार्थक नहीं है। हर किसी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल करना चाहिए। हमारी बाल्यावस्था से लेकर महाविद्यालयीन शिक्षा के दरमियान अनेकों शिक्षक हमारा मार्गदर्शन करते हैं और विभिन्न तौर तरीकों, उपायों और तकनीकों से हमें भावी जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी शिक्षक को मिलकर यह कहता है कि आदरणीय गुरुवर आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचाने में आपका भी योगदान है, तो समझिए उस शिक्षक के लिए इससे बड़ी प्रशंसा और क्या हो सकती है। आज शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं दैनिक 'दिव्य हिमाचल' के सुधी पाठकों को हार्दिक बधाईयां।

दृष्टि कोण

माननीय न्यायालय रोकिए इन्हें, ये देश में आपस में लड़ा देंगे !

ये विषय देश की आंतरिक सुरक्षा, सद्भाव और परस्पर समरसता से जुड़ा है। अभी लगातार दो तरह की घटनाएं घटती दिख रही हैं, एक तरफ राहुल गांधी स्वयं से नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं तो दूसरी ओर जेएनयू जैसे शिक्षा संस्थान और स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जिन्हें टूलकिट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उद्देश्य दोनों का समान है, भारत में अराजकता का माहौल पैदा करना। वर्तमान केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास की भावना आम जन में भर देना ताकि किसी भी तरह से देश में दंगे-फसाद कराए जा सकें और फिर किसी तरह से वर्तमान नेतृत्व को सत्ता से बाहर कर सत्ता हथियाई जा सके। वैसे देश की एकता, अखण्डता एवं समरसता के लिए पहले भी न्यायालय कई विषयों पर आगे से स्वतः संज्ञान लेकर हस्तक्षेप करता रहा है। इस मुद्दे पर भी माननीय न्यायालय से आग्रह है कि वह आगे आए । देश में घटनाएं कैसे घट रही हैं, आप देखिए; पहले, राहुल गांधी का एक वीडियो सामने आता है, इसे उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में संविधान सम्मान सम्मेलन का बताया जा रहा है। इस सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी मिस इंडिया कॉन्टेस्ट को लेकर यह दावा करते नजर आ रहे हैं कि देश में नब्बे प्रतिशत लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं, कह रहे हैं, मैं तो मिस इंडिया की लिस्ट देख रहा था, उसमें कोई दलित-ओबीसी-आदिवासी, अल्पसंख्यक ही नहीं है। उनके पास हर तरह की प्रतिभा मौजूद है, लेकिन फिर भी वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं। यही कारण है कि हम जाति जनगणना की माँग कर रहे हैं। उनका ये बयान सामने आने के बाद मीडिया ने भी इसे तेजी के साथ आगे बढ़ाया। स्वभाविक है, जो आंकड़ों में नहीं जाते, अध्ययन करने पर कम, अपने नेता या वरिष्ठ के कहे पर विश्वास अधिक करते हैं । जो साक्षर हैं किंतु शिक्षित नहीं, वस्तुतः देश में ऐसे करोड़ों लोग हैं। अब ऐसे में राहुल गांधी का दिया ये बयान उन्हें सही नजर आ सकता है ! स्वभाविक तौर पर उनके मन में आक्रोश भी पनप सकता है कि बताओ, स्वाधीनता के 77 वर्ष बाद भी देश में अनुसूचित जाति-जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार क्यों नहीं दिया गया है, बलकि अभी पर कुछ चुनिंदा अपने में तथाकथित बड़ी जातियों ने कब्जा करके रखा है ! किंतु क्या राहुल गांधी यहां जो कह रहे हैं वह सच है ? माननीय न्यायालय आप जानते हैं कि राहुल गांधी यहां जूठ बोल रहे हैं। देश में सिर्फ मिस इंडिया ही नहीं अनेक प्रमुख प्रतिष्ठति स्थानों पर अजा, जनजा, अल्पसंख्यक लोग विराजमान रहे हैं और वर्तमान में भी हैं। इस संदर्भ में अनेक तथ्य मौजूद हैं, जैसेकि भारतीय जनता पार्टी नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा ने स्वाधीनता के बाद से अब तक उन महिलाओं की सूची साझा की है, जिन्होंने 'मिस इंडिया' का क्राउन पहना है। इस लिस्ट को जारी करते हुए तजिंदर बग्गा ने एक्स पर लिखा भी कि इस देश में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट 1947 में शुरू हुई, उसमें अल्पसंख्यक समाज की कई बहनें विजेता बनी। उन्होंने जो लिस्ट साझा करते हुए एस्टर विक्टोरिया अब्राहम, इंद्रानी रहमान, फेरिअल करीम से लेकर नायरा मिर्जा, अंजुम मुमताज, फरजारा हबीब, सोनू वालिया, गुल पनाग, साराह जेन डायस, नवनीत कौर ढिल्लन तक के नामों का उल्लेख किया है। वस्तुतः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इतना कहने के बाद भी चुप नहीं रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर बड़े आरोप लगा दिए। इसी संविधान सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम में बोलते दिखे कि संविधान की रक्षा, दलित, आदिवासी, ओबीसी करते हैं। यहां प्रश्न यह है कि क्या अन्य जन जो इस सूची से बाहर हैं, वह संविधान की रक्षा नहीं करते? फिर उनका यहां यह कहना कि देश के उद्योगपति में कोई दलित आदिवासी नहीं, मोची, धोबी और बढ़ई के हाथों में जबरदस्त स्किल है, पर देश में हुनर की इज्जत नहीं ह, कितना सही है? आगे वे कहते दिखे, स्किल डेवेलमेंट की शुरुआत यूपीए ने की थी किंतु 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं। पीएम मोदी राजा-महाराजा वाला मॉडल चाहते हैं। अब माननीय न्यायालय आप देखिए, यह संविधान बचाने के नाम पर देश को किस-किस तरह से आपस में यहां के जनसमुदायों को जाति के आधार पर भिड़ाने की कोशिश की जा रहे हैं ! जबकि हकीकत यही है कि देश में अनेक उद्योगपति हैं, जोकि अजा, जनजा, पिछड़ावर्ग से आते हैं और वे अपने व्यवसाय में पूरी तरह से सफल हैं । यहां भी राहुल का इस संबंध में किया दावा गलत ठहरता है। इस वक्त राहुल गांधी जिस तरह से आबादी के हिसाब से नीतियां बनाने की बात कह रहे हैं, हम सभी जानते हैं कि वह साम्यवाद का वामपंथी मॉडल है, जो कहता है कि सभी को उनकी जनसंख्या के हिसाब से लाभ मिले। दरअसल, सुनने में यह बहुत अच्छा लगता है। किंतु इस मॉडल के अनेक खतरे हैं। पूरी दुनिया इस मॉडल को रिजेक्ट कर चुकी है, यहां तक कि जहां से वामपंथ शुरू हुआ था, वह देश वियतनाम, चीन, जर्मनी, रूस या अन्य कोई देश क्यों न हो। सभी का अनुभव इस मामले में एक जैसा ही है कि यह नीति अपने देश की बहुजनसंख्या को निकम्मा बना देने का काम करती है। अब इस सिद्धांत से चलेंगे तो जो काम करेगा उसे भी उतना ही भाग मिलेगा जितना कि बगैर काम करनेवाले को ।

कुछ अलग

मुखौटों से भरी दुनिया

बदलते हुए समाज विज्ञान की शोध में नए आंगन खुलते रहते हैं। नई शोध का विषय पिछले दिनों एक यह भी रहा है कि कार्टून बनाने वाले क्यों यह सच बांचते नजर आते हैं, जब वे देश के महाभ्रष्ट लोगों और सब कुछ समेट कर अपनी जेब में डाल लेने वाले लोगों को भारी-भरकम और तोंदियल बताते हैं तो जंचता है। मुफ्त लंगर और राशन बांटने वाले की कतारों में जो लोग अंतहीन नुक्कड़ तक खड़े नजर आते हैं, वे तो लगता है, अभी गिरे कि गिरे क्योंकि सब सींकिया बदन और फटेहाल हैं। होने भी चाहिएं। आजकल बेकारी, बीमारी और निकम्मेपन के दिनों में भिक्षा पात्र लेकर भिक्षा देहि के नारों के साथ द्वार-द्वार भटकना एक ऐसा आमफहम सत्य हो जाता है कि लगता है कि अगर इसे देश का नया घरेलू उद्योग घोषित कर दिया जाए, तो अतिकथन न होगा। सरकारी स्तर पर आम जनता के इन कठिन दिनों में मुफ्तखोरी को दया धर्म कह कर दुरुह समस्याओं का एक सरल समाधान मान लिया गया है। समस्या तो एक भी हल होती नजर नहीं आई, बल्कि बेकारी माशा अल्लाह नए कुलांचे भर रही है। अब तो बेकारों की कतार इतनी लंबी होती नजर आ रही है कि विद्वान बताते हैं कि पिछले पैंतालीस बरस में इतनी महंगाई नहीं देखी। बात न कीजिए बढ़ती महंगाई की। वर्तमान सुशासन युग शुरू हुआ था तो घोषणा की गई थी कि न रहेगा बांस और न बजेगी बांसुरी अर्थात न रहेगी महंगाई और न करेगा कोई चोर बाजारी, लेकिन ये कैसे दिन आए बन्धु, चोर बाजारी तो इस देश के लोगों की स्वाभाविक वृत्ति बन गई है। अब देखो न नई नई महामारियों का संक्रमण भय मौत का डंडा सिर पर बजा रहा है और चार लोग दवाओं की बात छोड़ो, उनके माकूल होने की अफवाहों पर भी चोर बाजारी कर रहे हैं। बढ़ती हुई कीमतों की भली पूछिए। सरकार कहती है कि इन दिनों में आर्थिक गतिविधियां बहुत तेज हैं। सरकारी खजाना भरा हुआ है। लेकिन फिर भी कर्मचारियों का वेतन लेटलतीफ हो रहा है, लेकिन जरूरी चीजों की कीमतें आतिशबाजी होकर आकाश की ओर उड़ रही हैं। ऐसी ऐसी बातें होती हैं कि असल सच किसी के पल्ले नहीं पड़ता। अब भला पूछिये मेहरबानों से कि दुनिया भर में पैट्रोलियम उत्पादों की कीमतें गिरकर धरती चूम रही हैं और अपने देश में पैट्रोल और डीजल की कीमतों का कनकौआ आसमान की ओर क्यों उड़ाया जा रहा है? पहले कहा, सरकारी खजाना भरना है, इसलिए कीमत स्तर को काठ मार जाने दो, इसे गिरने नहीं देना है। देखते ही देखते बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें कुलांचें भरने लगीं और आम आदमी उदास होकर सोचता है कि भैय्या यह कैसी तरक्की है? 'यह तो जाते थे जापान पहुंच गए चीन, समझ गए न।' अब गाने में तो कहा गया है, 'मन्नू तेरा हुआ अब मेरा क्या होगा?' अब आम आदमी क्या अपने अच्छे दिनों की इसी तरह उम्मीद करें? जी नहीं, उससे पहले राज्य सरकारों को भी तो अपनी गरीबी दूर करनी है। उन्हें भी तो अपना वैट बढ़ा कर अपनी स्थानीय आर्थिक दुर्दशा की मरहम पट्टी करनी है। हां, चुनावी मजबूरी आ गई तो उन्हीं स्थानीय करों को घटाकर वाहवाही लूटी जा सकती है। बंधु, यह काम थोड़ा छिप-छिप कर भी करना पड़ता है। अब देखो न पहले गैस का ईंधन सिलेंडर दो दामों पर मिलता था। एक थोड़ा सस्ता अनुदान सहायता प्राप्त और दूसरा सामान्य बिना सहायता के। अब पैट्रोलियम उत्पादों की घटती कीमतों का यह प्रभाव हुआ कि मिर्जा नौशा भी कह उठे, 'बर्फ गिरती है तो बेचारे मुसलमीनों पर', अर्थात सामान्य सिलेंडर की कीमत ही कम होकर कटौती वाले सिलेंडर के बराबर हो गई। अब चाहे अनुदान प्राप्त सिलेंडर खरीद कर मुसलमीन कहलाओ। जब कटौती है ही नहीं तो पैसा तुम्हारे खाते में जाएगा कैसे? इसलिए हे दुनिया के कार्टूनिस्टो, तनिक सावधान! पहले भ्रष्ट की पहचान करनी हो तो तोंदियल और मोटा बनाते थे और मरभुक्खे को सींकिया बदन दुबला पतला दिखाते थे।

देश दुनिया से

माटी चुन-चुन महल बनाया

जीवन में रहते हुए यह शरीर सुख-दुख भोगता है, बीमारी आदि भोगता है। अगर मोटी-मोटी बात करें तो हमारा एक और शरीर भी है जो सूक्ष्म शरीर है। सूक्ष्म शरीर एक प्रकाश पुंज मात्र है। हमारा यह सूक्ष्म शरीर बहुत शक्तिशाली है। यह भी सुख-दुख भोगता है। मृत्यु के पश्चात यदि हमें मोक्ष न मिले तो हमारा सूक्ष्म शरीर धरती की दुनिया से ऊपर की दुनिया में चला जाता है और समय आने पर फिर से जन्म लेकर संचित कर्मों के फल भोगता है तथा नए कर्म करता है। अगला जन्म लेने से पूर्व यही शरीर स्वर्ग-नर्क भी भोगता है। आत्मा इन दोनों शरीरों से परे है। यह सुख-दुख से परे है और परमात्मा का शुद्ध अंश है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में इसी के बारे में बताया है कि यह अजर-अमर है।

हम सब एक शरीर के साथ जन्म लेते हैं। यह शरीर जो हमें दिखता है, यह एक स्थूल शरीर है और इसकी अपनी सीमाएं हैं। जीवन में रहते हुए यह शरीर सुख-दुख भोगता है, बीमारी आदि भोगता है। अगर मोटी-मोटी बात करें तो हमारा एक और शरीर भी है जो सूक्ष्म शरीर है। सूक्ष्म शरीर एक प्रकाश पुंज मात्र है। हमारा यह सूक्ष्म शरीर बहुत शक्तिशाली है। यह भी सुख-दुख भोगता है। मृत्यु के पश्चात यदि हमें मोक्ष न मिले तो हमारा सूक्ष्म शरीर धरती की दुनिया से ऊपर की दुनिया में चला जाता है और समय आने पर फिर से जन्म लेकर संचित कर्मों के फल भोगता है तथा नए कर्म करता है। अगला जन्म लेने से पूर्व यही शरीर स्वर्ग-नर्क भी भोगता है। आत्मा इन दोनों शरीरों से परे है। यह सुख-दुख से परे है और परमात्मा का शुद्ध अंश है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में इसी के बारे में बताया है कि यह अजर-अमर है। इस पर हवा, पानी, आग और हथियारों आदि का कोई असर नहीं होता। निर्वाण की स्थिति में आत्मा ही परमात्मा में विलीन होती है जिससे हमें जीवन-मरण के चक्र से छुटकारा मिल जाता है। ऋषियों, मुनियों, मनीषियों ने इस संसार को मिथ्या और जीवन को सपना इसलिए कहा क्योंकि हमारा यह शरीर नश्वर है और जीवन के बाद कभी न कभी मृत्यु का होना भी निश्चित है। मृत्यु के बाद यह शरीर नहीं रहता। जब हम जरा गहराई में जाते हैं तो यह समझ आता है कि यह जीवन वास्तव में एक स्कूल है जहां हम इसलिए आते हैं ताकि निर्वाण की प्राप्ति के लिए हम अभी तक जो नहीं सीख पाए हैं, वह सीख लें और जीवन-मरण के चक्र से मुक्त होकर सर्वेश्वर परमपिता परमात्मा से जा मिलें। जब हम दोबारा जन्म लेते हैं तो हम अपने संचित कर्मों का फल तो भोगते ही हैं, पर साथ ही हम नए कर्म भी करते हैं। ये नए कर्म ही अगर ऐसे हों जो हमें परमात्मा के और करीब ला सकते हों, तो हम निर्वाण की ओर बढ़ते चलते हैं। शरीर नश्वर है और जीवन के साथ मृत्यु अवश्यंभावी है, तो हमारे कर्मों के अलावा यहां प्राप्त की गई अथवा जोड़ी गई शेष हर चीज यहीं रह जाएगी। हमें कोई संपत्ति विरासत में मिले या हम स्वयं अर्जित करें, वो अंततः यहीं रह जाएगी। अक्सर तो ऐसा भी होता है कि किसी ने बहुत मेहनत करके, कंजूसी करके, बचत कर-कर के कुछ बनाया, लेकिन अपने जीवन में उसे कभी भोग नहीं पाया और चाहे अपनी संतानों के लिए अथवा दुनिया के लिए छोडक़र स्वर्गवासी हो गया। इसीलिए संत कबीर दास जी ने कहा कि माटी चुन-चुन महल बनाया, लोग कहें घर मेरा, ना घर तेरा, ना घर मेरा, चिडिया रैन बसेरा, कौड़ी-कौड़ी माया जोड़ी, जोड़ भरेला थैला, कहत कबीर सुनो भाई साधो, संग चले ना धेला, उड़ जाएगा हंस अकेला, जग दो दिन का मेला। हम सब अक्सर समय की कमी का रोना रोते हैं। अक्सर हम कहते हैं कि अगर हमारे पास समय होता तो हम फलां-फलां काम कर लेते, पर असली सच यह है कि समय ही एक ऐसी वस्तु है जिसका हम सबसे ज्यादा दुरुपयोग करते हैं, समय ही ऐसी वस्तु है जिसे हम सबसे ज्यादा बेकार में गंवाते हैं, समय ही एक ऐसा उपहार है कि हम जिसकी कीमत नहीं समझते और इसे व्यर्थ के कामों में, उलझनों में, लड़ाई-झगड़ों में, किसी की आलोचना में, किसी की निंदा में, षड्यंत्रों में और गपशप में गंवा देते हैं। तभी तो हमारे ऋषियों, मुनियों, संतों और मनीषियों ने कहा है कि हीरा जनम अमोल सा, कौड़ी बदले जाए, जबकि इसी समय का सदुपयोग करके हम निर्वाण की ओर कदम बढ़ा सकते थे और सर्वशक्तिमान त्रिलोकीनाथ सवेश्वर परमात्मा से मिल पाने का जुगाड़ कर सकते थे। सवाल उठता है कि हम परमात्मा से मिलन के लिए क्या कर सकते हैं, और कैसे कर सकते हैं। हर धर्म परमात्मा के मिल पाने के रास्ते बताता है। 'सहज संन्यास मिशन' ने इसे 'न भागो, न त्यागो, सिर्फ जागो' का मंत्र देकर बहुत आसान बना दिया है। इस मंत्र का खुलासा करें तो हमें समझ में आता है कि परमात्मा की प्राप्ति के लिए हमें संसार से भागने की आवश्यकता नहीं है, संसार को त्यागने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सिर्फ जागरूक होकर आत्म-मंथन करके अपनी सोच और अपने जीवनयापन के ढंग में कुछ छोटे-छोटे और आसान बदलाव करके आध्यात्मिकता की ओर बढ़ते रहना है। इसी दुनिया में रहकर, समाज में रहकर, परिवार में रहकर, अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए, हमें सिर्फ इतना करना है कि हम किसी भी तरह की कोई हिंसा न करें। यहां हमें यह समझना होगा कि 'हिंसा' की अवधारणा बहुत व्यापक है। जीव की हत्या तो हिंसा है ही, पर उसके अलावा जब हम किसी की निंदा करें, चुगली करें, शिकायत करें, दोषारोपण करें, अपमान करें, क्रोध करें तो यह भी हिंसा है। किसी का दिल दुखाना हिंसा है, पर सिर्फ किसी का दिल दुखाना ही हिंसा नहीं है, अपना दिल दुखाना भी हिंसा है। जब हम अपमानित महसूस करते हैं, अपनी किसी गलती पर पछताते हैं, किसी पर गुस्सा करते हैं, तो हम दुखी हो जाते हैं। यह समझना आवश्यक है कि क्रोध इसलिए आता है क्योंकि हम दुखी हुए।

आप का नजरिया

फर्ज की तौहीन

करमुक्त मानसिकता के आलोक में दौड़ती हिमाचल की गाड़ी अचानक पहियों से बाहर निकल गई और यकीन न हो तो नब्बे हजार करोड़ के कर्ज में डूबे 'विचित्र आशावाद' के गड्ढे देख लेना। आश्चर्य यह कि हमारा नागरिक समाज केवल सरकार की अभिलाषा में जीता है। निजी शान के लिए प्रगति, इम्तिहान के लिए सरकारें। क्या आप गिन सकते हैं कि पिछले एक दशक में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति वाहन, जेसीबी मशीनें, सीमेंट-सरिया, ब्रांडेड कपड़े और खानपान के लिए फूड चेन का चयन हमने किया। हम अगर पिछड़े हैं तो प्रदेश को वांछित कर चुकाने में ही देश भर में पीछे हैं। हम शहरी मानसिकता से ओतप्रोत गांव में हल नहीं, भवन उगाते हैं। पूरे प्रदेश की सडक़ों पर वाहन पार्क करके या किनारों पर व्यापारिक भवन बनाकर अपने फर्ज की इतिश्री कर देते हैं। यकीन न हो तो बल्ह घाटी या कुल्लू से भुंतर के बीच इमारतों के जमघट में उखड़ी फसलों की जड़ों में जमे सीमेंट को देख लें। देख लें कि हर सडक़ पर बाजार दौड़ रहा। यही बाजार पपरोला से बैजनाथ के बीच दौलत की नुमाइश-पैमाइश बन जाता है, लेकिन व्यवस्थित होने को कहर मानकर और टीसीपी के दायरे में आने भर की सूचना से कोहराम मच जाता है। पालमपुर-धर्मशाला को नगर निगम की वकालत में नागरिक सुविधाओं का अंबार चाहिए, लेकिन टीसीपी की जरूरत में शहरीकरण का यह पैगाम मंजूर नहीं। शहरी नियोजन यह समझाने में असफल रहा कि शहरीकरण की उम्मीदों में जीने की कुछ लागत व योजना के दायरे में भविष्य की शर्तें नत्थी हैं। आश्चर्य यह कि आधी सदी से आया ग्राम एवं नगर योजना कानून अपने पक्ष में इतना सा तर्क भी पैदा नहीं कर सका कि जनता आज स्वयं आगे बढक़र इसे अंगीकार करती। विडंबना भी यही है कि नेताओं ने प्रदेश की मिट्टी को इतना नर्म कर दिया कि आर्थिक विषमताओं से बचने के लिए बाड़बंदी तक नहीं हो सकी। प्रदेश में 24 लाख पंजीकृत वाहनों की तादाद बताती है कि शायद ही किसी घर में अब गरीबी बची होगी, लेकिन हमारे नियमों का सौदा सडक़ पर होने लगा। क्यों नहीं यह प्रदेश जीने के आदर्श और राज्य के प्रति नागरिक फर्ज की आचार संहिता बना पाता। कम से कम शहरों में इमारतों के नक्शे में पार्किंग की शर्त इस तरह लागू हो कि वाहन का पंजीकरण तब ही प्रमाणित होगा जब मालिक के पास माकूल जगह हो। दूसरी ओर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग फीस लेकर ऐसा फंड बनाया जाए तो वाहनों की संख्या के अनुरूप हर शहर से कस्बे तक पार्किंग व्यवस्था को मुकम्मल बनाया जा सकता है। अगर कर्मचारियों की ओपीएस बहाल हुई, तो वित्तीय प्रबंधन में इन्हीं के बीच राज्य के बांड जारी करके, एक आंतरिक वित्तीय व्यवस्था की मद में अगर उत्पादक निवेश को तरजीह दी होती, तो प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी हिमाचली समाज अपनी बचत को सरकार की गारंटी व विश्वसनीयता के आधार पर, एक निश्चित लाभ की अपेक्षा में लगा देता।

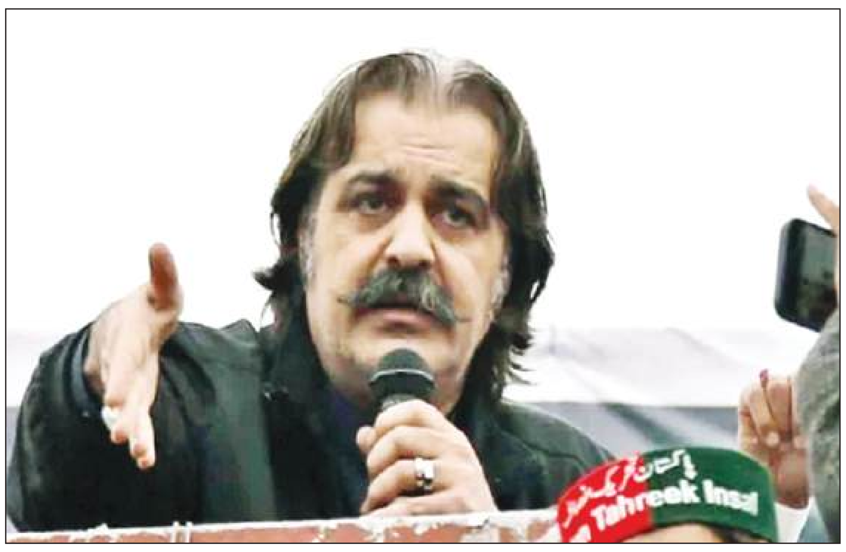

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री गंडापुर की निचली अदालत के गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर हाई कोर्ट से गुहार

पेशावर/इस्लामाबाद, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस्लामाबाद की एक अदालत के गैर-जमानती वारंट के खिलाफ आज सुबह पेशावर हाई कोर्ट में गुहार लगाई। उन्होंने निचली अदालत के हथियार और शराब की बरामदगी से संबंधित एक मामले में जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर अस्थायी जमानत देने की मांग की, ताकि वह संबंधित अदालत में पेश हो सकें।

रिपोर्ट के अनुसार, एक दिन पहले सिविल जज शाइस्ता खान कुंडी ने बाराकाहू पुलिस स्टेशन हाउस ऑफिसर को गंडापुर को गिरफ्तार कर अदालत के सामने पेश करने का आदेश दिया था। इसके बाद पुलिस ने उन्हें तीन बार बुलाया पर वह नहीं गए। उनके वकील राजा जहूरुल हसन ने कहा कि गंडापुर अस्वस्थ हैं।

वह मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। वकील हसन के सहायक फतहुल्लाह बुर्की ने कहा कि बाढ़ के कारण मुख्यमंत्री अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। बाराकाहू पुलिस को गंडापुर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट प्राप्त हो गया है। अदालत ने एसएचओ को तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस्लामाबाद पुलिस ने भी गंडापुर के वकीलों को गिरफ्तारी वारंट की प्रति उपलब्ध कराते हुए कहा है कि इस संबंध में मुख्यमंत्री आवास को भी सूचित किया जा रहा है।

गंडापुर को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का तेजतर्रार नेता माना जाता है। हाई कोर्ट में दाखिल की गई जमानत याचिका में तर्क दिया गया है कि मुख्यमंत्री को बरी करने की एक याचिका पहले से ही लंबित है। गंडापुर ने निचली अदालत के गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को अमान्य घोषित करने की भी मांग की है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, अक्टूबर 2016 में पांच कलाश्निकोव राइफल, एक पिस्तौल, छह मैगजीन, एक बुलेट प्रूफ जैकेट, तीन आंसू गैस के गोले और शराब की बोतलें बरामद होने के बाद पीटीआई नेता गंडापुर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। गंडापुर तब प्रांतीय मंत्री थे।

न्यूज ब्रीफ

रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की हर पहल का का स्वागत करेगा व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन एफ किर्बी ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग को समाप्त करने की हर पहल का व्हाइट हाउस स्वागत करेगा। किर्बी ने साफ किया कि इस संबंध में अमेरिका ऐसे हर देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने में मदद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाल में रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की यात्रा कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने टेलीफोनिक बातचीत की। दरअसल किर्बी से बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में इस बातचीत के संबंध में सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि भारत युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभा सकता है। किर्बी ने कहा कि जो भी राष्ट्र इस युद्ध को समाप्त करने में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और वहां के नागरिकों के विशेषाधिकारों और न्यायपूर्ण शांति की योजना को ध्यान में रखते हुए ऐसा करता है तो व्हाइट हाउस निश्चित रूप से स्वागत करेगा।

कुर्स्क सैन्य अभियान में कीव के 10,100 से अधिक सैनिकों की मौत

मॉस्को, 05 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने कुर्स्क क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में सैन्य अभियानों के दौरान 10,100 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया और 81 टैंकों को नष्ट कर दिया है।मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कुल मिलाकर, कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियानों के दौरान, यूक्रेन 10,100 से ज्यादा सैनिकों, 81 टैंकों, 41 पैदल सेना से लड़ने वाले वाहनों, 72 बख्तरबंद वाहकों, 589 बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, 325 कारों को गवां चुका है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में कीव ने कुर्स्क क्षेत्र में 370 सैनिकों और 17 लड़ाकू बख्तरबंद वाहनों को खो दिया।

मंत्रालय ने कहा कि रूसी इकाइयों ने यूक्रेनी सैनिकों के चार हमलों को विफल कर दिया और कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के हमले की कोशिश को विफल कर दिया। उसने यह भी कहा कि कीव 40 सैनिकों, एक अमेरिकी निर्मित स्ट्राइकर बख्तरबंद कार्मिक वाहक, तीन बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और पांच कारों को खो चुका है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में ओली-मोदी मुलाकात संभव

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी से ओली ने बैठक से इतर मुलाकात करने की इच्छा जताते हुए आग्रह किया है। संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति के समक्ष विदेशमंत्री राणा ने कहा कि इसके लिए काठमांडू से लेकर दिल्ली तक प्रयास किया जा रहा है। विदेशमंत्री राणा ने कहा कि नेपाल के विदेश मंत्रालय ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास को इसके लिए आधिकारिक पत्र भेजा है। दिल्ली में नेपाली दूतावास के अधिकारी भी भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं । डा. राणा ने हाल में अपने भारत भ्रमण के क्रम में भारतीय प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात की औपचारिक जानकारी भी दी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से पंचेश्वर परियोजना से लेकर नए हवाई रूट उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही उन्हें नेपाल भ्रमण का निमंत्रण भी दिया गया।

हाई स्कूल में नाबालिग छात्र ने की गोलीबारी, चार की मौत

वाशिंगटन, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के जॉर्जिया में एक हाई स्कूल में 14 वर्षीय एक छात्र ने बुधवार को गोलीबारी कर दी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना के कारण छात्रों को अपनी कक्षा में शरण लेनी पड़ी जिसके बाद उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें फुटबॉल स्टेडियम में भेजा गया। घटना के बाद अपने बच्चों की सलामती जानने के लिए अभिभावक भी स्कूल पहुंच गए। मृतकों में अपालाची हाई स्कूल के दो छात्र और दो शिक्षक शामिल हैं। विंडर अटलांटा से करीब एक घंटे की दूरी पर है। घटना में आठ विद्यार्थियों और एक शिक्षक समेत नौ अन्य लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना में आठ विद्यार्थियों और एक शिक्षक समेत नौ अन्य लोग घायल

सोफोमोर कायली एबनर ज्यामिती की कक्षा में थीं जब उन्होंने गोली चलने की आवाज सुनी। आवाज सुनकर एबनर और उनकी दोस्त अपनी शिक्षक की डेस्क के नीचे छिप गईं। इसके बाद शिक्षक ने दरवाजे के सामने डेस्क को लगाकर अवरोधक तैयार किया ताकि कोई कक्षा में प्रवेश नहीं कर सके। एबनर ने बताया कि विद्यार्थियों के फुटबॉल स्टेडियम में इकट्ठा होने के बाद उन्होंने देखा कि शिक्षकों ने अपनी कमीज उतारकर घायलों के जख्मों पर पट्टी की। जॉर्जिया जांच ब्यूरो के निदेशक क्रिस होजी ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्कूल के दो अधिकारियों ने हमलावर छात्र को रोकने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि संदिग्ध एक स्कूली छात्र है। उसने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया और उसे हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी छात्र पर वयस्क के समान हत्या का मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने बताया कि वे इस बात का पता लगा रहे हैं कि संदिग्ध को बंदूक कैसे मिली और वह बैरो काउंटी में स्कूल में कैसे घुसा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने न्यू हैंपशायर में एक चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कहा कि यह बहुत ही अपमानजनक है कि हमारे देश अमेरिका में हर दिन माता-पिता को अपने बच्चों को इस चिंता में स्कूल भेजना पड़ता है कि बच्चा जीवित घर लौट पाएगा या नहीं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक संदेश में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इन प्यारे बच्चों को एक बीमार और विक्षिप्त राक्षस ने बहुत जल्दी हमसे छीन लिया।

जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने एक बयान में कहा कि यह एक ऐसा दिन है जिससे हर माता-पिता डरेंगे और इस दुखद घटना के कारण हर जगह जॉर्जिया के लोग अपने बच्चों को कसकर गले लगाएंगे और उन्हें खुद से दूर नहीं जाने देंगे।

सिंगापुर-भारत व्यापार संबंध बढ़ाने पर सहमत, समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

सिंगापुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

सिंगापुर और भारत ने व्यापार संबंध बढ़ाने पर सहमत होते हुए आज समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच इनका आदान प्रदान किया गया। सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अब से कुछ देर पहले इस बारे में एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ चर्चा आज भी जारी रही।

हमारी बातचीत कौशल, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, एआई और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। हम दोनों व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर सहमत हुए।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। आपके प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद यह हमारी पहली मुलाकात है। मेरी तरफ से आपको बहुत-बहुत बधाई। मुझे विश्वास है कि फोर जी के नेतृत्व में सिंगापुर और भी तेजी से प्रगति करेगा। सिंगापुर सिर्फ एक देश नहीं है। सिंगापुर हर विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा है। हम भी भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं। मुझे खुशी है कि हम इस दिशा में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। हमारे बीच जो मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक हुई है, वह एक पथ-प्रदर्शक व्यवस्था है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की मौजूदगी में भारत और सिंगापुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ एईएम होल्डिंग्स लिमिटेड की सेमीकंडक्टर सुविधा का जायजा लिया।

कनाडा की ट्रूडो सरकार पर गहराया संकट, एनडीपी ने लिया समर्थन वापस

टोरंटो, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो को बड़ा झटका लगा जब उनकी अल्पमत सरकार को समर्थन देने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। इसके बाद ट्रूडो को सरकार गिरने का डर सताने लगा है और वह नए गठबंधन की तलाश में जुट गए है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह ने 2022 में ट्रूडो के साथ किए समझौते को रद्द करने का ऐलान करते हुए कहा कि उनका धैर्य अब खत्म हो गया है। ट्रूडो ने शुरुआती चुनाव की बातों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता कनाडाई जनता के लिए सामाजिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हम कनाडाई लोगों के लिए काम करेंगे और उम्मीद करते हैं कि अगले चुनाव तक हम अपने कार्यक्रम पूरा कर लेंगे।

समर्थन वापसी के बाद ट्रूडो अब विपक्षी दलों पर निर्भर हो गए हैं। खासकर जब संसद में विश्वास मत की जरूरत होगी। यदि अब चुनाव होते हैं, तो हालिया सर्वे के मुताबिक ट्रूडो की लिबरल पार्टी को हार का सामना करना पड़ सकता है। कनाडा में अगला चुनाव अक्टूबर 2025 में होना है। ट्रूडो 2015 से कनाडा के पीएम हैं, पिछले कुछ सालों से विपक्षी दलों, विशेष रूप से कंज़र्वेटिव पार्टी द्वारा महंगाई और

आवास संकट को लेकर आलोचना का सामना कर रहे हैं।

एनडीपी के समर्थन से उनकी सरकार ने कई सामाजिक कार्यक्रमों को लागू किया है, जिनमें से एक राष्ट्रीय डेंटल प्रोग्राम भी है। जगमीत सिंह ने खासकर खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर उनकी निराशा सबसे ज्यादा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि जस्टिन ट्रूडो ने बार-बार कॉर्पोरेट लालच के सामने घुटने टेक दिए हैं। लिबरल्स ने जनता को धोखा दिया है और उन्हें दूसरा मौका नहीं मिलना चाहिए। हालिया सर्वे के मुताबिक एनडीपी तीसरे स्थान पर है, जबकि सिंह ने पीएम पद के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया है।

चीन ने नेपाली व्यापारियों के एक सौ से अधिक कंटेनर 16 दिनों से सीमा पर रोके

काठमांडू, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन से सामान आयात करने वाले नेपाली व्यापारियों ने शिकायत की है कि उनके द्वारा मंगाए गए समानों से लदे कंटेनर और ट्रक को चीनी सुरक्षाबलों ने पिछले 16 दिनों से रोक कर रखा हुआ है।

आने वाले पर्व त्यौहार को लक्षित करते हुए काठमांडू के व्यापारियों ने चीन से करीब सौ कंटेनर सामान और फल मंगवाए थे। पर व्यापारियों का कहना है कि चीन की तरफ सीमा पर सुरंग बनाए जाने की बात कहते हुए कंटेनर और ट्रकों को रोका गया है। चीन से सामान आयात करने वाले काठमांडू के व्यापारी सुशील पाखरीन ने कहा कि उनके द्वारा मंगाया गया सामान और फल पिछले 16 दिनों से चीन के तातोपानी नाका के पास रोक दिया गया है। उनका कहना है कि यदि समय पर सामान नहीं आया तो बहुत घाटा हो जाएगा। फलों के ट्रक अधिक दिनों तक रखने से सारे फल खराब होने की चिंता भी व्यापारियों की है। तातोपानी में रहे

नेपाली कस्टम ऑफिस के प्रमुख अधिकारी कमल भट्टराई ने कहा कि चीन की तरफ रोक कर रखे गए कंटेनर और ट्रक को वहां से निकालने के लिए चीनी अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तातोपानी नाका में चीन कीजिये तरफ सामान के 70 कंटेनर और फलों के 30 ट्रक रोक कर रखे गए हैं। कस्टम अधिकारियों का कहना है कि फलों के ट्रक से दुर्गंध आनी शुरू हो गयी है । भट्टराई ने कहा कि 16 दिनों से रखने के कारण फल सड़ने शुरू हो गए हैं। व्यापारी पखारिन ने कहा कि यदि अगले 10 दिनों में भी कंटेनर काठमांडू नही पहुंचे तो त्यौहार में बिकने वाले समान का कोई मतलब नहीं रहेगा। कंटेनर और ट्रक की देरी से सिर्फ सामान और फल की उपयोगिता ही कम नहीं हो रही है।

इजराइल का गाजा के दीर अल-बलाह में हवाई हमला

हमास के आतंकियों और इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर को बनाया निशाना

गाजा, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइल के सुरक्षा बल (आईडीएफ) मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में लगातार हमला कर आतंकवादी संगठन हमास के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। आईडीएफ ने ताजा हवाई हमला कर हमास और इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर को निशाना बनाया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शिन बेट से अहम जानकारी मिलने के बाद इजराइल की वायुसेना ने गाजा के मानवीय क्षेत्र दीर अल-बलाह में हमास और इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर पर हवाई हमला किया।

कमांड सेंटर में आईडीएफ और इजराइल के खिलाफ हमलों की योजना बनाई जा रही थी। आईडीएफ ने कहा है कि आतंकवादी नागरिक क्षेत्रों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ रहे हैं। वह गाजा के लोगों के जीवन को खतरे में भी डाल रहे हैं। आईडीएफ ने एक्स हैंडल पर इस हमले की जानकारी साझा की है। इसमें कहा गया है कि वायुसेना के विमान ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में छुपे आतंकवादियों पर लक्षित हमला किया। यह आतंकी दीर अल-बलाह में छुपे हुए हैं। हवाई हमला करने से पहले आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के जोखिम को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए।

फिलिस्तीनी मीडिया के अनुसार, इजराइल के तुबास क्षेत्र में हुए ड्रोन हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। मारे गए लोगों में कुख्यात आतंकवादी जककारिया जुबैदी का 21 वर्षीय बेटा मोहम्मद जुबैदी भी शामिल है। जकारिया का बेटा सितंबर 2021 में छह अन्य कैदियों के साथ गिल्बोआ जेल से भाग गया था।

आईडीएफ ने कहा कि ड्रोन हमलों में फिलिस्तीनी बंदूकधारियों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ ने एक बयान में कहा है कि उसने तात्कालिक खतरे को कम करने के लिए मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में घनी आबादी के बीछ छुपे आतंकवादियों पर सटीक हमला किया। हमास के आतंकवादी अल-अक्सा शहीद अस्पताल के पास इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर बनाकर रह रहे थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंची न्यूजीलैंड की टीम

ग्रेटर नोएडा, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एकमात्र टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा पहुंची।

यह मैच 9 से 13 सितंबर तक खेला जाएगा। यह ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड पर खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी, स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन, उप कप्तान टॉम लैथम और टीम के अन्य सदस्य गुरुवार सुबह नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हुए। स्टार अफ़गान ऑलराउंडर राशिद खान पीठ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से बाहर हो गए हैं। जुलाई की शुरुआत में, राशिद को अफगानिस्तान के घरेलू टी20 टूर्नामेंट, स्पीन घर टाइगर्स (एसजीटी) के लिए शपागीज़ा क्रिकेट लीग (एससीएल) में खेलते समय चोट लग गई थी। ब्लैक कैप्स पाँच स्पिन-गेंदबाज़ी विकल्पों के साथ भारत पहुँची है।

स्पिन विभाग में मिशेल सेंटनर, एजाज पटेल, रचिन रवींद्र, माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए अफगानिस्तान की टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखिल (विकेट कीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नायब, अफसर जजई (विकेट कीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद, जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जादरान, खलील अहमद, यामा अरब।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड की टीम: टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उप कप्तान), डेरिल मिशेल, विल ओ%रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

न्यूज़ ब्रीफ

बैलोन डीओर 2024: रोनाल्डो, मेसी का नाम नहीं, एमबाप्पे, हालैंड मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली। बैलन डीओर 2024 सूची में दो दशकों में पहली बार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का नाम नहीं है। पुरस्कार के लिए नामांकितों की सूची बुधवार को घोषित की गई। दूसरी ओर, काइलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालैंड इंग्लैंड के प्रतिभाशाली खिलाड़ी जूड बेलिंगहैम के साथ सूची के मुख्य आकर्षण हैं, जबकि स्पेन की विजयी 2024 यूरोपीय चैम्पियनशिप के दो युवा सितारे लैमिन यामल और निको विलियम्स भी सूची में शामिल हैं। मेसी और रोनाल्डो इस पुरस्कार के दो सबसे सफल विजेता हैं। मेसी ने इस पुरस्कार को रिकॉर्ड आठ बार और रोनाल्डो ने पांच बार जीता है। बैलन डीओर 2024 के लिए नामांकितों की पूरी सूची: जूड बेलिंगहैम, हाकन काल्हानोग्लू, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हैलैंड, लैमिन यमल, दानी कार्वाजल, रूबेन डायस, आर्टेम डोबविक, फिल फोडेन, एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो, मैट हम्मेल्स, हैरी केन, टोनी क्रोस, एडेमोला लुकमैन, एमिलियानो मार्टिनेज, लुटारो मार्टिनेज, मार्टिन ओडेगार्ड, दानी ओल्मो, कोल पामर, डेक्लान राइस, रोड्री, एंटोनियो रुडिगर, बुकायो साका, विलियम सलीबा, फेडेरिको वाल्वरडे, विनीसियस जूनियर, विटिन्हा, निको विलियम्स, फ्लोरियन विर्ट्ज़, ग्रैनिट ज़ाका।

टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली। अगले माह एशियाई चैम्पियनशिप मे भाग लेंगे दिगगज भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे। शरत ने कहा कि वह अभी एक और सत्र में भाग लेंगे। इसी के बाद उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप के लिए पुरुष टीम की कप्तानी दी गयी है। एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन सात अक्टूबर से अस्ताना में किया जाएगा। शरत एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी भाग लेंगे। शरत ने दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने की भी योजना बनायी है। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। इसके साथ ही मैं भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) के साथ एक ढांचा बनाने का प्रयास करुंगा जिससे खेल प्राधिकरण (साई) और टीटीएफआई के बीच अंतर कम किया जा सके और अधिक से अधिक कारपोरेट प्रायोजक सामने आएं। शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में शामिल पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में भी शामिल रहे हैं और निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह साल 2026 एशियाई खेलों में भाग ले सकते हैं पर साल 2028 ओलंपिक में शामिल नहीं होंगे।

विराट सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कमाई के मामले जितने आगे हैं। उतने ही आयकर भरने को लेकर भी हैं। विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेटर सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ का टैक्स भरा है। विराट कोहली सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद महेन्द्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर हैं। धोनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विराट कोहली के बाद सबसे अधिक 38 करोड़ का टैक्स भरा है। वहीं तेंदुलकर ने 28 करोड़, गांगुली ने 23 करोड़ और हार्दिक पांड्या ने 13 करोड़ का टैक्स भरा है। इस सूची में ऋषभ पंत 10 करोड़ के टैक्स के साथ 6ठे स्थान पर हैं। हैरानी की बात ये है कि इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं।

पेरिस पैरालंपिक

धरमबीर ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 में नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, प्रणव को रजत

पेरिस, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में धरमबीर ने एक नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रणव सूरमा ने रजत पदक जीता। 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता धरमबीर ने चार फ़ाउल किए, अपने पांचवें प्रयास में वह 34.92 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे, जो स्वर्णिम साबित हुआ। उनका अंतिम थ्रो 31.59 मीटर था। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2020 में पैरालिंपिक में भाग लिया था, जिसमें वे क्रमश: नौवें और आठवें स्थान पर रहे थे। 35 वर्षीय धरमबीर हरियाणा के सोनीपत से हैं। 2012 में डाइविंग करते समय वे पानी के नीचे की चट्टानों से टकरा गए थे और इसके परिणामस्वरूप कमर के नीचे लकवा मार गया था। उन्होंने 2014 में अमित कुमार सरोहा के मार्गदर्शन में इस खेल को अपनाया। हांग्जो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 34.59 मीटर था जो उनके पहले प्रयास में आया। एक फाउल के अलावा, उनके बाकी चार थ्रो 34.19 मीटर, 34.50 मीटर, 33.90 मीटर और 33.70 मीटर थे। प्रणव 16 वर्ष की आयु में ही लकवाग्रस्त हो गए थे, जब 2011 में उनके घर की छत उन पर गिर गई थी। हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले 29 वर्षीय प्रणव पेशे से बैंकर हैं। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय अमित कुमार सरोहा केवल 23.96 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके और 10 प्रतिभागियों में अंतिम स्थान पर रहे। 39 वर्षीय अमित ने 2012 में लंदन में पुरुषों की डिस्कस थ्रो एएफ51 स्पर्धा में अपना पैरालिंपिक पदार्पण किया था, इससे पहले उन्होंने 2016 में रियो डी जेनेरियो और 2021 में टोक्यो में पुरुषों की क्लब थ्रो एएफ51 में देश का प्रतिनिधित्व किया था। अमित कुमार सरोहा 22 साल की उम्र में एक कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी के दबाव के कारण क्वाड्रिप्लेजिक होने से पहले राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी थे। वह दो बार विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उनके पास दो स्वर्ण सहित पांच विश्व चैंपियनशिप खेल पदक भी हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ज़ेल्को दिमित्रिजेविक ने 34.18 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। क्लब थ्रो एक ऐसा इवेंट है जिसमें उद्देश्य लकड़ी के क्लब को जितना संभव हो सके उतना दूर फेंकना होता है। यह हैमर थ्रो के बराबर पैरा है जिसमें प्रतिभागी थ्रो के लिए आवश्यक शक्ति उत्पन्न करने के लिए कंधों और बाहों पर निर्भर करते हैं। बता दें कि अब तक भारत ने पैरालंपिक खेलों के चल रहे संस्करण में 24 पदक जीत लिये हैं, जिनमें पाँच स्वर्ण, नौ रजत और 10 कांस्य शामिल हैं।

हरविंदर सिंह ने रचा इतिहास, तीरंदाजी में भारत को पैरालंपिक में दिलाया स्वर्ण पदक

पेरिस। पैरालंपिक 2024 में भारत का उत्कृष्ट प्रदर्शन लगातार जारी है। पेरिस पैरालंपिक में बुधवार को तीरंदाज हरविंदर सिंह ने पुरुष रिकर्व के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ अब पेरिस पैरालंपिक में भारत के 22 पदक हो गए हैं। इनमें चार स्वर्ण, आठ रजत और 10 कांस्य हैं। अब भारत पैरालंपिक की पदक तालिका में 15वें स्थान पर पहुंच गया है। हरविंदर ने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह तीरंदाजी में भारत का पहला पैरालंपिक स्वर्ण पदक है। पैरालंपिक में ये हरविंदर सिंह का दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने 2020 पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत का आर्चरी में ये पहला मेडल भी है। अब तक पैरालंपिक में भारत ने आर्चरी के अलावा शूटिंग, एथलेटिक्स और बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीता है। हरविंदर सिंह का गोल्ड मेडल मैच में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें पहले सेट को उन्होंने 28-24 के स्कोर से अपने नाम करने के साथ 2 अहम प्वाइंट हासिल किए। इसके बाद दूसरे सेट में हरविंदर ने फिर से 28 का स्कोर किया, जबकि पौलैंड के पैरा एथलीट 27 का स्कोर ही कर सके। एक अंक के अंतर से यह सेट भी हरविंदर के नाम रहा। फिर तीसरे सेट में हरविंदर ने 29-25 के अंतर से जीत हासिल करने के साथ 2 प्वाइंट बटोरे और 6-0 से मात देते हुए गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल की। इससे पहले हरविंदर ने सेमीफाइनल मैच में ईरान के पैरा एथलीट के खिलाफ 1-3 से पिछड़ने के बाद शानदार तरीके से वापसी करने के साथ 7-3 से जीत हासिल की और गोल्ड मेडल मैच के लिए अपनी जगह को पक्का किया था।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में नहीं खेलेंगे ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि ईशान किशन को ऑल-इंडिया बुची बाबू टूर्नामेंट के दौरान लगी कमर की चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर कर दिया गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है और उनके जल्द स्वस्थ होने की दिशा में काम कर रही है। चयन समिति ने संजू सैमसन को इंडिया डी टीम में किशन की जगह शामिल किया है। वहीं, बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी ऑल-इंडिया बुची बाबू टूर्नामेंट में फील्डिंग करते समय अपने दाहिने अंगूठे में मोच आने के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी चोट का आकलन कर रही है और अगले सप्ताह होने वाले आगे के मूल्यांकन से दूसरे दौर के लिए उनकी उपलब्धता का निर्धारण होगा। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपने बाएं क्वाड्रिसेप्स टेंडन की सर्जरी के बाद अपने रिहैब के पूरा होने के करीब हैं और दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के खेल से बाहर हो जाएंगे। इस बीच, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को खेलने की अनुमति मिल गई है और वे चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए अद्यतन टीमें इस प्रकार हैं-

भारत ए: शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुष कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, खलील अहमद, अवेश खान, विदवथ कावेरप्पा, कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत।

भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी। एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत सी: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाल विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन 4 अक्टूबर 2024 से

मुंबई, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन, 4 अक्टूबर से शुरु हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर 2024 को होगा। इस सीज़न में देश के सभी हिस्सों से 6 टीमों में कुल 180 आर्म-रेसलर्स शामिल होंगे, जो प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए पुरुष, महिला और विकलांग श्रेणियों में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रो पंजा लीग, जिसकी सह-स्थापना बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता परवीन डबास और प्रीति झंगियानी ने की है और जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज सुनील शेट्टी भागीदार हैं, ने 2023 में पहले सीजन से पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के दो संस्करण, कई मेगा मैच और कई प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए, जो 32 मिलियन अद्वितीय दर्शकों के साथ एक बड़ी सफलता साबित हुई। प्रो पंजा लीग ने भारत में आर्म रेसलिंग के खेल को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की है।

सीजन 2 को लेकर प्रो पंजा लीग के सह-मालिक परवीन डबास ने कहा, पहले सीजन ने साबित कर दिया कि अगर सही तरीके से पेश किया जाए तो पंजा के खेल के लिए बहुत सारे दर्शक हैं और हम दर्शकों के प्यार के लिए आभारी हैं। यह सीजन और भी रोमांचक होने का वादा करता है, क्योंकि खिलाड़ियों को इसमें बहुत बड़ी हिस्सेदारी का एहसास है और वे अब पूरी तरह से अलग स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। हम भारत में स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट के रूप में पंजा लाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को दिखाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिकी ओपन : झांग शुआई/क्रिस्टिना म्लादेनोविच महिला युगल के फाइनल में

वाशिंगटन, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन की झांग शुआई और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच ने अमेरिकी ओपन महिला युगल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

झांग-क्रिस्टीना की जोड़ी ने बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा को 7-5, 4-6, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सामंथा स्टोसुर के साथ 2021 में यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीतने वाली झांग अब अपने चौथे ग्रैंड स्लैम युगल फाइनल में पहुंच गई हैं। झांग और म्लादेनोविच का मुकाबला शुक्रवार को फाइनल में 7वीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको और ल्यूडमिला किचेनोक से होगा। सिनियाकोवा ने ग्रैंड स्लैम युगल टूर्नामेंटों में अपना दबदबा कायम रखा है, उन्होंने कोको गॉफ के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब जीता और फिर टाउनसेंड के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड क्लब में ट्रॉफी अपने नाम की।

टाउनसेंड अभी भी खिताब के साथ न्यूयॉर्क से विदा ले सकती हैं, क्योंकि वह और डोनाल्ड यंग गुरुवार को मिश्रित युगल फाइनल में खेलेंगे।

ओस्टापेंको और किचेनोक ने हाओ-चिंग चैन और वेरोनिका कुडरमेतोवा की 10वीं वरीयता प्राप्त टीम को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

सेमीफाइनल को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं : प्रिंस यादव

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

पुरानी दिल्ली 6 की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले गेंदबाज प्रिंस यादव अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग के सेमीफाइनल में गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

पुरानी दिल्ली 6 ने बीते सोमवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस मैच में प्रिंस यादव सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे थे, उन्होंने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू के महत्वपूर्ण विकेट के साथ तीन विकेट चटकाए थे।

इस मैच में दिल्ली 6 के लिए सबसे किफायती गेंदबाज रहे प्रिंस ने फ्रैंचाइजी द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, मैंने बहुत बार ऐसी परिस्थितियों का सामना किया है, इसलिए मुझे पता था कि ऐसे समय पर क्या करना चाहिए। मैंने ओस में गेंदबाजी का बहुत अभ्यास किया है, इसलिए यह उतना कठिन नहीं था। मैंने हमेशा अपनी टीम के लिए कठिन ओवर फेंके हैं और उस वक्त भी सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने के बारे में सोच रहा था, क्योंकि हमें किसी भी हाल में वह मैच जीतना था ताकि हम क्वालिफाई करने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर न रहें।

एक समय पिछड़ती सी दिख रही पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीतकर दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार वापसी की है। ऐसा पहली बार था, जब पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीते हों।

प्रिंस ने आगे कहा कि, हमें टीम ऑनर, सहयोगी स्टाफ और कोच ने बहुत ज्यादा प्यार दिया है। स्थिति चाहे जैसी रही हो सभी ने माहौल को हमेशा बहुत हल्का और ठंडा रखा, जिससे हमें खिलाड़ी के रूप में मानसिक तौर पर काफी मजबूती मिली। उन्होंने आगे कहा, मैं सेमीफाइनल को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं और अब टीम की निगाह दिल्ली प्रीमियर लीग की चमचमाती हुई ट्रॉफी पर है।

पुरानी दिल्ली 6 अपना शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी।

पुरानी दिल्ली 6 टीम: ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

यूएस ओपन 2024: मुचोवा लगातार दूसरी बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क।

यूएस ओपन 2023 में कलाई की चोट के बाद केवल छठे टूर्नामेंट में वापसी कर रही गैर वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने बुधवार को ब्राजील की बीट्रिज हदाद मैया को 6-1, 6-4 से हराकर लगातार दूसरे साल न्यूयॉर्क सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मुचोवा, जो फरवरी में सर्जरी के कारण लगी चोट से उबरने के बाद जून में एक्शन में लौटी थीं, ने कूल्हे की तकलीफ से जूझते हुए अपने बैकहैंड स्लाइस पर भरोसा किया और ब्राजील की 22वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 85 मिनट में हराया।

मुचोवा ने तेज शुरुआत की और 4-0 की डबल ब्रेक लीड हासिल की और उसे अंत तक बरकरार रखा।

हदाद मैया ने दूसरे सेट में सुधार किया, लेकिन मुचोवा, जो अचानक पॉइंट के बीच अपने कूल्हे को पकड़ने लगीं, ने फिजियो के साथ कोर्ट छोड़ने से पहले 3-2 की बढ़त के लिए बैकहैंड विनर लगाया।

मुचोवा, जिन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में एक भी सेट नहीं गंवाया है, अब न्यूयॉर्क फाइनल में जगह बनाने के लिए छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी।

देश बदलावों के लिए तैयार, भारत सतत वृद्धि के पथ पर अग्रसर : शक्तिकांत दास

मुंबई,05 सितंबर (एजेंसियां) । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि देश सतत वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी चालक गति पकड़ रहे हैं। इन बदलावों के लिए देश तैयार है।

शक्तिकांत दास ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना एफआईबीएसी 2024 सम्मेलन में यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने उद्घाटन भाषण में कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, देश इन बदलावों के लिए तैयार है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक ने 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के लिए अपने विकास दर के अनुमान को संशोधित करके अब इसे 7 फीसदी पर रखा है। वहीं, दो दिन पहले विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास के अनुमान को बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। ऐसे में मुझे लगता है कि सभी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और रिजर्व बैंक की ओर से लगाए गए आर्थिक वृद्धि दर की बात करें, तो हमारी धारणाएं और अनुमान एक दूसरे से मेल खा रहे हैं।

गवर्नर दास ने आगे कहा कि एफआईबीएसी वार्षिक सम्मेलन में वापस आकर खुशी हो रही है। यह सम्मेलन विशेष है क्योंकि यह उद्योग जगत के नेताओं, वित्तीय क्षेत्र के खिलाड़ियों और नियामकों को समकालीन प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर लाता है। मैं इस वार्षिक सम्मेलन के आयोजन के लिए फिक्की और आईबीए को बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों और बाजारों में बड़े पैमाने पर बदलाव हो रहे हैं। एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में हमारे देश की यात्रा कारकों के एक अनूठे मिश्रण से शक्ति प्राप्त कर रही है। ये एक युवा और गतिशील आबादी, एक लचीली और विविध अर्थव्यवस्था, एक मजबूत लोकतंत्र, उद्यमशीलता और नवाचार की एक समृद्ध परंपरा है।

न्यूज ब्रीफ

सेमीकंडक्टर उद्योग में सप्लाई चेन और स्किल की चुनौती

नई दिल्ली। ताइवान की सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कंपनियां बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत को वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही हैं, लेकिन इस संभावित साझेदारी को साकार करने की राह में कई चुनौतियां हैं। ताइवान आसियान अध्ययन केंद्र की निदेशक क्रिस्टी त्सुन-त्जू ह्सू ने कहा कि किसी देश या स्थान में निवेश करने का फैसला लेते समय ताइवान की कंपनी पांच प्रमुख बातों को ध्यान में रखती है। इनमें स्थानीय ग्राहक सहायता, बुनियादी ढांचे की पूर्णता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, स्थानीय सरकार का नीतिगत समर्थन और पर्याप्त प्रतिभा की उपलब्धता शामिल हैं। हाल में मुंबई में आयोजित अश्वमेध इलारा इंडिया डायलॉग 2024 में ह्सू ने कहा कि टीएसएमसी के साथ केवल एक टाटा की साझेदारी कभी भी काफी नहीं रहेगी। भारत को प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और कारोबारी साझेदारों की व्यापक श्रृंखला के साथ संबंध बनाने की आवश्यकता है। देश में शैशव अवस्था वाले सेमीकंडक्टर उद्योग को विदेश में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभाओं को वापस देश में आकर्षित करना भी चुनौतीपूर्ण लगता है। ताइवान में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीयों के बारे में ह्सू ने कहा कि ताइवान में प्रशिक्षण लेने के बाद उनमें से बहुत से लोग काम पर वापस आने के इच्छुक नहीं होते हैं।

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री अगस्त में पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली। ग्राहक खरीद में देरी, खराब उपभोक्ता धारणा तथा लगातार भारी बारिश की वजह से भारत में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में सालाना आधार पर पांच फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगस्त में कुल 3,09,053 यात्री वाहन (पीवी) का पंजीकरण हुआ, जबकि अगस्त 2023 में यह संख्या 3,23,720 थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बयान में कहा कि त्यौहारी मौसम के बावजूद बाजार पर काफी दबाव बना हुआ है। वाहन अब 70-75 दिन तक गोदाम में रखे रहते है और इन्वेंट्री कुल 7.8 लाख वाहनों की है, जिसका मूल्य 77,800 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पी.वी. मूल उपकरण निर्माता (ओ.ई.एम.) मासिक आधार पर डीलर को भेजे जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि कर रहे हैं, जिससे समस्या और भी गंभीर हो रही है। उन्होंने कहा कि फाडा सभी बैंकों तथा एनबीएफसी से तत्काल हस्तक्षेप करने और अत्यधिक स्टॉक रखने वाले डीलर को दिए जाने वाले वित्तपोषण को नियंत्रित करने का आग्रह करता है।

एडटेक दिग्गज बैजूस के लेनदार फिर से करें अपील: एनसीएलटी

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के दौरान एडटेक दिग्गज बैजूस के अमेरिकी लेनदारों से कहा है कि लेनदारों की समिति को हटाने वाली याचिका की सुनवाई के लिए नई अपील करे। एनसीएलटी ने मामले की सुनवाई 11 सितंबर तक टाल दी। बैजूस के अमेरिकी लेनदारों का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्लास ट्रस्ट ने एक पत्र में दावा किया कि अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) ने सीओसी से लेनदारों को गैरकानूनी तौर पर निकाल दिया है। यह जानकारी ग्लास ट्रस्ट के ईमेल से मिली। जानकार सूत्रों ने बताया कि आईआरपी पंकज श्रीवास्तव ने ग्लास ट्रस्ट को सीओसी से हटा दिया और दावा किया कि वह कंसोर्टियम के न्यूनतम 51 फीसदी लेनदारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इस बारे में श्रीवास्तव से संपर्क की कोशिश की गई लेकिन वह नाकाम रही। अयोग्य ठहराए जाने पर अमेरिकी लेनदारों ने एक ईमेल में कहा कि अयोग्य ठहराए जाने का मामला किसी भी तरह से थिंक ऐंड लर्न की वित्तीय देनदारी के खिलाफ ग्लास ट्रस्ट के दावे को कहीं से भी कमतर नहीं बताता, जिसे पहले पंकज ने मानते हुए मूल रूप से ग्लास ट्रस्ट को सीओसी में शामिल किया था।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार में गिरावट के बावजूद निवेशकों ने की 53 हजार करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां) । घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। हालांकि, खरीदार लगातार लिवाली का जोर बना कर शेयर बाजार को सहारा देने की कोशिश करते रहे, जिसके कारण दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव भी होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के दौरान आईटी, मीडिया, मेटल, टेलीकॉम और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर कैपिटल गुड्स, रियल्टी, पावर, ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

बाजार में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 465.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 53 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,037 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,260 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,667 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,443 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,476 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 967 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 117.15 अंक की मजबूती के साथ 82,469.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 264.85 अंक की बढ़त के साथ 82,617.49 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि ये मजबूती अधिक देर कायम नहीं रह सकी, क्योंकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 222.20 अंक की कमजोरी के साथ लुढ़क कर 82,130.44 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 151.48 अंक की गिरावट के साथ 82,201.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 51.80 अंक की बढ़त के साथ 25,250.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 25,275.45 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 70.95 अंक फिसल कर 25,127.75 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों के एक्टिव हो जाने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी ने 53.60 अंक टूट कर 25,145.10 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 3.19 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 1.29 प्रतिशत, विप्रो 1.10 प्रतिशत, बीपीसीएल 0.97 प्रतिशत और आईटीसी 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सिप्ला 1.46 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.42 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.35 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.32 प्रतिशत और ब्रिटानिया 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

मोदी की यात्रा का असर

सिंगापुर की कंपनी ने भारत को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही वहां की एक कंपनी ने बड़ा ऐलान कर दिया। सिंगापुर की प्रमुख रियल एस्टेट निवेश कंपनी कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट ने घोषणा की है कि 2028 तक भारत में उसका अपने फंड अंडर मैनेजमेंट को दोगुना से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य है। वर्तमान में भारत में कैपिटालैंड के पास 7.4 बिलियन सिंगापुर डॉलर का फंड है। कंपनी ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी ने कई योजनाएं बनाई हैं। मोदी की यात्रा का उद्देश्य भारत-सिंगापुर दोस्ती को बढ़ावा देना, रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना और सिंगापुर से निवेश आकर्षित करना है। कैपिटालैंड के समूह के सीईओ ली ची कून ने कहा कि भारत वैश्विक कंपनियों और संस्थागत निवेशकों से क्वालिटी एसेट्स को आकर्षित कर रहा है। कून ने यह भी कहा कि कैपिटालैंड भारत में रिन्यूएबल एनर्जी और रियल एस्टेट प्राइवेट क्रेडिट सेगमेंट में प्रवेश के अवसर देखेगा। पिछले महीने, कैपिटलैंड ने भारत में बिजनेस पार्क विकास के लिए एक फंड लॉन्च किया था। इससे कैपिटालैंड के फंड अंडर मैनेजमेंट पोर्टफोलियों में 70 करोड़ डॉलर जुड़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचे और उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत की। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और अन्य सरकारी अधिकारी भी सिंगापुर में मौजूद हैं।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बेचकर 5,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने धन जुटाने के लिए 29 अगस्त को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) जारी किया था। प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया ?कि निदेशक मंडल की वित्त पोषण जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत निवेशकों को 1,674 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2,98,68,578 शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य समिति द्वारा निर्धारित 1,755.09 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य से 4.62 प्रतिशत कम था।

ड्रोन के सुरक्षित संचालन के लिए दिशा-निर्देशों पर काम रहा है गृह और नागर विमानन मंत्रालय : नायडु

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि नागर विमानन और गृह मंत्रालय ड्रोन के सुरक्षित संचालन के साथ-साथ उसके उचित उपयोग के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को लेकर काम कर रहे हैं। मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार मणिपुर में हाल की घटना के संदर्भ में गलत मकसद से उड़ाए जा रहे ड्रोन के मामलों से निपटने के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है।

मणिपुर में हाल ही में जातीय हिंसा के दौरान उग्रवादियों ने बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। नायडू ने कहा कि ड्रोन को लेकर सुरक्षा का पहलू भी है। हम गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुछ दिशानिर्देश तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं और यदि आवश्यक हुआ तो इसके लिए एक अधिनियम भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिशानिर्देशों का मकसद सुरक्षित संचालन और ड्रोन का अधिकतम इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया जा रहा है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठा रही है। नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक सम्मेलन से इतर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न गतिविधियों, खासकर कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल का काफी समर्थन कर रहे हैं। जब हम दिशानिर्देश तैयार करते हैं तो इसमें ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ सुरक्षा के पहलू को भी ध्यान में रखना होता है। यह एक अंतर-मंत्रालयी प्रयास होगा, हम विचार-विमर्श की प्रक्रिया में हैं।

4 रुपए महंगा हो गया पेट्रोल-डीजल, मिजोरम सरकार ने वैट बढ़ा कर दिया झटका, 100 के करीब पहुंचा तेल

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां) । सितंबर का महीना मिजोरम में रहने वालों के लिए भारी पड़ने वाला है। यहां की सरकार ने महीने की शुरुआत में ही जनता को तगड़ा झटका दे दिया है। राज्य सरकार ने बताया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा रही है। अब यहां पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के करीब पहुंच गई है। प्रदेश के लोगों को 1 सितंबर से ही पेट्रोल-डीजल पर बढ़ी हुई कीमत चुकानी पड़ रही है।

दरअसल पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम की सरकार ने इस महीने की शुरुआत में ही पेट्रोल और डीजल के दाम चार रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। राज्य के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। मिजोरम के कराधान यानी टैक्स मंत्री डॉ वनललथलाना ने कहा कि ईंधन कीमतों में यह बढ़ोतरी सामाजिक बुनियादी ढांचे और सड़क रखरखाव के लिए पैसे जुटाने के इरादे से की गई है।

कहां होगा पैसे का इस्तेमाल- मिजोरम के टैक्स मिनिस्टर ने कहा कि सरकार ने सामाजिक बुनियादी ढांचे और सेवा उपकर के लिए डीजल और पेट्रोल दोनों पर दो-दो रुपये प्रति लीटर और सड़क रखरखाव के लिए दो रुपये प्रति लीटर का नया शुल्क लगाया है। उन्होंने कहा कि नई कीमतें राज्य में एक सितंबर से लागू हो गई हैं। यह निर्णय लोगों के लाभ और कल्याण के लिए लिया गया है।

कीमत अब भी 3 साल पहले से कम- मंत्री वनललथलाना ने कहा कि कुल चार रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी और हाल में वैट शुल्क बढ़ाए जाने के बावजूद अभी प्रदेश में ईंधन की मौजूदा कीमतें वर्ष 2021 की कीमतों से कम हैं। राज्य सरकार का कहना है कि बढ़े हुए पैसों का इस्तेमाल प्रदेश में रुकी हुई इन्फ्रा परियोजनाओं को पूरा करने और नई परियोजनाओं को लांच करने में किया जाएगा।

अब कितनी हो गई तेल की कीमत-मिजोरम सरकार ने हाल ही में पेट्रोल पर वैट 5.23 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और डीजल पर 16.36 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने की अधिसूचना जारी की थी।

इस अतिरिक्त शुल्क के साथ राजधानी आइजोल में पेट्रोल की मौजूदा कीमत 99.24 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल की कीमत 88.02 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। टैक्स बढ़ाने से पहले इनकी कीमत क्रमशः 93.93 रुपये और 82.62 रुपये प्रति लीटर थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब सीमाओं से...

लाभ नहीं मिलना चाहिए। उनको न्याय की जद में लेकर आना जरूरी है।

सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि तकनीकी के जरिये होने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। इनसे निपटने के लिए अब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अपराध अब सीमाओं में बंधे नहीं हैं। अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कानून प्रवर्तन के पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय सहायता, समन्वय के माध्यमों की जानकारी होना जरूरी है।

सम्मेलन में भाग ले रहे प्रतिभागियों को विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रत्यर्पण, अनंतिम गिरफ्तारी और स्थानीय अभियोजन के बारे में जानकारी दी। सम्मेलन में बीकेए (जर्मनी), एफबीआई (यूएसए), सीबीआई, राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी (जापान), राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (यूके), पीडीआई (चिली), नेपाल पुलिस के वक्ताओं ने भाग लिया।

10 सितंबर तक...

वहीं इस मामले में सीएम एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनाने वाले जयदीप आप्टे की गिरफ्तारी पर कहा, मैंने पहले भी कहा था, कानून के सामने सभी समान हैं और उसे गिरफ्तार होना ही था, मामले की गहन जांच होगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे भगवान हैं और जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। मामले का राजनीतिकरण बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सिंधुदुर्ग पुलिस ने पिछले महीने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में जयदीप आप्टे और चेतन पाटिल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की लापरवाही और अन्य अपराधों की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। ठाणे जिले के रहने वाले मूर्तिकार जयदीप आप्टे ने ही शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने का काम किया था।

मुख्य न्यायाधीश ...

सूचित करें ताकि सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। पीठ ने कहा कि उसके समक्ष मौजूदा याचिका में न्यायालय ने 9 मई को याचिकाकर्ता को सरकारी वकील के कार्यालय में नोटिस देने का निर्देश दिया था, ताकि राज्य की ओर से एक वकील उपस्थित हो सके और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उसके समक्ष दलीलें रख सके।

न्यायालय ने कहा कि अप्रैल में पहले भी राज्य का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकीलों ने किया था।

ग्लोबल एआई शिखर...

स्थापित करेगी, जो आगे बढ़ेगा। डिजिटल मनोरंजन का भविष्य। राज्य में युवाओं के बीच प्रतिभा और कौशल विकास के लिए, नेक्स्टवेव, अमेज़न वेब सेवाएँ

(एडब्ल्यूएस और माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे राज्य के 2.5 लाख से अधिक छात्रों और पेश-वरों को लाभ हुआ।

ये साझेदारियाँ तेलंगाना में एआई क्षमताओं के निर्माण और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं।

श्री गणेश चतुर्थी कल

बप्पा की पूजा के समय न करें कोई गलती

गणेश चतुर्थी से हर साल गणेश उत्सव की शुरुआत होती है। चतुर्थी को भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने वाले और शुभ परिणाम देने वाले माने जाते हैं। इस दिन भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की जाती है और दस दिनों तक उनकी पूजा की जाती है।

हर साल भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि को यह त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार आमतौर पर अगस्त या सितंबर के बीच आता है। गणेश चतुर्थी के दिन कुछ ज्योतिषीय उपाय कर लिए जाएं, तो कई तरह की परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

गणेश उत्सव की शुरुआत

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 6 सितंबर को दोपहर 3.01 बजे शुरू होगी और अगले दिन यानी 7 सितंबर को शाम 5.37 बजे समाप्त होगी।

उदया तिथि के अनुसार इस साल गणेश चतुर्थी 7 सितंबर, शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन गणेश जी की मूर्ति स्थापित की जाएगी और व्रत रखा जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर इन बातों का रखें ध्यान

बप्पा की विधिवत पूजा

गणेश चतुर्थी के दौरान भगवान गणेश की पूजा करें। गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें और उन्हें मोदक, लड्डू और ताजे फूल चढ़ाएं। चतुर्थी के दिन उनकी पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जरूरतमंदों की मदद करें

गणेश चतुर्थी के अवसर पर गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन या कपड़े दान करें। इस दिन दान करने से भगवान गणेश की विशेष कृपा मिलती है।

इन मंत्रों का करें जाप

गणेश चतुर्थी के दौरान ओम गं गणपतये नमः या ओम विघ्नेश्वराय नमः मंत्र का जाप करें। भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए यह मंत्र उपयोगी है।

बप्पा को भोग लगाएं

भगवान गणेश को घर में बने मोदक का भोग लगाएं। मोदक बप्पा का प्रिय प्रसाद माना जाता है। ऐसा करने से गणेश जी का आशीर्वाद मिलता है।

गणेश चालीसा का पाठ

गणेश चतुर्थी पर गणेश चालीसा का पाठ करें। इस दिन गणेश चालीसा का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। इस तरह आपको जीवन में चल रहे कष्टों से राहत मिलेगी।

गणेश की प्रतिमा खरीदते समय 4 बातों का रखें ध्यान, छप्पड़ फाड़ बरसेगी बप्पा की कृपा

भाद्रपद में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी (7 सितंबर 2024) को दस दिन के लिए घर-घर में श्रीगणेश को विराजित किया जाएगा। इसके साथ ही सुख-समृद्धि की कामना के लिए आठों प्रहर सेवा की जाएगी। वैसे तो श्रीजी शुभता का प्रतीक हैं। इसके बाद भी मान्यता है कि प्रथम पूज्य गणपति को विराजित करने से पहले तीन प्रमुख बातों का ध्यान सनातन धर्मावलंबी रखते हैं।

मध्य प्रदेश में ग्वालियर के ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी की पूजा की जाती है, लेकिन भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी का महत्व पौराणिक मान्यताओं में सबसे खास माना गया है। इस दिन गणेश उत्सव पूरी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी को लोग अपने-अपने घरों में गणपति को बैठाते हैं और अनंत चतुर्दशी के दिन 17 सितंबर को गणपति जी का विसर्जन किया जाएगा।

गणेश प्रतिमा खरीदते समय 4 बातों का रखें ध्यान

पहली: गणेशजी की प्रतिमा मिट्टी की बनी होना चाहिए।

दूसरी: सूंड़ बाईं तरफ झुकी होना शुभ माना जाता है।

तीसरी: गणेश जी आराम की मुद्रा में बैठे हुए होना चाहिए।

चौथी: एक हाथ में मोदक, दूसरा आशीर्वाद की मुद्रा में हो।

गणेश चतुर्थी पूजा शुभ मुहूर्त

गणेश चतुर्थी छह सितंबर को दोपहर में तीन बजकर एक मिनट से आरंभ होगी और उसके बाद सात सितंबर को शाम पांच बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी सात सितंबर को मनाई जाएगी।

घर में इस विधि से करें गणपति की पूजा

गणेश जी की मूर्ति के सामने रोजाना सुबह शाम दीपक जलाएं। गणेश जी जितने दिन आपके घर में रहें उतने दिन उन्हें कम से कम तीन समय भोग लगाना चाहिए। भगवान को मोदक का भोग जरूर लगाएं।

गणेश चतुर्थी पर बप्पा को लगाएं इन खास चीजों का भोग, बदल जाएगी फूटी किस्मत

गणेश महोत्सव हर साल 10 दिनों तक बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है, ऐसा कहा जाता है कि इस दौरान कठिन व्रत और भाव के साथ पूजा करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में शुभता का आगमन होता है।

वहीं, इस पर्व में बप्पा को क्या भोग लगाना है? उसके बारे में जानते हैं, जिससे उनका पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त हो सके, तो चलिए जानते हैं।

बप्पा को लगाएं इन चीजों का भोग

मेष राशि : मेष राशि के लोग गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातक इस शुभ दिन पर बप्पा को मोदक का भोग लगाएं।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातक इस दिन श्री गणपति को बेसन के लड्डू का भोग लगाएं।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को विनायक चतुर्थी पर गणेश जी को मावे के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर विघ्नहर्ता को गुड़ के मोदक चढ़ाने चाहिए।

कन्या राशि : कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर बप्पा को बेसन के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को चतुर्थी पर भगवान गणेश को मोतीचूर के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर गौरी पुत्र गणेश को मेवे के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

धनु राशि : धनु राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर बप्पा को बूंदी के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

मकर राशि : मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर श्री गणेश को तिल-गुड़ के लड्डू अर्पित करने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को भी इस शुभ तिथि पर शिव पुत्र को काले तिल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर बप्पा को नारियल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

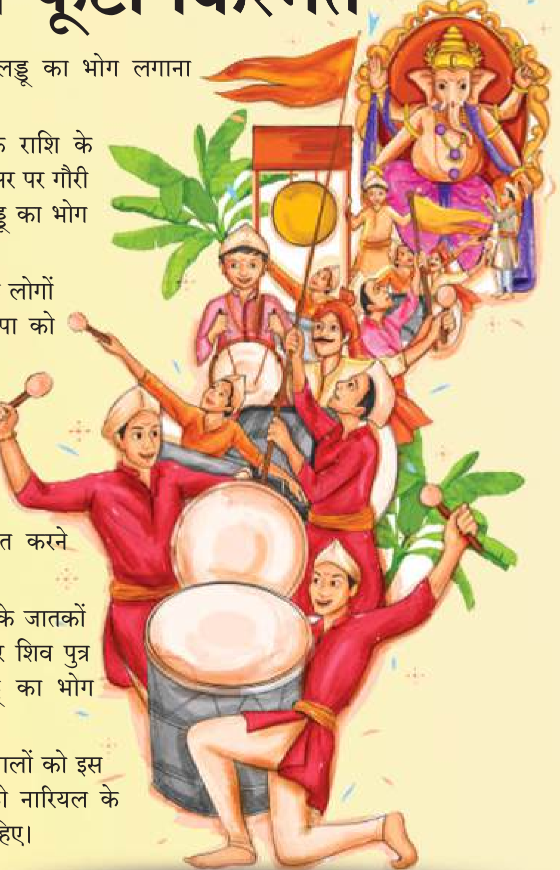

श्री सुमुख गणेश मंदिर : 53 साल से दक्षिण भारतीय परंपरा में गणेश महोत्सव

श्री सुमुख गणेश मंदिर रेलवे कंस्ट्रक्शन कालोनी में 53 साल से दक्षिण भारतीय परंपरा चली आ रही है। मुख्य पुजारी साईं भास्कर के मुताबिक रेलवे कंस्ट्रक्शन कालोनी स्थित इस मंदिर की स्थापना 1965 में दक्षिण भारत से लाई गई काले ग्रेनाइट की गणेश प्रतिमा से हुई थी। जिसे पहले एक पेड़ के नीचे स्थापित किया गया था, बाद में रेलवे की अनुमति मिलने पर 1971 में मंदिर का निर्माण कराया गया।

मंदिर की खास बात यह है कि, यहां की सभी प्रतिमाएं दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित हैं। दक्षिण भारत से आए रेलवे कर्मचारियों ने अपने देवताओं की पूजा करने के उद्देश्य से इस मंदिर की नींव रखी थी। यहां गणेश चतुर्थी पर विशेष पूजा व अभिषेक के साथ साथ धार्मिक अनुष्ठान दक्षिण भारतीय मंत्रोच्चार से किए जाते हैं। चंदन से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा, भस्मारती, चांदी अर्क से अभिषेक और शोभायात्रा के साथ यह मंदिर भक्तों के लिए एक विशेष धार्मिक स्थल बन गया है। जिससे भक्तों को अपने राज्य से जुड़े होने का अहसास होता है।

भव्य मंदिर का निर्माण पूरा

पिछले तीन वर्षों से मंदिर का नवीनीकरण कार्य चल रहा था जो अब लगभग पूर्ण हो चुका है। मंदिर समिति इस साल महोत्सव को लेकर पूरी तरह से तैयार है। भक्त भी यहां दर्शन के लिए ललायित हैं। वैसे हर दिन सुबह-शाम मंगल आरती और विशेषकर बुधवार को बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। चतुर्थी का इंतजार साल भर से रहता है।

इस वर्ष पूजा कार्यक्रम की तिथियां व समय:

छह एवं सात सितंबर

प्रातः 5:30 - 6:30 गणपति हवनप्रातः 7:00 - 9:30 अभिषेकम्, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

प्रातः 9:30 - 11:30 भक्त दर्शन और प्रसाद वितरण

सायं 4:30 - 7:00 अभिषेकम्, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

सायं 7:00 - 10:00 भक्त दर्शन और प्रसाद वितरण

आठ सितंबर

प्रातः 5:30 - 6:30 गणपति हवन

प्रातः 7:00 - 10:00 रुद्राभिषेकम्, अभिषेकम्, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

प्रातः 10:00 - 11:00 भक्त दर्शन और प्रसाद वितरण

सायं 5:00 - 7:00 चंदन लेपन, अलंकार, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

किस रंग के श्रीगणेश हैं शुभ, कौन दिशा में स्थापित करने से देते हैं अत्यधिक शुभ फल

संस्कारधानी जबलपुर निवासी धार्मिक विषय ज्ञाताओं के अनुसार श्रीगणेश विग्रह के रंग पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। मिट्टी, धातु या पाषाण जैसी शुभ सामग्रियों से निर्मित गणेश प्रतिमाएं अधिकाधिक सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं।

सिंदूरी रंग के श्रीगणेश घर लाना सबसे अधिक शुभ

वस्तुत: सिंदूरी रंग की श्रीगणेश प्रतिमा घर लाना सबसे अधिक शुभ माना जाता है। इस रंग की श्रीगणेश प्रतिमा घर लाकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर लिया तो आराधक के आत्मविश्वास में अत्यधिक अभिवृद्धि परिलक्षित होती है।

श्वेत-धवल विराजने से घर में खुशहाली की बयार

श्वेत-धवल गणपति बप्पा को विराजने से घर में खुशहाली की बयार बहने लगती है। दरअसल, श्रीगणेश की जीवंत व शुभ रंगों लाल, पीला या स्वर्णिम वाली प्रतिमाएं भी घर लाई जा सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये सभी रंग जीवनी-शक्ति व समृद्धि के द्योतक होते हैं।

काष्ठ यानि लकड़ी के श्रीगणेश देते हैं दीर्घायु का वरदान

काष्ठ यानि लकड़ी के श्रीगणेश भी शुभ माने जाते हैं। इस तरह के गणेश स्वास्थ्य और दीर्घायु का वरदान देते हैं। जबकि क्रिस्टल गणेश वास्तुदोष दूर करने में सहायक होते हैं। हरिद्रा यानि हल्दी के गणेश की मूर्ति घर में विराजमान कर दी जाए तो सौभाग्य कई गुना बढ़ जाता है।

अकऊआ की जड़ के गणपति मिलें तो भाग्य के पट खुले

यदि किसी को अकऊआ की जड़ के गणपति मिल जाएं तो समझिए कि उसके भाग्य के पट खुल जाते हैं, उसे रिद्धि-सिद्धि की विशेष कृपा मिल जाती है। गणपति की मूर्ति गृह के मुख्य द्वार की ओर होने पर घर में किसी तरह की नकारात्मकता प्रवेश नहीं कर पाती।

श्रीगणेश को दूर्वा अतिशय प्रिय, प्रतिदिन दूर्वा अवश्य अर्पित करें

श्रीगणेश को दूर्वा अतिशय प्रिय है, अत: उन्हें प्रतिदिन दूर्वा अवश्य अर्पित करनी चाहिए। साथ ही गणपति के वार बुधवार को दूर्वा यानि हरितिमायुक्त रंग के वस्त्र धारण कर पूजन करने से फल अपेक्षाकृत शीघ्रता से प्राप्त होता है। इससे भाग्य बलवान होता है।

बप्पा की मूर्ति में मूषक अवश्य हो और हाथ में मोदक भी

सनातनी भक्तों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि जब वे श्रीगणेश विग्रह घर लाएं तो इस बात की तस्दीक कर लें कि श्रीगणेश की मूर्ति के साथ उनका प्रिय वाहन मूषक बैठा हो और श्रीगणेश के एक हाथ में उनको अतिशय प्रिय सुस्वादु मोदक भी अवश्य हो।

उत्तर दिशा में स्थापित गणपति देते हैं अत्यधिक शुभ-फल

यह भी महत्वपूर्ण धार्मिक तथ्य है कि उत्तर दिशा में स्थापित किए जाने वाले शिव-पार्वतीनंदन श्रीगणेश अपेक्षाकृत अधिक शुभ फल प्रदान करते हैं। यह दिशा माता लक्ष्मी और देवाधिदेव महादेव की दिशा मानी जाती है।

इस दिशा में श्रीगणेश का मुख रखने से श्रीगणेश भगवान के साथ-साथ माता लक्ष्मी और महादेव का आशीर्वाद समानांतर रूप से प्राप्त होता है।

बाईं सूंड़ के अलावा सीधी सूंड व नटराज मुद्रा भी शुभ

श्रीगणेश की बाईं ओर मुंडी सूंड के अलावा सीधी सूंड भी पूजन के लिए श्रेयस्कर मानी गई है। नृत्यमय यानि नटराज मुद्रा वाले श्रीगणेश घर में मुदिता लाने में सहायक होते हैं। इससे उन्नति का पथ प्रशस्त होता है।

किस किसको प्यार करूं का बनने जा रहा सीक्वल

चार बीवियों के चक्कर में फिर फंसेंगे कपिल शर्मा

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं आज से करीब नौ साल पहले 2015 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कपिल शर्मा की कॉमेडी और उनकी एक्टिंग को खूब प्यार मिला था। फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था और यह कपिल शर्मा के करियर की पहली फिल्म थी। इस फिल्म में एक हीरो और उसके साथ चार महिलाओं की लव स्टोरी को दिखाया गया था।

इस फिल्म के जरिए डेविड धवन की फिल्मों को श्रद्धांजलि दी गई थी। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है। रिपोर्ट की मानें तो कपिल शर्मा की कॉमेडी फिल्म किस किसको प्यार करूंळ का दूसरा पार्ट आने जा रहा है। पोस्ट के जरिए पता चला है कि इस फिल्म में भी कपिल शर्मा और उनकी चारों पत्नियों की दिलचस्प कॉमेडी होने वाली है। हालांकि कहानी क्या होगी और फिल्म कब रिलीज होगी इस बात की तो अभी घोषणा नहीं हुई है। लेकिन अगर इस रिपोर्ट की माने तो यह तो तय है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है। बता दें कि किस किसको प्यार करूं 2 क़े जरिए निर्माता रतन जैन और अब्बास मस्तान फिर से साथ आने वाले हैं।

अनुकल्प गोस्वामी के डायरेक्शन में बनी इस सीक्वल में कपिल शर्मा फिर से अपनी कॉमेडी के जरिए सभी को हंसाते हुए नजर आने वाले हैं। खबर तो यह भी है कि इस फिल्म की फिल्मिंग इस साल के लास्ट तक शुरू हो जाएगी। इस फिल्म में अब्बास मस्तान अपनी क्रिएटिविटी के जरिए जान डालेंगे। वहीं कपिल शर्मा इस कॉमिक स्पेस में एंट्री के बाद काफी खुश हैं और उनको इसकी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है।

फिल्म की कास्टिंग पर अभी काम चल रहा है। खबर है कि पहले पार्ट की तरह दूसरे पार्ट में भी कपिल शर्मा के साथ कई सारी एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं। जब कास्टिंग पूरी हो जाएगी तो इस साल के लास्ट तक किस किसको प्यार करूं 2 क़ी शूटिंग शुरू हो जाएगी और अगले साल तक यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो सकती है। हालांकि अभी तक मेकर्स की ओर से किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर किसी भी तरह का कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

फिल्म देवरा का नया गाना दाउदी जारी

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की खूब जमी जोड़ी

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 की रिलीज के दिन नजदीक आ रहे हैं। जूनियर एनटीआर के फैंस को फिल्म क देवरा पार्ट 1 का इंतजार बेसब्री से हो रहा है। अभी फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म से अभी जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की बस झलक देखने को ही मिली है। वहीं, फिल्म का एक गाना धीरे-धीरे रिलीज हुआ है, जिसे यूट्यूब पर 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अब फिल्म का एक और गाना दावूदी रिलीज हो गया है। देवरा के मेकर्स ने एलान किया था कि 4 सितंबर को फिल्म का गाना दाउदी रिलीज होने जा रहा है।सॉन्ग दावूदी को नकाश अजीज, आकाशा और रम्या बेहरा ने गाया है। गाने के बोल रामजोग्या शास्त्री, मुनीर कौसर, और विग्नेश शिवान, वरदराजा चिकन बल्ला पुरा और मनकोंबू गोपालकृष्ण ने लिखे हैं। गाने दावूदी को साउथ फिल्म इंडस्ट्री के नौजवान म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है।जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान स्टारर फिल्म देवरा पार्ट 1 को कोराताला सिवा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म से जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान अपना साउथ डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म मौजूदा महीने की 27 सितंबर को रिलीज होने जा रही है। फिल्म में जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। यह पहली बार होगा जब जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान आमने सामने होंगे। बता दें, फिल्म आरआरआर (2022) के बाद जूनियर एनटीआर फिल्म देवरा पार्ट 1 से बड़े पर्दे पर उतर रहे हैं।

इंडस्ट्री ने हमेशा से ही मुझे अपनी कहानियां कहने का मौका दिया : अनुष्का रंजन

अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपनी पहली फिल्म को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा इंडस्ट्री ने अपनी खुद की कहानियां देने के लिए हमेशा प्रेरित किया है।निर्माता अनु और शशि रंजन की बेटी अनुष्का ने कहा, निर्माता के रूप में इस यात्रा पर निकलना एक सपने जैसा है, जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। सिनेमा की दुनिया से गहराई से जुड़े परिवार में पली-बढ़ी होने के कारण मुझे हमेशा इंडस्ट्री में अपनी कहानियों का योगदान देने की प्रेरणा मिली है।इस प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। मगर प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही पूरे जोरों पर चल रहा है। इसकी शूटिंग अगले साल के आरंभ में ही शुरू की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म मेरे दिल में एक खास जगह रखती है, और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया अविश्वसनीय ऊर्जा और उत्साह से भरी हुई है। मैं एक ऐसी टीम के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं जो कहानी कहने के मेरे विजन और जुनून को दिखाती है।उन्होंने कहा कि यह अभी भी तय नहीं हुआ है कि मैं या मेरे पति आदित्य सील कलाकारों का हिस्सा होंगे या नही। मगर मेरा पूरा ध्यान एक आकर्षक कहानी बनाने पर है जो दर्शकों को आकर्षित करेगी।इस फिल्म की प्रोडक्शन के अलावा अनुष्का जल्द ही आगामी वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार सह-कलाकार अहाना कुमरा के साथ एक नकारात्मक भूमिका निभाएंगी।आगामी एक्शन थ्रिलर सीरीज का निर्देशन हनीश कालिया ने किया है। यह सीरीज अपराध और रहस्य की दुनिया में गहराई से उतरती है।पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस साल के अंत में रिलीज होने वाली मिक्सचर गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सड़कों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपने कहानी और एक्शन सीन के साथ एक बेहतरीन अनुभव देने का वादा करती है।अनुष्का ने हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी वेडिंग पुलाव से की थी। उन्होंने श्री नारायण सिंह के निर्देशन में बनी शाहिद कपूर अभिनीत बत्ती गुल मीटर चालू में भी अभिनय किया है। साल 2020 में उन्होंने क्रिस्टल डिसूजा और उनके पति आदित्य सील के साथ फितरत में भी काम किया है।

फरहान अख्तर ने किया भारत-चीन युद्ध पर बेस्ड नई फिल्म 120 बहादुर का ऐलान

एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान किया है। फरहान अख्तर की नई फिल्म एक रियल वॉर बेस्ड फिल्म है, जिसका टाइटल है 120 बहादुर। फरहान अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नई फिल्म का एलान करते हुए इसका मोशन पोस्टर भी जारी किया है। फिल्म 120 बहादुर की कहानी क्या है? कौन इस फिल्म को डायरेक्ट करेगा? फिल्म की स्टारकास्ट में कौन-कौन शामिल है आइए जानते हैं।फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान कर लिखा है, जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा, मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं,18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस और नि:स्वार्थता की कहानी है, हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध को दिखाएगी। बता दें, इस जंग में हमारी हार हुई थी। भारत-चीन युद्ध में चीन के 3 हजार सैनिकों के सामने भारत के 120 बहादुरों सैनिकों ने जमकर लोहा लिया था।फिल्म 120 बहादुर को रजनीश रजी घई डायरेक्ट करने जा रहे हैं। फिल्म की स्टोरी और स्क्रीनप्ले राजीव जी मेनन ने किया है। फिल्म के डायलॉग लिखने का काम सुमित अरोड़ा ने किया है। फिल्म में अमित त्रिवेदी का म्यूजिक होगा। वहीं, फिल्म के गाने फरहान अख्तर के गीतकार पिता जावेद अख्तर लिखने जा रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा हैं। फिल्म की स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डे का भी खुलासा नहीं किया गया है।

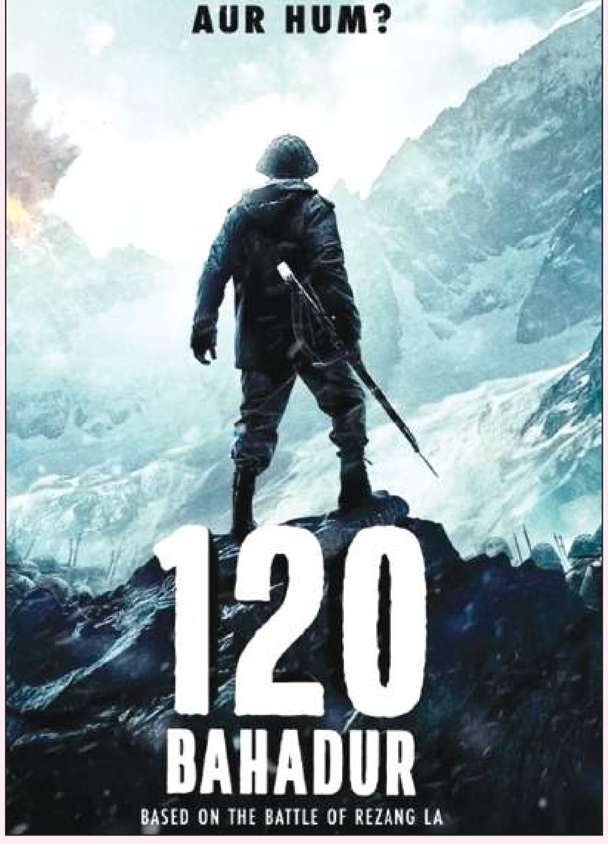

मिर्जापुर की एक्ट्रेस नेहा सरगम पारंपरिक बंगाली अवतार में

एक्शन क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर में सलोनी त्यागी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री नेहा सरगम ने नए फोटोशूट की एक झलक साझा की, जिसमें वे बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं।इंस्टाग्राम पर 8.20 लाख फॉलोअर्स वाली नेहा ने कुछ तस्वीरें साझा की, जिसमें वह गोल्डन और लाल बॉर्डर वाली बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ मैचिंग स्लीवलेस ब्लाउज पहना हुआ है।मेकअप के लिए उन्होंने पारंपरिक बंगाली लुक चुना है और अपने माथे पर कल्का लगाया हुआ है। यह एक डिज़ाइन है जो बीच में लाल बिंदी और भौंहों के साथ पैटर्न के साथ बनाया गया है।उन्होंने अपने बालों को ढिलाई से बांधा हुआ है और हाथों में सुनहरे रंग की चूड़ियां और झुमके पहन रखे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कभी-कभी लगता है अपुन बंगाली है.. देव बाबू?मिर्जापुर 3 में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार मुख्य भूमिका में हैं।

नया सीजन पूर्वांचल क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमता है।एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर द्वारा निर्देशित, यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।नेहा इससे पहले चांद छुपा बादल में, सपना बाबुल का... बिदाई, ये रिश्ता क्या कहलाता है, रामायण, ये है आशिकी, पुनर्विवाह - जिंदगी मिलेगी दोबारा, डोली अरमानों की, इस प्यार को क्या नाम दूं? एक बार फिर, डोली अरमानों की और परमावतार श्री कृष्ण जैसे टीवी शो में अपना किरदार निभा चुकी हैं।कॉन्टिलो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित शो यशोमती मैया के नंदलाला में उन्होंने यशोदा की भूमिका निभाई। इसमें राहुल शर्मा और हितांशु जिंसी मुख्य भूमिकाओं में थे और इसका प्रीमियर सोनी पर हुआ था।

विदामुयार्ची से रेजिना कैसेंड्रा का पहला लुक जारी

अजित-तृषा की फिल्म में निभाएंगी यह किरदार!

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। निर्माता पहले ही फिल्म से अभिनेता का पहला पोस्टर जारी कर चुके हैं, जिसने फैंस का उत्साह बढ़ा दिया था। इसके बाद उन्होंने अभिनेता अर्जुन सरजा और तृषा के किरदार की झलक पेश की थी। वहीं, अब निर्माताओं ने प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से एक और कलाकार का पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर है अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा का, जिसमें उनके किरदार की झलक दिखाई गई है।अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा साउथ सुपरस्टार अजित की फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। वहीं आज निर्माताओं ने अभिनेत्री का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके बाद से प्रशंसक भी खुश हैं। हाल ही में, विदामुयार्ची के निर्माताओं ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से रेजिना कैसंड्रा का पहला पोस्टर साझा किया। अभिनेत्री एक खास अंदाज में दिख रही हैं, जिसमें वे एक क्रॉप्ड शर्ट, बैगी डेनिम ट्राउजर, ब्लैक जैकेट और बीन कैप पहने हुए नजर आईं। पोस्टर में वे सड़क पर चलती हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं अजित कुमार और तृषा की झलक भी बैकग्राउंड में दिखाई दे रही है और उनके चेहरे पर गंभीर भाव है।फिल्म के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, विदामुयार्ची से अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा का लुक पेश किया जा रहा है। बहादुरी की कोई सीमा नहीं होती। इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रोडक्शन बैनर के एक्स अकाउंट पोस्ट को डांसिंग इमोजी के साथ फिर से साझा किया। हालांकि, बहुप्रतीक्षित फिल्म में रेजिना कैसंड्रा के किरदार के बारे में अभी तक कुछ भी खुलासा नहीं किया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख-दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट-पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने-संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएं और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी-मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 06 सितंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 03:03 तक
नक्षत्र : हस्त प्रात: 09:25 तक
योग : शुक्ल रात्रि 10:13 तक
करण : गर दोपहर 03:03 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 11:01 तक
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : हरितालिका तीज , मन्वादि तिथि , भद्रा उत्तर रात्रि 04:21 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विकसित राजस्थान की यात्रा में शिक्षक बड़े साझेदार : भजनलाल

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान की यात्रा में शिक्षकों को बड़े साझेदार बताते हुए कहा है कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं, वे नवपीढ़ी में चरित्र-निर्माण की मजबूत नींव डाल कर सक्षम नागरिक बना रहे हैं तथा उनकी शिक्षा-ज्ञान से ही मनुष्य विचारशील और करुणा एवं सहानुभूति के भाव से समृद्ध होता है और एक प्रगतिशील एवं समावेशी समाज बनाता है।

श्री शर्मा गुरूवार को बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोपरि रहा है। शिक्षक प्रतिबद्धता और परिश्रम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं और समर्पण एवं निष्ठा से विद्यार्थियों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं। इसलिए विद्यालय केवल अच्छे भवन, महंगे उपकरण या सुविधाओं से नहीं बल्कि शिक्षकों के अमूल्य ज्ञान से बनता है। श्री शर्मा अपने शिक्षक शंकरलाल शर्मा को देखकर भावुक हो गए और वह मंच से उतरे, गुरु के चरण स्पर्श किए, उन्हें अपने निकट बैठाया एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक अपने शिष्यों की सफलता के लिए अथक परिश्रम करते हैं। वे एक कुम्हार की तरह होते हैं जो मिट्टी को अपने अनुभव से गूंथता है और एक सुंदर प्रतिमा बनाता है। उनके समर्पण का कोई मोल नहीं है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने बाल्यकाल में शिक्षा प्राप्त करने के अनुभव भी मंच से साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उनके असाधारण व्यक्तित्व एवं शिक्षा में उनके अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य संबंध की समृद्ध परंपरा को पुनर्जीवित करने के क्रम में राज्य सरकार विश्वविद्यालय के कुलपतियों को कुलगुरु की पदवी से नवाजे जाने की परंपरा शुरू करने जा रही है।

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गांव से लेकर शहर तक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं-कार्यक्रमों पर निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने राजकीय विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, लैब, पुस्तकालय, शौचालयों के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये और 750 स्कूलों की बिल्डिंग की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। साथ ही हम स्कूल और कॉलेज में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम के माध्यम से एक लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं। आगामी दो वर्षों में राज्य सरकार 20 आईटीआई और 10 पॉलिटेक्निक कॉलेज भी खोलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में परंपरागत शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ नवाचारों के लिये भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में स्कूलों, कॉलेजों में स्टेट स्किल पॉलिसी, अटल एन्टरप्रन्योरशिप प्रोग्राम, अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलरेटर, लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम, डिजिटल प्रवेशोत्सव इत्यादि के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 70 हजार विद्यालयों के 80 लाख विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण सर्वे भी कराया गया है। इसमें चिह्नित विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के अंतर्गत उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा प्रतिभाशाली हैं। उनमें प्रदेश के शिक्षा के ढांचे को और उन्नत करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के योगदान से प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में शीघ्र ही सिरमौर बनेगा। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि जहां भी आवश्यकता होगी वहां विद्यालयों का क्रमोन्नयन होगा और नए विषय भी प्रारंभ होंगे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेशभर में शिक्षकों द्वारा बेहतरीन काम किया जा रहा है। इस शैक्षिक वर्ष में विद्यार्थियों के अच्छे परीक्षा परिणाम भी आए हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेशभर में सात करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य के क्रम में शिक्षा विभाग ने अकेले ही दो करोड़ 50 लाख का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि गत पांच जुलाई को राज्यभर में तीन करोड़ 58 लाख पुस्तकें विद्यार्थियों को दी जा चुकी हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने 11 मेधावी विद्यार्थियों को नि:शुल्क टैबलेट वितरित किए और शिक्षक सम्मान पुस्तिका एवं शिविरा का विमोचन भी किया। साथ ही प्रदेशभर में 55 हजार 800 विद्याार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।

मंत्री रणजीत सिंह ने दिया इस्तीफा टिकट न मिलने से थे खफा

सिरसा, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने गुरुवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। रणजीत सिंह भाजपा द्वारा रानियां विधानसभा क्षेत्र से टिकट न देने के कारण खफा हैं। उन्होंने आज रानियां विधानसभा क्षेत्र से आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहली सूची बीती देर शाम जारी की गई थी, इस सूची में रानिया विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के जिला अध्यक्ष शीशपाल कंबोज को टिकट दिया गया है। बता दें की रणजीत सिंह ने पिछले लोकसभा चुनाव में ही भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली थी उसी दिन भाजपा ने उनको हिसार लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बना दिया था वे हिसार में कांग्रेस के जयप्रकाश जेपी से चुनाव हार गए थे। हिसार संसदीय क्षेत्र से चौधरी रणजीत सिंह के सामने इन्हीं के परिवार की दो बहुएं नैना चौटाला जननायक जनता पार्टी व सुनैना चौटाला इंडियन नेशनल लोकदल से प्रत्याशी के तौर पर सामने आ खड़ी हुई थीं। अब रानिया विधानसभा क्षेत्र में रणजीत सिंह के सामने इंडियन नेशनल लोकदल के प्रत्याशी अर्जुन चौटाला खड़े हुए हैं। जिससे दादा पोता फिर आमने-सामने है। यहां भाजपा ने पार्टी के जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज को प्रत्याशी बनाया है।

प्रत्याशी सूची आने के बाद रणजीत सिंह ने आज अपने समर्थकों की एक बैठक अपने सिरसा स्थित आवास पर बुलाई। अपने खास समर्थन के साथ बार-बार राय मशविरा किया। सलाह के बाद रणजीत सिंह ने रानी से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। इसके तुरंत बाद रणजीत सिंह के पौत्र सूर्य प्रकाश ने उनके आवास पर लगे भारतीय जनता पार्टी के झंडे को उखाड़ फेंका।

रणजीत सिंह ने अपने फैसले बड़े मीडिया को बताते हुए कहा कि उनके पास सुबह से भारतीय जनता पार्टी के सिर्फ नेतृत्व के लोगों के फोन आ रहे हैं उन्होंने पुन कांग्रेस में जाने की अटकलें पर भी विराम लगाया। उन्होंने बताया कि वह 8 सितंबर को रानिया विधानसभा क्षेत्र में एक मार्च निकालने के बाद अपना चुनाव प्रचार अभियान छेड़ेंगे।

शिक्षकों का सम्मान स्वस्थ परंपरा : बागडे

अजमेर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शिक्षकों के सम्मान को स्वस्थ परम्परा बताते हुए कहा है कि शिक्षक विद्यार्थी के जीवन को गढ़ते हैं और उन्हें संस्कारित कर सुनागरिक बनाते हैं, इसलिए शिक्षक समाज में वंदनीय है।

श्री बागडे गुरूवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय बान्दर सिन्दरी किशनगढ़ में आयोजित टीचर एक्सीलेंस अवार्ड सेरिमनी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान किया और आजादी के मतवाले प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसमें राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व उत्सर्ग करने वाले देशभक्तों के योगदान को इसमें प्रदर्शित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि आजादी का इतिहास 1857 से लेकर 1947 तक करीब नब्बे साल का रहा है। इसे सभी को पढना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का प्रदर्शन देखकर बहुत अच्छा अनुभव हुआ है। इसे भविष्य में भी बनाए रखने की कामना की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। किसी भी राष्ट्र के लिए वहां की उच्च शिक्षा समृद्ध सांस्कृतिक और वैज्ञानिक संपत्ति है। इससे विद्यार्थियों का व्यक्तिगत विकास ही नहीं होता बल्कि देश भी आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक रूप में सुदृढ होता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा कल का राष्ट्र उपासक और संरक्षक बने। यही नीति शिक्षा देने वाले शिक्षको की भी हो। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने में समर्थ करने वाली शिक्षा का प्रसार हमारे यहां किया जाए। इससे पहले उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) के सहयोग से 700 किलो वाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट का लोकार्पण भी किया।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनन्द भालेराव ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से गुरु शिष्य परम्परा रही है। इसके माध्यम से मिले वेद, विज्ञान, कला, ज्योतिष एवं साहित्य के ज्ञान ने भारत को विश्व गुरु बनाया।

समारोह में आईआईटी रूड़की के प्रो. कौशिक पाल, आईआईटी दिल्ली के प्रो. कुमार नीरज झा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा की डॉ. अनिता कुमारी और एमएनआईटी जयपुर की डॉ. निरजा सारस्वत को टीचर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. रविन्द्र नाथ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सोने की तस्करी का भंडाफोड़

पश्चिम एक्सप्रेस से डेढ़ करोड़ के गहने व पांच लाख नकद बरामद, दो गिरफ्तार

अंबाला, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में अमृतसर से मिली मुखबिर की सूचना पर जब आरपीएफ ने पश्चिम एक्सप्रेस में दबिश दी तो एक व्यक्ति को डेढ़ करोड़ रुपये के सोने और दूसरे को पांच लाख रुपये के साथ पकड़ लिया। दोनों व्यक्तियों की पहचान अमृतसर निवासी गगनदीप और अशोक कुमार के तौर पर हुई है जोकि सोने व कपड़े के व्यापारी बताए गए है। उक्त जानकारी दोनों से प्राथमिक पूछताछ के दौरान सामने आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार दोनों व्यक्ति अमृतसर से ट्रेन नंबर 12926 में गुरुवार सुबह सवार हुए थे। इस दौरान गगनदीप तृतीय एसी कोच बी-2 में और अशोक कुमार प्रथम श्रेणी एसी कोच नंबर ए-3 में सफर कर रहा था।

उक्त जानकारी दोनों से प्राथमिक पूछताछ के दौरान सामने आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार दोनों व्यक्ति अमृतसर से ट्रेन नंबर 12926 में गुरुवार सुबह सवार हुए थे। इस दौरान गगनदीप तृतीय एसी कोच बी-2 में और अशोक कुमार प्रथम श्रेणी एसी कोच नंबर ए-3 में सफर कर रहा था। ट्रेन के रवाना होते ही मुखबिर ने इसकी जानकारी आरपीएफ के उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद ट्रेन में छापामारी और आगामी कार्रवाई के लिए आरपीएफ व सीआईबी टीम को लुधियाना रेलवे स्टेशन पर भेज दिया गया। ट्रेन जैसे ही लुधियाना रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो तुरंत टीम मुखबिर द्वारा बताए गए कोचों में दाखिल हो गई और दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। जब उनके पास रखे ट्राली बैग की जांच की गई तो एक के बैग से सोने के गहने तो दूसरे के ट्राली बैग से पांच लाख रुपये नगद बरामद हुए।

ट्रेन के अंबाला कैंट पहुंचने पर उन्हें कोच से उतारकर पूछताछ के लिए आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया। यहां जब गगनदीप से गहनों को लेकर बिल मांगे गए तो उन्होंने एक कच्ची पर्ची दिखाई जोकि अमान्य थी। वहीं नगदी को लेकर भी जब अशोक से बात की गई तो वो भी कोई जानकारी नहीं दे पाया। मामले की सूचना मिलते ही इनकम टैक्स के अधिकारी भी रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। आरपीएफ ने पहले विस्तार से उन्हें मामले की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने दोनों व्यक्तियों से अलग-अलग पूछताछ शुरु कर दी। वहीं आरपीएफ ने आगामी कार्रवाई के लिए दोनों व्यक्तियों को सोने के गहनों सहित इनकम टैक्स अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया।

इस बाबत प्रभारी आरपीएफ जावेद खान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि पश्चिम एक्सप्रेस में करोड़ों रुपये की सोने की तस्करी होने वाली है। इसके आधार पर लुधियाना-अंबाला रेल सेक्शन पर ट्रेन में जांच की गई तो गगनदीप नाम व्यक्ति से डेढ़ करोड़ रुपये के सोने के गहने व कुछ नकली गहने और अशोक से पांच लाख रुपये नगद बरामद हुए जोकि आगामी कार्रवाई के लिए इनकम टैक्स विभाग के सुपुर्द कर दिए हैं।

श्रीगंगानगर जिले में एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

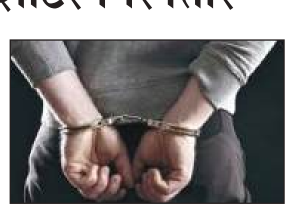

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने श्रीगंगानगर जिले में सूरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं एजीटीएफ) दिनेश एम एन ने गुरुवार को बताया कि हिस्ट्रीशीटर आत्माराम विश्नोई (50) को गिरफ्तार किया हैं। श्री एम एन ने बताया कि गैंगस्टर, हार्डकोर, वांछित इनामी अपराधियों आदि के बारे में आसूचना संकलन के लिए अलग-अलग शहरों में टीमें भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है और इसी के तहत पुलिस टीम को सूरतगढ़ थाना के प्रकरण में वांछित एवं 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त के बारे में मिली आसूचना पर आरोपी की गतिविधियों का पता लगाकर सूरतगढ़ भेजा गया।

उन्होंने बताया कि टीम ने सूरतगढ़ शहर एवं आसपास के इलाकों में लगभग 30 किलोमीटर पैदल घूमकर अपराधी के संभावित ठिकानों को चिह्नीत कर उसका पीछा किया तथा स्थानीय पुलिस के सहयोग से सूरतगढ़ के बीकानेर सर्किल पर एजीटीएफ टीम ने घेराबन्दी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देख हिस्ट्रीशीटर अपनी स्कोर्पियो गाड़ी को तेज गति से भगा कर ले जाने लगा लेकिन टीम ने स्कोर्पियो के आगे एवं पीछे पुलिस वाहन लगाकर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी आत्माराम विश्नोई हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, अवैध हथियार व मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में विभिन्न थानों के 24 आपराधिक प्रकरणों में वांछित चल रहा था। आरोपी थाना सूरतगढ़ का हिस्टीशीटर एवं हार्ड कोर अपराधी है। श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक द्वारा डकैती के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

श्रीगंगानगर जिले में एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने श्रीगंगानगर जिले में सूरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं एजीटीएफ) दिनेश एम एन ने गुरुवार को बताया कि हिस्ट्रीशीटर आत्माराम विश्नोई (50) को गिरफ्तार किया हैं। श्री एम एन ने बताया कि गैंगस्टर, हार्डकोर, वांछित इनामी अपराधियों आदि के बारे में आसूचना संकलन के लिए अलग-अलग शहरों में टीमें भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है और इसी के तहत पुलिस टीम को सूरतगढ़ थाना के प्रकरण में वांछित एवं 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त के बारे में मिली आसूचना पर आरोपी की गतिविधियों का पता लगाकर सूरतगढ़ भेजा गया। उन्होंने बताया कि टीम ने सूरतगढ़ शहर एवं आसपास के इलाकों में लगभग 30 किलोमीटर पैदल घूमकर अपराधी के संभावित ठिकानों को चिह्नीत कर उसका पीछा किया तथा स्थानीय पुलिस के सहयोग से सूरतगढ़ के बीकानेर सर्किल पर एजीटीएफ टीम ने घेराबन्दी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देख हिस्ट्रीशीटर अपनी स्कोर्पियो गाड़ी को तेज गति से भगा कर ले जाने लगा लेकिन टीम ने स्कोर्पियो के आगे एवं पीछे पुलिस वाहन लगाकर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी आत्माराम विश्नोई हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, अवैध हथियार व मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में विभिन्न थानों के 24 आपराधिक प्रकरणों में वांछित चल रहा था।

सीएम नीतीश की सुरक्षा में तैनात जवानों ने जनप्रतिनिधियों से की धक्का-मुक्की

एमपी बोले-हमें वहां से भाग दिया

आरा (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को आरा दौरे पर रहे। वे कई कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए यहां आए थे। लेकिन, सीएम दौरे को लेकर जनप्रतिनिधियों से लेकर आम जनता ने उनके प्रति नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मुख्यमंत्री के अंगरक्षकों पर धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, आरा सांसद को छोड़कर किसी भी राजनीतिक दल के नेता या कार्यकर्ता कैमरे के सामने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

आरा दौरे पर आए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले जीरो माइल स्थित नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। इसके बाद वे बड़हरा प्रखंड के बखोरापुर गांव में पंचायत राज्य भवन का उद्घाटन करने पहुंचे। यहां मौजूद सांसद, विधायक, एमएलसी और अन्य जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मुलाकात करने और उनका स्वागत करने के लिए उपस्थित थे, लेकिन अंगरक्षकों ने उन्हें सीएम से न तो मुलाकात करने दी और न ही तस्वीर खिंचवाने दी। बताया गया कि जैसे ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे उनके आसपास दर्जनों कमांडो ने घेरा डाल लिया। स्वागत के लिए सांसद, विधायक, एमएलसी, पूर्व विधायक और जेडीयू के कई नेता गुलदस्ता, अंगवस्त्र और माला लेकर खड़े थे, लेकिन सीएम नीतीश कुमार ने किसी से भी मुलाकात नहीं की। बल्कि, उनके अंगरक्षकों ने जनप्रतिनिधियों को धक्का देकर बार-बार साइड करने का प्रयास किया।

स्वागत के लिए आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, एमएलसी राधा चरण साह और जेडीयू व एनडीए के अन्य नेता मौजूद थे। लेकिन, जैसे ही मुख्यमंत्री पहुंचे उनके अंगरक्षकों ने जनप्रतिनिधियों के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इस दौरान पत्रकारों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने जब अंगरक्षकों के दुर्व्यवहार को देखा तो उन्हें ऐसा करने से रोका, लेकिन धक्का-मुक्की जारी रही।

कार्यक्रम के बाद माले सांसद सुदामा प्रसाद ने मीडिया से बात करते हुए अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के अंगरक्षकों ने उन्हें तीन बार धक्का देकर वहां से भगा दिया गया। सांसद ने कहा कि उन्होंने कई बार सीएम से मिलने और गुलदस्ता देने की कोशिश की, लेकिन उनके कमांडो फोर्स ने उन्हें हर बार धक्का देकर हटा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में विधायक, सांसद और एमएलसी को कोई वैल्यू नहीं दी गई। सांसद सुदामा प्रसाद ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'अगर उद्घाटन करना ही था, तो मुख्यमंत्री हाउस से बटन दबाकर कर देते। यह बाढ़ प्रभावित इलाका है, मुख्यमंत्री को यहां की जनता की समस्याओं को सुनना चाहिए था'। उनके आने के बाद यहां भगदड़ की स्थिति बन गई थी। सांसद ने मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि 'आप और एक हजार कमांडो रख लीजिए, पांच हजार सीआरपीएफ जवान रख लीजिए, लेकिन अगर आपने निमंत्रण देकर बुलाया है तो इस तरह का अपमान सही नहीं है'।

सीएम नीतीश के गृह जिले में फैला डायरिया, एक बच्चे की मौत

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के रहुई प्रखंड में स्थित उतरनामा गांव इन दिनों एक गंभीर स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है। गांव के वार्ड नंबर 10 के महादलित टोला में डायरिया फैल गया है, जिससे एक 4 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई है और तीन दर्जन से अधिक (करीब 36) लोग इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं। गांव की कुल आबादी 250 लोगों के करीब है।

स्थानीय निवासी रंजीत रविदास ने बताया कि उनके परिवार के तीन सदस्य, दो बेटियां और एक साली डायरिया से पीड़ित है। जीतू रविदास के 4 वर्षीय बेटे रेशव कुमार उर्फ भोला की इस बीमारी के कारण मौत हो गई है। इसके अलावा सोनम कुमारी (7), ज्योति कुमारी (5), आशिक कुमार (3), बालाजी (13), अंकुश कुमार (4) और सुरुचि कुमारी (18) भी डायरिया से ग्रसित हैं। अधिकांश लोग निजी क्लीनिकों में उपचार करा रहे हैं, जबकि कुछ मरीजों का इलाज बिहार शरीफ सदर अस्पताल में चल रहा है।

डायरिया से जान गंवाने वाले बच्चे की चाची विभा देवी ने रहुई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जब वे अपने बीमार बच्चे को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो वहां के स्टाफ ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें भगा दिया। इस कारण बच्चे का समय पर इलाज नहीं मिल पाया और उसकी मौत हो गई।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिलने के बाद एक टीम गांव पहुंची थी, लेकिन उन्होंने न तो पूरे गांव का सर्वेक्षण किया और न ही ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया। यह स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही को दर्शाता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र भी संचालित है, हालांकि यह अधिकांश दिन बंद रहता है। जिसके कारण उन्हें मामूली समस्याओं के लिए भी रहुई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या बिहार शरीफ सदर अस्पताल जान पड़ता है।

रहुई स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर प्रसाद चौधरी ने बताया कि गांव में एक मेडिकल टीम भेजी जा रही है। क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छता बनाए रखने, उबला हुआ पानी पीने और किसी भी संदिग्ध लक्षण के मामले में तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की सलाह दी जा रही है।

सरकारी स्कूल में युवक युवती के कपड़े उतारे

जिससे होनी थी शादी उसी के साथ बेइज्जती

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल जिले के करजाइन थाना इलाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक प्रेमी युगल नग्न अवस्था में दिख रहा है और कुछ लोग उनकी पिटाई करते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो बीती 28 अगस्त की रात करीब 12 बजे के बाद का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित युवक ने 3 सितंबर को करजाइन थाना में केस दर्ज कराया, जिसके बाद पुलिस ने एक नामजद आरोपी सुबोध पासवान को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, वीडियो सामने आने के बाद लोग कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं।

पीड़ित युवक ने बताया कि वह करजाइन थाना क्षेत्र के जगदीशपुर वार्ड 6 में 28 अगस्त की रात टहल रहा था। इस दौरान कुछ युवकों ने उसे अगवा किया और पास के एक सरकारी स्कूल में ले गए। जहां, उसके साथ मारपीट की गई और उसकी प्रेमिका को कॉल कराकर उसे भी घर से बाहर बुलवाया गया। इसके बाद आरोपियों ने उसकी प्रेमिका को भी अगवा कर लिया और स्कूल परिसर में ले आए। जहां, पहले दोनों की पिटाई की गई, फिर नग्न कर उनका वीडियो बनाया गया और फिर दोबारा पिटा गया। मारपीट के बाद आरोपियों ने दोनों को घर लाकर जबरन शादी करा दी। इस दौरान उन्होंने केस करने पर गोली मारने की धमकी भी दी। पीड़ित युवक ने बताया कि वह लड़की से पिछले 5-6 महीने से फोन पर बात कर रहा था, आरोपी युवकों इस बात से परेशानी थी। इसी कारण से उनके साथ यह सब किया गया। पीड़ित ने कहा कि केस करने के बाद से उसे ताने और धमकी दी जा रही है।

पीड़ित युवती ने बताया कि युवक और उसके बीच में कई महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा है। 28 अगस्त की रात करीब 12 बजे उसके प्रेमी ने कॉल कर घर से बाहर बुलाया तो वह बिना किसी झिझक के बाहर आ गई। लेकिन, घर से निकलते ही उसे कुछ युवकों ने अगवा कर लिया और स्कूल परिसर ले गए। वहां, आरोपियों ने उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं हुई। इसके बाद आरोपियों ने नग्न कर पीटा और वीडियो लिया। जिसके बाद में वायरल कर दिया।

पीड़िता के पिता ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच पहले से ही शादी की बात तय हो चुकी थी। मार्च में दोनों की शादी तय थी, लेकिन उससे पहले ही आरोपियों ने वारदात को अंजाम देकर दोनों की जबरन शादी करा दी।

करजाइन थानाध्यक्ष लालजी प्रसाद ने बताया कि पीड़ित युवक के आवेदन पर 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है। मामले में आरोपी सुबोध पासवान को गिरफ्तार किया गया है। जल्द ही अन्य सभी आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

जेपी नड्डा के आने से पहले मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने उखाड़ी सड़क

विभिन्न मांगों को लेकर कर रहे प्रदर्शन

गया (एजेंसियां)।

गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के कैम्पस में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनकर तैयार हो चुका है वंही सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ करने के लिए 6 सितम्बर 2024 को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा आ रहे हैं। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल से लेकर अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के मुख्य द्वार तक जाने वाली सड़क को दुरुस्त किया जा रहा है। अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर के सामने बने सड़क को मेडिकल के छात्रों के द्वारा अपनी मांगो को लेकर उखाड़ दिया गया है। इस घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों का एक दल घटना की जांच करने के लिए मगध मेडिकल कॉलेज पहुंचे तथा जांच टीम में गया के एडीएम विधि व्यवस्था, सिटी एसपी, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सहित कई अधिकारी पहुंचे और वहां लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला।

बता दें कि अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के हॉस्टल में रहने वाले मेडिकल के छात्र और छात्रा को जर्जर हॉस्टल व जर्जर सड़क सहित अन्य कई समस्या को लेकर मेडिकल के छात्रों ने पूर्व में मेडिकल कॉलेज के अधिकारी के साथ-साथ गया डीएम को इन सभी बातों से अवगत कराया था। गया डीएम ने भी छात्रों की समस्या को जल्द से जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिया था। मगर, जब छात्रों की मांग पूरा नहीं हुई तो छात्रों ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर जाने वाली सड़क को उखाड़ दिया। छह सितम्बर को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा इसी सड़क से गुजरकर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ करने जाने वाले हैं।

मामले में अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मेडिकल के छात्रों की मांग थी कि मेडिकल कॉलेज का हॉस्टल जर्जर है और वह नहीं बन पा रहा है।

हॉस्टल के तरह जाने वाला रोड नहीं बन पा रहा है और हॉस्टल का बाउंडरी भी नहीं हो रहा है। मेडिकल कॉलेज के छात्रों का यह डिमांड बहुत पहले से ही चला आ रहा था। इन सभी मांगों को लेकर छात्र गया डीएम से मिले भी थे और पूर्व में डीएम ने आश्वासन भी दिया था। मगर, कुछ छात्र कल इन सभी बातो को लेकर कन्फुज हो गए और सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के तरह जाने के लिए जो रोड बन रहा था उसे रोकने की कोशिश की और उसी को लेकर आज जिला प्रशासन के कुछ अधिकारी आये थे। उनकी मांगों को सुनने के लिए और छात्रों से बात हुई और सभी छात्र मान गए।

सभी मेडिकल के छात्रों ने वादा किया कि सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ करने का आयोजन अच्छे से होगा। हमें कन्फ्यूजन हो गया था कि हमलोगों का हॉस्टल का रोड नहीं बनेगा।

कहा कि 6 सितम्बर 2024 को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा करने वाले हैं। शुभारंभ और उसी को लेकर रोड बनाया जा रहा था। थोड़ा दिक्कत हुआ है मगर अब वह भी बन जायेगा।

तेजस्वी यादव और हेमंत सोरेन के बयान पर आईटी मंत्री ने जमकर हमला बोला

बिहार में आभार यात्रा निकालने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार करना चाहिए

पटना (एजेंसियां)।

आगामी 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाला है और इन दिनों राजनैतिक बयानबाजियां खूब हो रही हैं। इसी क्रम में बिहार के आईटी मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन गया जिले के इमामगंज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बयान पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को बिहार में आभार यात्रा निकालने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार करना चाहिए। इन जैसे व्यक्ति को बिहार का डिप्टी सीएम बना दिया जाता है।

तेजस्वी यादव द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर अपराध का डाटा पोस्ट पर बिहार के आईटी मंत्री ने कहा कि तेजस्वी यादव को पहले अपने पिता के 15 साल के शासनकाल का डाटा निकाल कर समीक्षा करनी चाहिए। तब उन्हें जानकारी होगी कि आखिर सच क्या है? आभार यात्रा के जरिए, लोगों को जानेंगे, तब कुछ परिपक्व हो जाएंगे।

बिहार के आईटी मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने झारखंड सिपाही भर्ती की दौड़ में 12 युवकों की मौत के लिए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कोरोना टीका के कारण मौत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जिन लोगों को जानकारी नहीं है, वही लोग ऐसा बयानबाजी करते हैं। देश-दुनिया ने भारत के कोरोना टीका को माना है और टिका विदेशों में भी भेजा गया है। देश के 140 करोड़ जनता है। जिसमे 90% लोगों ने टीकाकरण में हिस्सा लिया है। कुछ लोग वैसे है, जो जानकारी के अभाव में ऐसी बाते करते है। उन्होंने कहा इस तरह की टिप्पणी शोभनीय नहीं है। यह लोग अपने देश को नीचा दिखाने के लिए ऐसा बयान दे रहे हैं। ऐसे बयानों को जनता सब समझ रही है।

सहरसा में सोना कारोबारी की करंट लगने से मौत

सहरसा (एजेंसियां)।

बिहार के सहरसा में 36 साल के स्वर्ण व्यवसायी पंकज सोनी की करंट लगने से गुरुवार को मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। व्यवसायी की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, मारूफगंज में रहने वाले स्वर्ण व्यवसायी पंकज सोनी के घर में अचानक करंट आने लगा था। ऐसे में वह छत पर करंट आने का कारण जानने के लिए गया थे, इस दौरान वह इसकी चपेट में आ गया। परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी लगी तो वे पंकज को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक अपने पीछे पत्नी, एक आठ साल का पुत्र और एक तीन साल की पुत्री सहित पूरा परिवार छोड़ गया है। पति की मौत की खबर सुनते ही पत्नी की तबियत बिगड़ गई, जिसे परिजनों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

सूचना मिलते ही स्वर्ण व्यवसायी संघ के सदस्य अस्पताल पहुंचे और घटना पर आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना बिजली विभाग की लापरवाही से हुई है। लोगों ने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

गया में डेंगू का कहर जारी, अब तक 33 लोग अस्पताल में भर्ती

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले में इन दिनों डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी क्रम में डेंगू के चपेट में तीन और मरीज आए हैं। इनका इलाज अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के विशेष वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डेंगू वार्ड में सात मरीजों का इलाज किया जा रहा है। वहीं छह और भर्ती मरीजों का जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। मालूम हो कि अब तक 33 डेंगू के मरीज अस्पताल में भर्ती हुए थे। जिसमे 20 लोगों का डेंगू रिपोर्ट पॉजिटिव आया था।

इस संबंध में अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने बताया कि डेंगू वार्ड में सात मरीज भर्ती है। दो नए मरीज आए हैं। वहीं उन्होंने कहा कि छह और ऐसे मरीज है। जिनका जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। हालांकि, इलाज के बाद कई मरीज स्वस्थ होकर अपने घर चले गए हैं। वहीं शहर में डेंगू के मरीज मिलने के बाद गया नगर निगम जाग गई है। डेंगू वाले इलाकों में फॉगिंग और दवा छिड़काव शुरू कर दी है।

आज से गया नगर निगम के सभी वार्डों में फॉगिंग और दवा छिड़काव करने का फैसला लिया गया है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग जिस इलाके में डेंगू से ग्रस्ति मरीज मिल रहे हैं। उन इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंच रही है और लोगों को जागरूक कर डेंगू से बचने का उपाय बता रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com